26वीं वार्षिक रिपोर्ट

2020-21

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं
सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

विषयवस्तु

संदेश 3
परिषदें 7
संगठन 15
संगठन की विशेषताएँ 18
परियोजनाएं 23
केन्द्र 35
लेखा–परीक्षक 83
लेखा 87
संक्षिप्तकार 142

अश्विनी वैष्णव
Ashwini Vaishnaw

सत्यमेव जयते

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
भारत सरकार
Minister of Railways
Communications & Electronics and
Information Technology
Government of India

सदेंश

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की 26वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2020–21 हेतु लेखाओं की संपरीक्षित विवरण एवं लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हुई है।

भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि **"मेरा डिजिटल भारत एक स्वप्न है जहां ज्ञान ही शक्ति है– तथा जो जनसाधारण को सशक्त बनाता है।"** डिजिटल प्रौद्योगिकियों की अधिकता से, व्यापार करने की शैली में तेजी से परिवर्तन हुआ है, और फलतः, बाजार में उपयुक्त कौशल की भारी मांग होने के साथ–साथ कमी भी है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भारत सरकार के विजन को पूर्ण करने की दिशा में प्रयासरत है जिसमें मुख्यतः डिजिटली सशक्त कार्यबल को तैयार करना तथा चौथी औद्योगिक क्रांति की चुनौतियों को सामना करना शामिल है। पूरे भारत में, नाइलिट अपने केन्द्रों के माध्यम से सक्रिय संसाधन केंद्र है जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के फ्यूचर स्किल प्राइम प्रोग्राम के अंतर्गत सभी दस (10) निर्धारित प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

किसी भी व्यापार के लिए एक पृथक रूप में प्रौद्योगिकी की भूमिका जारी रहेगी तथा हितधारक व्यापार में इसकी महत्वता का अनुभव कर रहे हैं। नाइलिट अपने विभिन्न कौशल उन्मुखी पाठ्यक्रम के साथ इस चुनौती का समुचित रूप से सामना करने हेतु तैयार है, यह पाठ्यक्रम जो प्रचलित तथा व्यापक रूप से स्वीकार्य नवीन प्रौद्योगिकी सोल्यूशन्स के क्रियान्वयन तथा अभिग्रहण हेतु विशिष्ट स्किलसेट्स की प्रदायगी के उद्देश्य से राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) से संरेखित है।

मैं आशा करता हूँ कि नाइलिट राष्ट्र एवं इसके नागरिकों के विकास में और अधिक योगदान दें।

अश्विनी वैष्णव

संचार भवन, 20 अशोका रोड, नई दिल्ली–110 001
फोनः 011–23739191, 23372177 फैक्सः 011–23372428

RAJEEV CHANDRASEKHAR
राजीव चंद्रशेखर

सत्यमेव जयते

D.O./ MoS (E&IT) /202.........
Minister of State
Electronics & Information Technology,
Skill Development and Entrepreneurship
Government of India
राज्य मंत्री
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी,
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
भारत सरकार

संदेश

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की 26वीं वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित संवृद्धि के साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए लेखाओं का संपरीक्षित विवरण एवं लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए प्रसन्नता हुई है।

इस रिपोर्ट से सुस्पष्ट है कि नाइलिट वैश्विक महामारी के दौरान उभरती प्रौद्योगिकियों में मुख्यतः अधिगम/शिक्षण की नई विधियों को अपनाते हुए भारत में अपने प्रगतिशील विस्तार हेतु अथक प्रयास कर रहा है। डिजिटल साक्षरता में प्रगति डिजिटल इंडिया तथा स्किल इंडिया के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में योगदान दे रही है।

मैं फ्यूचर स्किल्स में नाइलिट द्वारा की गई पहल से प्रसन्न हूँ जो, "ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था" तक भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में संभावित रूप से एक मंच तैयार कर रहा है। नाइलिट द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), साइबर कानून/फोरेंसिक, बिग डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स तथा संबंधित क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयास सराहनीय है।

मुझे विश्वास है कि, नाइलिट रोजगार क्षमता की ओर स्किलिंग के बहु–आयामी दृष्टिकोण को अपनाकर मौजूदा क्षमताओं में वृद्धि तथा डिजिटल इंडिया के विजन को पूर्ण करने में नई उपलब्धियों को प्राप्त करना जारी रखेगा। मैं नाइलिट को इसके भावी प्रयासों में बृहद सफलता के लिए शुभकमनाएं देता हूँ।

(राजीव चन्द्रशेखर)

Digital India
Power To Empower

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय : इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003, दूरभाष : 011-24368757-58 फैक्स : 011-24360958
Office : Electronics Niketan , 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003, Tel. : 011-24368757-58, Fax : 011-24360958
E-mail : rajeev-mos@gov.in, Website : www.meity.gov.in
@rajeev.goi @Rajeev_GoI @rajeev_chandrasekhar /RajeevChandrasekharMP @rajeev_chandrasekhar www.rajeev.in

सत्यमेव जयते

अजय साहनी, आई.ए.एस
AJAY SAWHNEY, I.A.S.

सचिव
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
Secretary
Ministry of Electronics &
Information Technology (MeitY)
Government of India

सदेंश

"डिजिटल क्रांति" अर्थव्यवस्था, नवाचार, विज्ञान तथा शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, स्थिरता, गवर्नेंस तथा जीवन–शैली तक सभी कुछ प्रभावित कर रही है। डिजिटल प्रौद्योगिकियां मौलिक रूप से व्यापार मॉडल, संस्थानों और समाज को समग्र रूप से परिवर्तित कर देगी जिससे, एक नया पारिस्थितिकी–तंत्र उभरेगा।

पिछले दो दशकों से, भारतीय आईटी उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। भारत सरकार ने रोजगार सृजन तथा विदेशी मुद्रा की व्यवस्था हेतु इस पर निर्भर रहकर आगे, भारत की आर्थिक उन्नति तथा इस क्षेत्र के विकास को सुविधा प्रदान करते हुए भारतीय आईटी क्षेत्र को महत्वपूर्ण माना है।

यह देखकर बहुत हर्ष होता है कि नाइलिट आगामी और विशिष्ट प्रौद्योगिकियों जैसे ब्लॉकचेन, बिग डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन आदि में युवाओं और कार्यरत पेशेवरों की रि–स्किलिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिजिटल रूप से सशक्त कार्यबल तथा समाज के निर्माण हेतु इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विजन को पूर्ण करने की दिशा में नाइलिट द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय हैं।

मुझे विश्वास है कि आगामी वर्षों में नाइलिट अत्यधिक सफलता को प्राप्त करना जारी रखेगा तथा देश को डिजिटल रूप से सशक्त और ज्ञान–युक्त अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(अजय साहनी)

नई दिल्ली
दिनांक: 18 जनवरी, 2022

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली -110 003/Electronics Niketan, 6, C.G.O., Complex, New Delhi - 110 003
Tel. : 011-24364041 • Fax : 24363134 • E-mail : secretary@meity.gov.in

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
Dr. Jaideep Kumar Mishra
महानिदेशक
Director General

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)
National Institute of Electronics
and Information Technology (NIELIT)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार की एक स्वयत्त वैज्ञानिक संस्था)
(An Autonomous Scientific Society of Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India)
6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली– 110 003
6 CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi-110 003
दूरभाष / Tele No.: +91-11-24364870, 24363732
ईमेल / E-mail : dg@nielit.gov.in
ट्विटर / Twitter : @NIELITIndia

सदेंश

मुझे वर्ष 2020–21 हेतु लेखा परीक्षित विवरण सहित नाइलिट की 26वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। नाइलिट ने पूरे भारत में अपने विस्तार से देश के लगभग आठ लाख नागरिकों के जीवन में प्रभाव डाला है जिसमें वर्ष 2020–21 के दौरान, उनकी विभिन्न आईसीटी तथा डिजिटल क्षमता पाठ्यक्रमों के माध्यम से स्किलिंग सम्मिलित है। नाइलिट फ्यूचरस्किल्स प्राइम परियोजना में प्रमुख हितधारकों में से एक है जो अपने संसाधन केंद्रों के माध्यम से विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों में लगभग आठ हजार अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित कर चुका है। वर्तमान में, विभिन्न स्तरों पर नाइलिट के अट्ठाईस पाठ्यक्रम एनएसक्यूएफ दिशानिर्देशों से संरेखित हैं जो उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न जॉब–रोल्स हेतु उपयुक्त हैं।

यह तथ्यात्मक है कि वैश्विक महामारी ने डिजिटलीकरण पर तीव्र गति से ध्यान केन्द्रित किया है तथा संगठनों की डिजिटली दृश्य–परिवर्तन यात्रा पर उनके कार्यबल संबंधी बाधाएं चुनौतीपूर्ण हैं। नाइलिट भारत में डिजिटल कौशल हेतु मांग अंतर को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जिसका, वर्ष 2024 तक 20 गुना बढ़ना अपेक्षित है। स्किलिंग मोड की प्रदायगी के आधुनिकीकरण को दृष्टिगत रखते हुए, नाइलिट वर्चुअल अकादमी के निर्माण की दिशा में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है जो, उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप अपेक्षित डिजिटल कौशल सहित जनशक्ति की मांग एवं आपूर्ति को पूरा करेगा।

स्किलिंग डिलीवरी इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने की ओर, नाइलिट अन्य वस्तुओं के बीच विभिन्न स्वदेशी उत्पादों जैसे, कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड स्कैनर, आईओटी स्मार्ट स्विच कंट्रोलर तथा गुणवत्ता प्रशिक्षण प्रदान करना अर्थात दोनों के विकास के लिए अत्याधुनिक लैब इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में निवेश कर रहा है।

यह उत्तर–पूर्व में अवस्थित नाइलिट केंद्रों के संदर्भ में भी उल्लेखनीय है, जहां, सभी पूर्वोत्तर राज्यों के हितलाभ हेतु अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक प्रयोगशाला, कोहिमा, में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला तथा सौर–ऊर्जा प्रयोगशाला, शिलांग, आईओटी प्रयोगशाला, गंगटोक इत्यादि में स्थापित की गई है।

नाइलिट विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/संगठनों जैसेः संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा और आईआईटी, रोपड़, इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु III ताइवान, आईईसीटी पाठ्यक्रम में बीएसएफ कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए एनआई–एमएसएमई, सीमा सुरक्षा बल, इत्यादि के सहयोग से ज्ञान–आधारित समाज के निर्माण की दिशा में भरसक प्रयास कर रहा है।

यह उल्लेख करना भी गर्व का विषय है कि, विभिन्न नाइलिट केंद्र जैसेः औरंगाबाद, कोलकाता, कोहिमा, इंफाल, अगरतला, कालीकट, आइजोल व अन्य विभिन्न प्रतिष्ठित परियोजनाओं का क्रियान्वयन/ निष्पादन कर रहे हैं जिसमें स्किल्स हेतु उत्कृष्टता का नाइलिट–सीआईआई केंद्र, देशभर के साठ आकांक्षी जिलों में एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस युवाओं का कौशल विकास शामिल है। वर्ष के दौरान, वैश्विक महामारी संबंधी बाधाएँ होते हुए भी, नाइलिट ने धरातलीय स्तर पर डिजिटल साक्षरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी तथा अनूठी रिमोट प्रोक्टेड परीक्षा प्रणाली द्वारा पीएमजीदिशा के अभ्यर्थियों हेतु समस्त निर्धारित एसेस्मेंट्स को पूर्ण किया।

अंततः, मुझे यह साझा करते हुए प्रसन्नता है कि, वैश्विक महामारी कोविड–19 से उत्पन्न विभिन्न चुनौतियाँ जिससे, प्रशिक्षण तथा क्षमता–निर्माण को बहुत अधिक प्रभाव पड़ने के पश्चात भी, वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, नाइलिट ने शुद्ध समग्र अधिशेष सहित रु.368.87 करोड़ का यथेष्ट राजस्व भी प्राप्त किया है। यह अनिवार्य रूप से पिछले वर्षों की तुलना में व्यय में वास्तविक कमी सहित रणनीतिक योजना तथा अधिक दक्षता और नियंत्रण हेतु विभिन्न केंद्रों की वित्तीय प्रणालियों के सिंक्रनाइजेशन के माध्यम से संभव हुआ।

नाइलिट उद्योग की आवश्यकताओं को पूर्ण करते हुए अपने अधिदेश के अनुसार तथा डिजिटली सशक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए सर्वश्रेष्ठ सेवाओं की प्रदायगी जारी रखेगा।

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)

अध्यक्ष, अधिशासी परिषद्

वर्ष	नाम
1995-1996	प्रो. **पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1996-1997	प्रो. **पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1997-1998	प्रो. **पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1998-1999	प्रो. **सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1999-2000	प्रो. **सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2000-2001	प्रो. **सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2001-2002	प्रो. **(डॉ.) के.के. अग्रवाल,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2002-2003	**डॉ. संजय पासवान,** राज्य मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2003-2004	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2004-2005	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2005-2006	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2006-2007	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2007-2008	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2008-2009	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2009-2010	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2010-2011	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (14/11/2010 तक)
	श्री कपिल सिब्बल, मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (15/11/2010 से)
2011-2012	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2012-2013	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2013-2014	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2014-2015	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2015-2016	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2016-2017	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2017-2018	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2018-2019	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2019-2020	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2020-2021	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी

उपाध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष	नाम
2016-17	**श्री पी.पी. चौधरी,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2017-18	**श्री के जे अलफोन्स,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2018-19	**श्री एस एस अहलुवालिया,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2019-20	**श्री संजय धोत्रे,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2020-21	**श्री संजय धोत्रे,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

* First time created in 2016

अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड

नाम	से	तक
श्री जे. सत्यनारायण, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	14/03/2012	30/04/2014
श्री आर एस शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	01/05/2014	07/08/2015
श्री राकेश गर्ग, भाप्रसे, सचिव, संचार विभाग	08/08/2015	30/08/2015
श्री जे.एस. दीपक, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	31/08/2015	08/02/2016
श्रीमती अरुणा शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	08/02/2016	28/07/2016
श्रीमती अरुणा सुंदरराजन, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	29/07/2016	22/06/2017
श्री अजय साहनी, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	23/06/2017	-

महानिदेशक

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्ता	09/11/1994	26/06/1999
श्री. वी.बी. तनेजा	28/06/1999	04/08/1999
श्री अरिन्दम बोस	05/08/1999	17/07/2000
डॉ. पी.एन. गुप्ता	18/07/2000	30/12/2005
श्री जी.वी. रघुनाथन	31/12/2005	28/09/2006
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/09/2006	28/02/2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01/03/2007	15/07/2007
श्री जी.वी. रघुनाथन	16/07/2007	16/10/2008
डॉ. एस. बिरेन्द्र सिंह	17/10/2008	01/11/2010
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	02/11/2010	18/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	19/08/2011	28/08/2011
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/08/2011	31/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	02/09/2011	03/05/2012
डॉ. अजय कुमार, भाप्रसे	04/05/2012	05/08/2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06/08/2012	05/08/2017
श्री राजीव कुमार, आईएफओएस	16/08/2017	14/08/2018
डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, आईसीएएस	21/08/2018	-

दृष्टि

उद्योग उन्मुखी गुणवत्तापरक शिक्षा व प्रशिक्षण के विकास में अग्रणी होना तथा सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश का प्रमुख संस्थान बनना है।

लक्ष्य

देश के अनौपचारिक संस्थानों के मध्य कम्प्यूटर शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन हेतु एकल स्रोत के रूप में स्थापित होना। अधिक संख्या में आईटी पेशेवर उपलब्ध कराने के पश्चात, अब देश के सभी क्षेत्रों के साथ–साथ विदेशों में भी, नाइलिट की पहुँच में विस्तार हो रहा है।

अधिशासी परिषद 2020–21

श्री रवि शंकर प्रसाद
अध्यक्ष
माननीय विधि एवं न्याय, संचार व इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री संजय धोत्रे
उपाध्यक्ष
माननीय मानव संसाधन विकास, संचार व इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

श्री अजय साहनी
कार्यकारी उपाध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह
सदस्य
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

श्री अमित खरे
सदस्य
सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबूद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

श्रीमती ज्योति अरोड़ा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (ए.बी.सी. प्रभाग) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

अधिशासी परिषद 2020–21

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव, (एच.आर.डी. प्रभाग), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजेश अग्रवाल
सदस्य
महानिदेशक (प्रशिक्षण), कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
अध्यक्ष, नैसकॉम

प्रो. (डॉ.) जे.डब्ल्यू. बाकल
सदस्य
अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियर्स संस्थान

प्रो. पुष्पक भट्टाचार्य
सदस्य
निदेशक, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी पटना

श्री टी.वी. मोहनदास पाइ
सदस्य
अध्यक्ष, मनीपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेस प्रा. लि., बेंगलुरु

श्री हरी ओम राय
सदस्य
अध्यक्ष, लावा इंटरनेशनल लि.

श्री विनीत नायर
सदस्य
संस्थापक, संपर्क फाउंडेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

प्रबंधन बोर्ड 2020–21

श्री अजय साहनी
अध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्रीमती ज्योति अरोड़ा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (ए.बी.सी. प्रभाग) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव, (एच.आर.डी.), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबूद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
अध्यक्ष, नैसकॉम,

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

वित्त एवं लेखा समिति

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
महानिदेशक, नाइलिट

श्रीमती ज्योति अरोड़ा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (ए.बी.सी. प्रभाग) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री ए.के. पिपल
सदस्य
निदेशक एवं एचओडी (एचआरडी), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव तलवार
सदस्य सचिव
मुख्य वित्त अधिकारी, नाइलिट

सीवओ / कार्यकारी निदेशक / निदेशक

श्रीमती सविता कुतरेजा
मुख्य सतर्कता अधिकारी
नाइलिट एवं वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी
गोरखपुर

डॉ. एम.पी. पिल्लै
कालीकट

श्री टी. पी. सिंह
इम्फाल

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता
औरंगाबाद

डॉ. युमनाम जयंता सिंह
गुवाहाटी

श्रीमती सुनीता गोयल
चंडीगढ़

श्री शमीम खान
दिल्ली

डॉ. डी.के. मिश्रा
लखनऊ

श्री कपिल नयाल
गंगटोक

श्री राजीव अग्रवाल
शिमला

श्री यशपाल गोगिया
अजमेर

श्री आलोक त्रिपाठी
पटना

श्री अनुराग माथुर
अगरतला

श्री संजीव सूद
कुरुक्षेत्र

श्री डी.एस. ओबेरॉय
श्रीनगर / जम्मू

निदेशक (प्रभारी) / कुलसचिव / मु.वि.आ.

डॉ. प्रताप कुमार एस
चेन्नई

श्री वी. कृष्णामूर्ति
भुवनेश्वर, कोलकाता

श्री टी. गुनेन्द्र सिंह
आइजोल, ईटानगर

श्री सांतनु बोर्गोहैन
शिलांग

श्री एल. लानुवाबंग
कोहिमा

श्री अनुराग कुमार
हरिद्वार

श्री के.एन. चतुर्वेदी
रांची

श्री जनक राज
कुलसचिव लोक शिकायत अधिकारी
व अपीलीय प्राधिकारी

श्री राजीव तलवार
मुख्य वित्त अधिकारी

संगठन

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है। नाइलिट आईईसीटी; भविष्य कौशल; साइबर कानून; साइबर सुरक्षा; भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस); क्लाउड कंप्यूटिंग; ईएसडीएम; ई–अपशिष्ट; ई–गवर्नेंस व संबंधित क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के कार्य में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। यह औपचारिक और गैर–औपचारिक दोनों क्षेत्रों में पाठ्यक्रम संचालन तथा राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु संस्थानों/संगठनों को प्रत्यायन प्रदान करती है। नाइलिट विभिन्न राज्य सरकार के कार्मिकों व जनसाधारण के लिए आईटी साक्षरता कार्यक्रम का भी संचालन कर रही है।

नाइलिट अधिशासी परिषद के समग्र नियंत्रण एवं दिशानिर्देशों के अंतर्गत कार्य कर रही है। इस परिषद के माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (इ. व सू.प्रौ.) अध्यक्ष व माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री उपाध्यक्ष साथ में, सरकार, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न व्यावसायिक निकायों से इसके सदस्य हैं।

नाइलिट के **प्रबंधन बोर्ड** की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव द्वारा की जाती है। बोर्ड तथा परिषद के निर्णयों का कार्यान्वयन प्रभावी रूप से करने हेतु प्रत्येक नाइलिट केंद्र की एक कार्यकारी समिति है जिसमें राज्य सरकारों, शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योगों के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं।

नाइलिट की वित्त और लेखा (वि. एवं ले.) समिति के अध्यक्ष, महानिदेशक, नाइलिट हैं जो बजट अनुमान/संशोधित अनुमानों तथा संगठन के वित्तीय मुद्दों/ समाधानों की सिफारिश करके अधिशासी परिषद की सहायता करती है। इस समिति को लेखा–परीक्षकों की नियुक्ति के अतिरिक्त, संस्थान की संपरीक्षित वार्षिक लेखाओं को अधिशासी परिषद द्वारा पारित किए जाने से पहले उनकी जांच करने का अधिकार प्राप्त है। नाइलिट के महानिदेशक, संगठन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं । उन्हें मुख्यालय स्तर पर कुलसचिव, मुख्य वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक व सभी संयुक्त निदेशक (तकनीकी) एवं केंद्र स्तर पर कार्यकारी निदेशक/निदेशक का सहयोग प्राप्त होता है।

अकादमिक सलाहकार समिति (एसीसी) की अध्यक्षता प्रख्यात विद्वानों द्वारा की जाती है, जिसके सदस्य शैक्षिक एवं उद्योगिक क्षेत्रों से होते हैं तथा यह नाइलिट की शैक्षणिक गतिविधियों पर एक सलाहकार निकाय है।

नाइलिट के सतर्कता विभाग के प्रमुख **मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ)** हैं, जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रत्येक केन्द्र तथा नाइलिट मुख्यालय के सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।

पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में जुलाई, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम में उल्लिखित अपेक्षाओं के अनुसार, मुख्यालय में **लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ)** तथा सभी नाइलिट केन्द्रों में लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए आन्तरिक कार्यविधियाँ तैयार की गई हैं और अनिवार्य सूचना नाइलिट की वेबसाइट (www.nielit.gov.in) पर उपलब्ध कराई गई है। सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता लाने तथा नागरिकों की शिकायतों का निवारण सार्थक रूप में करने के उद्देश्य से, नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक लोक शिकायत अधिकारी (पीजीओ) की भी नियुक्ति की है।

अगरतला, आइजोल अजमेर , अलावलपुर, औरंगाबाद, भुवनेश्वर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई ,चुचुईमलांग, चुराचंदपुर, दिल्ली, डिब्रूगढ़, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, कोकराझार, कोलकाता, कुरुक्षेत्र, लखनपुरा, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, माजुली, मंडी, पासीघाट, पटना, पाली, रांची, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर, तुरा, और तेजू, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय सहित नाइलिट के तैंतालीस (43) केंद्र हैं।

नाइलिट के अपने केन्द्रों का प्रतिवर्ष विस्तार

2012 से पूर्व	22	अगरतला, आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़ (सुविधा केंद्र), चेन्नई, चुचुईमलांग, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इंफाल, ईटानगर, जम्मू कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, पटना, शिमला, शिलांग, श्रीनगर, तेजपुर
2012–13	6	अजमेर, जोरहाट, सिलचर, चुराचंदपुर, सेनापति, लेह
2013–14	3	रांची, कोकराझार, लुंगलेई
2014–15	2	अलावलपुर, रोपड़
2015–16	2	पासीघाट, तूरा
2016–17	3	कुरुक्षेत्र, डिब्रूगढ़, भुवनेश्वर
2017–18	2	पाली, हरिद्वार
2018–19	3	लखनपुरा, माजुली, तेजू
2019–20	3	बक्सरः सितम्बर 2019 में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित, परिसर का निर्माण प्रक्रिया में है, मुजफ्फरपुर : सितंबर, 2019 में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित, परिसर का निमार्ण प्रक्रिया में हैं कारगिल : मार्च 2020 में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित, निर्मित स्थान की नवीकरण प्रक्रिया में है।
2020–21		दिमापुरः जुलाई–2020 में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित, निर्मित स्थान का नवीनीकरण प्रक्रियाधीन है
		दमनः फरवरी 2021 में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित
भावी केंद्र		बीकानेर, पुदुचेरी, विशाखापटनम

केंद्रों के अतिरिक्त, नाइलिट का ओ/ए/बी/सी स्तर के प्रशिक्षण के लिए लगभग 880 **प्रत्यायित प्रशिक्षण संस्थानों** से एक अच्छा नेटवर्क स्थापित है तथा डिजिटल साक्षारता पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण में लगभग 6900+ **सुविधा केन्द्रों** का एक नेटवर्क जुड़ा हुआ है जिससे, नाइलिट की देश के सभी क्षेत्रों एवं समाज के सभी वर्गों तक पहुँच के संबंध में इसका विशिष्ट स्थान है।

नाइलिट–अखिल भारतीय स्तर पर उपस्थिति

(31 मार्च 2021 तक)

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	केंद्रों की संख्या			
		मुख्य	विस्तार	प्रत्यायित	सुविधा
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	0	0	0	1
2	आंध्रप्रदेश	0	0	0	71
3	अरुणाचल प्रदेश	1	2	3	30
4	असम	1	6	22	169
5	बिहार	1	2	1	376
6	चंडीगढ़	1	0	1	4
7	छत्तीसगढ़	0	0	10	123
8	दमन व दीव और दादर व नगर हवेली	0	0	0	5
9	गोवा	0	0	0	
10	गुजरात	0	0	14	146
11	हरियाणा	1	0	16	212
12	हिमाचल प्रदेश	1	1	45	128
13	जम्मू और कश्मीर	1	1	72	248
14	झारखंड	1	0	11	110
15	कर्नाटक	0	0	3	137
16	केरल	1	0	8	73
17	लद्दाख	1	0	0	0
18	लक्षद्वीप	0	0	0	1
19	मध्य प्रदेश	0	0	15	298
20	महाराष्ट्र	1	0	10	772
21	मणिपुर	1	2	4	64
22	मेघालय	1	1	2	22
23	मिजोरम	1	1	1	14
24	नागालैंड	1	1	4	18
25	दिल्ली– एनसीटी	1	0	60	134
26	ओडिशा	1	0	31	185
27	पुदुचेरी	0	0	0	10
28	पंजाब	0	0	9	99
29	राजस्थान	1	1	52	271
30	सिक्किम	1	0	2	9
31	तमिलनाडु	1	0	2	97
32	तेलंगाना	0	0	0	40
33	त्रिपुरा	1	0	1	23
34	उत्तर प्रदेश	1	1	427	2753
35	उत्तराखंड	1	0	23	146
36	पश्चिम बंगाल	1	0	25	369
कुल		24	19	888	6930

संगठन की विशेषताएँ

क. कौशल विकास, क्षमता निर्माण एवं रोजगार

राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का उद्देश्य उन्नत कौशल, ज्ञान तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रूप में मान्यता प्राप्त अर्हता के माध्यम से सभी व्यक्तियों का सशक्तीकरण करना है जिससे, वे अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकें तथा वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित हो सके। नाइलिट विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में आईईसीटी में युवाओं को कौशल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले व्यापक पाठ्यक्रमों में ये शामिल हैं: (क) नाइलिट केन्द्रों द्वारा राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों/तकनीकी बोर्डों के सहयोग से चलाए जाने वाले औपचारिक क्षेत्र के पाठ्यक्रम जैसे कि एमई/एम.टेक, बीई/बी.टेक, एमसीए, बीसीए कार्यक्रम, औरंगाबाद केन्द्र इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में पीएचडी कार्यक्रम भी चलाता है (ख) सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर आदि के चार स्तरों पर अर्थात 'ओ' ए 'बी' और 'सी' स्तर; (ग) आला क्षेत्रों में अल्पकालिक पाठ्यक्रम तथा (घ) देश में डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम और राज्य सरकारों और केन्द्रीय मंत्रायलों के विभागों के कर्मचारियों के सशक्तीकरण के लिए ई–शासन, ई–अपशिष्ट, जीएसटी में विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की फर्मों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार विशेष रूप से तैयार कौशल विकास कार्यक्रम चलाने की विशेषज्ञता तैयार की है।

प्रशिक्षण का विवरण:

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुशल/प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या निम्नवत है:

क्र.सं.	पाठ्यक्रमों का वर्गीकरण	प्रशिक्षित/कुशल/उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या
1	औपचारिक पाठ्यक्रम (एम.टेक/ बीसीए/ एमसीए/ तीन वर्षीय डिप्लोमा इत्यादि)	1,984
2	अनौपचारिक पाठ्यक्रम 1 वर्ष या उससे अधिक अवधि के आईटी हार्डवेयर/ मल्टीमीडिया इत्यादि में (ओ/ ए) स्तर।	53,301
3	लघु अवधि पाठ्यक्रम (डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम के अतिरिक्त)	28,475
4	डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम (परीक्षा में उपस्थिति)	6,93,474
	अभ्यर्थियों की कुल संख्या	**7,77,234**

ख. सहयोग एवं समझौता ज्ञापनों के माध्यम से तालमेल

- **एमएसएमई के साथ समझौता**

इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और उद्यमिता विकास के क्षेत्र में देश भर में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नाइलिट और नी–सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, डीजी नाइलिट और सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा, डीजी, नी–सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम ने हस्ताक्षर किए।

प्रारंभ में, पटना, चंडीगढ़, आइजोल, अजमेर और ईटानगर में नाइलिट केंद्र नी–सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के साथ संयुक्त प्रमाणन कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करेंगे। प्रशिक्षण ब्लेंडेड मोड में होगा। चूंकि तकनीकी शिक्षा से तकनीकी के लिए आवश्यक मानव पूंजी का उत्पादन करने की अपेक्षा की जाती है, विकास और उद्यमशीलता की शिक्षा आत्म–सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और समग्र आर्थिक विकास में मदद करती है, यह समझौता देश में रोजगार सृजन की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

- **नाइलिट और बीएसएफ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर**

नाइलिट ने विभिन्न नाइलिट पाठ्यक्रमों पर या विशेष रूप से आईसीटी के क्षेत्र में बीएसएफ कर्मियों के लिए डिजाइन किए गए विभिन्न क्षमता निर्माण और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के लिए सीमा सुरक्षा बल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, डीजी, नाइलिट और श्री महेंद्र सिंह, आईजी (आईसीटी), बीएसएफ ने हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह बीएसएफ को पूरे देश में विभिन्न नाइलिट केंद्रों पर विभिन्न विरासत और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों में गुणवत्ता कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने में नाइलिट की विशेषज्ञता का उपयोग करने में मदद करेगा।

- **नाइलिट कोलकाता द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन**

क) आवासीय रूफटॉप पीवी सिस्टम के लिए स्थापना, संचालन, रखरखाव और उद्यमिता पर आई–आरआईएसई सूर्यमित्र अपस्किलिंग प्रोग्राम के तहत जीआईजेड, स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स और नाइलिट कोलकाता के बीच 27.07.2020 को सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

ख) जादवपुर विश्वविद्यालय के साथ 08.03.2020 को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक विषयों में रोजगार–उन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करना।

ग) लोक सेवा आयोग (पीएससी), पश्चिम बंगाल सरकार के साथ वेबसाइट के विकास और पीएससी, पश्चिम बंगाल सरकार के ऑनलाइन भर्ती पोर्टल के कार्यान्वयन और पोर्टल का रखरखाव करना ।

- **नाइलिट पटना द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन**

क) टीसीएस उद्योग ऑनर प्रमाणन कार्यक्रम के लिए वैकल्पिक डिजाइन और कार्यान्वयन, मूल्यांकन, सामग्री निर्माण, सामग्री वितरण के लिए 21.08.2020 को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएस) मुंबई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

ख) बिहार के अल्पसंख्यक अभ्यर्थियों की रोजगार योग्यता में सुधार के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए दिनांक 31.03.2020 को जिला परियोजना अधिकारी–सह–जिला कल्याण अधिकारी, पटना और बिहार राज्य अल्पसंख्यक वित्तीय निगम लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

ग) 2020–2021 के दौरान नाइलिट परिसरों का निर्माण और अवसंरचना

दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लाभ हेतु आवासीय सुविधाओं के साथ–साथ बुनियादी ढाचां प्रदान करने की दृष्टि से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) भारत सरकार ने देश के विभिन्न भागों में स्थाई परिसरों के निमार्ण की स्वीकृति प्रदान की है। नए केंद्रों ने नाइलिट की अभिगम्यता उन सुदूर क्षेत्रों तक बढ़ाने में सहायता की है, जहां इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अच्छे ख्याति प्राप्त अन्य संस्थान मौजूद नहीं हैं। स्थायी परिसरों की स्थापना के अतिरिक्त, राज्य में संबंधित नाइलिट केंद्र की निगरानी में दूरस्थ क्षेत्रों में विस्तार केंद्र स्थापित करने का भी प्रयास किया जाता है। नाइलिट की देशभर में अपनी उपस्थिति की दृष्टि से, संबंधित राज्य सरकारों के

साथ किराए पर निर्मित स्थान/भूमि रूप में सहयोगार्थ मांग की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

मुजफ्फरपुर में श्री रविशंकर प्रसाद, केंद्रीय मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, विधि एवं न्याय ने दिनांक 28 अगस्त, 2020 को वेबिनार के माध्यम से, बिहार के उप–मुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी, श्री सुरेश कुमार शर्मा, माननीय मंत्री, शहरी विकास और आवास विभाग, बिहार सरकार, सचिव इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के, श्री अजय प्रकाश साहनी और नाइलिट के महानिदेशक, श्री जयदीप कुमार मिश्रा की उपस्थिति में नींव रखी ।

मुजफ्फरपुर नगर स्थित विस्तार केन्द्र का निर्माण तेजी से चल रहा है।

घ. डिजिटल साक्षरता

डिजीटल साक्षरता एक ऐसा अभियान है, जो भारत सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया है कि सरकार की सेवाओं को ऑनलाइन बुनियादी ढांचे में अत्यधिक सुधार के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाकर या तकनीकी क्षेत्र में देश को डिजीटल रूप से समर्थ बनाकर इलेक्ट्रॉनिकी रूप से नागरिकों को उपलब्ध कराया जाए। डिजीटल साक्षरता से तात्पर्य विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों जैसे कि स्मार्टफोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप आदि के माध्यम से स्पष्ट जानकारी खोजने, मूल्यांकन, उत्पादन और संचार करने की किसी व्यक्ति की क्षमता से है। डिजीटल साक्षरता दिनचर्या के कार्यों में तकनीक का प्रयोग करने तथा उत्पादकता बढ़ाने में जनसाधारण की सहायता करती है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की मानव संसाधन की शाखा के रूप में नाइलिट अपने आईटी साक्षरता पाठ्यक्रमों के माध्यम से डिजिटल डिवाइड को कम करने में प्रयासरत है, विशेषतः यह समाज के हाशिए पर आने वाले वर्गों के युवाओं के रोजगार के लिए अग्रणी है। नाइलिट में डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों की एक श्रेणी है, जैसे कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट जागरूकता (एसीसी– 20 घंटे) बेसिक कम्प्यूटर कोर्स (बीसीसी–36 घंटे) कोर्स आन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट (सीसीसी–80 घंटे) कोर्स ऑन कॅम्प्यूटर कॉन्सेप्ट प्लस (सीसीसी प्लस 126 घंटे) एक्सपर्ट कम्प्यूटर कोर्स (इसीसी–200घंटे) ये पाठ्यक्रम देश में डिजिटल साक्षरता के प्रभावी प्रसार के लिए अनुशंसित है। कई राज्य सरकारों ने रोजगार पदोनति, वेतनवृद्धि के उद्देश्य हेतु इन पाठ्यक्रमों को मान्यता भी प्रदान की है। हाल ही में, एसीसी, बीसीसी और सीसीसी पाठ्यक्रमों को बाजार की मांग के अनुरूप परिवर्तित किया गया है।

अधिगम को 24X7 संभव बनाने की दिशा में, 25 भाषाओं में सीसीसी पाठ्यक्रम की ई–सामग्री को विकसित किया है तथा नाइलिट की वेबसाइट पर उपलब्ध भी कराया गया है। जहां तक कक्षा–शिक्षण का प्रश्न है, यह पाठ्यक्रम पूरे देश में लगभग 10,000 सुविधा केंद्रों द्वारा संचालित किया जा रहा है। पाठ्यक्रमों के लिए हर महीने परीक्षा देश भर के 150 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाती है। पाठ्यक्रम एक पूर्ण ऑनलाइन प्रणाली द्वारा संचालित होता है अर्थात् परीक्षा के लिए अभ्यर्थी का पंजीकरण, परीक्षा शुल्क की प्राप्ति, परीक्षा का संचालन, परिणामों की घोषणा और डिजिटल हस्ताक्षरित ई–प्रमाण पत्र जारी करना है। मासिक आधार पर आयोजित किए जाने वाले डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों के ऑनलाइन परीक्षा चक्र के लिए औसतन 60,000 से अधिक अभ्यर्थी उपस्थित होते हैं।

ड. 2020–2021 के दौरान महत्वपूर्ण घटनाएं/उपलब्धियां:

कोविड 19 के बीच प्रौद्योगिकी–सक्षम शिक्षण को अपनाना

कोविड 19 महामारी ने देश में शिक्षण संस्थानों को कक्षा शिक्षण के पारंपरिक तौर तरीके को अस्थायी रूप से निलंबित करने के लिए मजबूर किया है। जबकि महामारी ने हममें से अधिकांश लोगों के लिए अभूतपूर्व चुनौतियां पेश की हैं, नाइलिट ने शैक्षणिक क्षेत्र में इस व्यवधान को प्रौद्योगिकियों के मिश्रण के माध्यम से सीखने के विभिन्न तरीकों को लागू करके और घर से कार्य करने की पद्धति को अपनाकर संभाला है।

नाइलिट केंद्र सिस्को वेबेक्स, गूगल क्लासरूम, मूडल, बिगब्लूबटन आदि ऑनलाइन कक्षाओं के विभिन्न माध्यमों के माध्यम से छात्रों को सक्रिय रूप से शिक्षा दे रहे हैं। प्रैक्टिकल सेशन वर्चुअल लैब में आयोजित किए जाते हैं। ऑनलाइन लर्निंग के प्रति किसी भी उदासीन दृष्टिकोण से बचने के लिए, केंद्र ऑनलाइन कक्षाओं को अनुकूल और इंटरैक्टिव

बनाने के लिए विभिन्न सुविधाओं के साथ लैस है, जिससे बोरियत को दूर रखा जा सके और सक्रिय सीखने की शुरुआत की जा सके। लाइव ऑनलाइन वीडियो कक्षाओं के अलावा, विभिन्न ई–सामग्री प्रशिक्षण सामग्री को वर्चुअल क्लास रूम में नियमित रूप से अपलोड किया जाता है, समय–समय पर मूल्यांकन, असाइनमेंट, उपस्थिति की निगरानी मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग करके की जाती है। छात्रों के साथ प्रश्न समाधान सत्र भी निर्धारित हैं। प्रौद्योगिकी सक्षम अधिगम ने छात्र–शिक्षक के बीच बातचीत को अधिक उत्पादक और प्रभावी बना दिया है क्योंकि छात्र ई–कक्षाओं में प्रवेश कर सकते हैं और एक स्वतंत्र और लचीले वातावरण में व्याख्यान में भाग ले सकते हैं। यह देखा गया कि कुछ बैचों में, छात्रों की औसत उपस्थिति में भी वृद्धि हुई थी। अपने नियमित छात्रों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से पढ़ाने के अलावा, कुछ नाइलिट केंद्र अन्य शैक्षणिक संस्थानों को अपने छात्रों के लिए ई–कक्षाएं शुरू करने में भी मदद कर रहे थे।

महामारी के बीच वरिष्ठ नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण

नाइलिट केंद्र हरिद्वार वरिष्ठ नागरिकों और गृहणियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए आगे आया है ताकि उन्हें मानवीय संपर्क पर निर्भर न रहना पड़े और अपनी सुविधानुसार प्रौद्योगिकी का उपयोग न करना पड़े क्योंकि महामारी ने मानवीय भागीदारी को कम करने के लिए डिजिटल परिवर्तन को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। केंद्र ने वरिष्ठ नागरिकों / गृहणियों के लिए ''डिजिटल भुगतान और ई–गवर्नेंस सेवाओं के लिए मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग'' पर ''एक सप्ताह का जागरूकता कार्यक्रम'' के कई बैचों का आयोजन किया है। कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों / गृहिणियों को विभिन्न ई–गवर्नेंस सेवाओं जैसे ई–हॉस्पिटल, नागरिकों के लाभ के लिए भारत सरकार द्वारा लॉन्च किए गए विभिन्न ऐप के बारे में जागरूक करने के लिए डिजाइन किया गया था। जैसे आरोग्य सेतु, जीवन प्रमाण, उमंग, भीम, सोशल मीडिया का उपयोग आदि। प्रतिभागियों ने विभिन्न सरकारी और गैर–सरकारी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ–साथ आम साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियों और सुरक्षा सुविधाओं के बारे में सीखा। कार्यक्रम बिल्कुल मुफ्त में पेश किया जाता है और कई वरिष्ठ नागरिकों / गृहिणियों ने कार्यक्रम से लाभ उठाया है और इस पहल की सराहना की है।

नाइलिट औरंगाबाद में ''आईसीटी उपकरणों के माध्यम से ई–सेवाओं में वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता अभियान/कार्यक्रम'' का ऑनलाइन उद्घाटन

दिनांक 30.07.2020 को डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, महानिदेशक नाइलिट की उपस्थिति में श्री संजय धोत्रे, माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी, मानव संसाधन विकास और संचार राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा नाइलिट औरंगाबाद में आईसीटी उपकरणों के माध्यम से ई–सेवाओं में वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता अभियान/कार्यक्रमों का उद्घाटन ऑनलाइन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत, वरिष्ठ नागरिकों को स्मार्टफोन के उपयोग, ऑनलाइन पैसे के लेनदेन, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी नियमों और योजनाओं के बारे में जागरूकता और अन्य ऑनलाइन लेनदेन जैसे आईआरसीटीसी, एमएसआरटीसी, ओला आदि में प्रशिक्षित किया जाता है। यह कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है।

ईएसडीएम क्षेत्र में कौशल विकास के लिए योजनाएं

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईएसडीएम क्षेत्र में कौशल विकास के लिए 2 योजनाओं को स्वीकृति दी है। 'इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) क्षेत्र में कौशल विकास के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों का चयन करने के लिए वित्तीय सहायता योजना' (स्कीम –1) और 'डिजिटल इंडिया के लिए ईएसडीएम में कौशल विकास' (योजना–2)। योजनाओं का उद्देश्य कुल 4,18,000 व्यक्तियों (योजना–1 के लिए 90,000 और योजना–2 के लिए 3,28,000) के कौशल विकास के माध्यम से ईएसडीएम क्षेत्र के विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की सुविधा प्रदान करना है। इन योजनाओं के तहत, कौशल विकास प्रशिक्षण इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में छात्रों और बेरोजगार युवाओं को प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसियों (केआईए) अर्थात ईएससीआई, टीएसएससी, नाइलिट, एचएसएससी से संबद्ध प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

नाइलिट केआईए में से एक है। परियोजना को लागू करने के लिए, नाइलिट द्वारा प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट (ईएसडीएम–पीएमयू) की स्थापना की गई है जो जमीनी स्तर पर परियोजना की निगरानी के लिए एचआरडी डिवीजन, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम कर रही है। दोनों योजनाओं के तहत कुल 3.93 लाख उम्मीदवार नामांकित हैं, जिनमें से 3.81 लाख उम्मीदवार प्रशिक्षित हैं, जिनमें से 2.51 लाख अभ्यर्थी प्रमाणित हैं तथा 29,997 अभ्यर्थी संचयी रूप से 31 मार्च 2021 तक रखे गए हैं। योजना की अवधि 31.03.2023 तक बढ़ा दी गई है।

मेडिकल अल्ट्रासाउंड इमेजिंग एप्लीकेशन के लिए प्रोसेसर

नाइलिट कालीकट ने पानी के भीतर ध्वनिक/चिकित्सा अल्ट्रासाउंड इमेजिंग अनुप्रयोग के लिए सफलतापूर्वक एक प्रोसेसर (एरेसिग्नल प्रोसेसर) या एक अनुप्रयोग विशिष्ट एकीकृत सर्किट (एएसआईसी) विकसित किया है। प्रोसेसर को माईटी के स्पेशल मैनपावर डेवलपमेंट प्रोग्राम (एसएमडीपी) चिप टू सिस्टम डिजाइन (सी2एसडी) प्रोजेक्ट के तहत विकसित किया गया है और यह मेडिकल अल्ट्रासाउंड/अंडरवाटर इमेजिंग सिस्टम की सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट है। यह विकास जटिल सेमीकंडक्टर एकीकृत परिपथ डिजाइन और विकास में भारत के लिए एक अग्रणी कदम है। विकसित प्रोसेसर की जटिलता 5 मिमी x 5 मिमी के क्षेत्र में 1.6 मिलियन गेट्स है और यह 50 मेगाहर्ट्ज आवृत्ति तक संचालित होती है। विकसित प्रोसेसर का इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम बोर्ड पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है। विकसित प्रोसेसर मेडिकल अल्ट्रासाउंड डायग्नोस्टिक/अंडरवाटर इमेजिंग सिस्टम के स्वदेशीकरण में मदद करता है

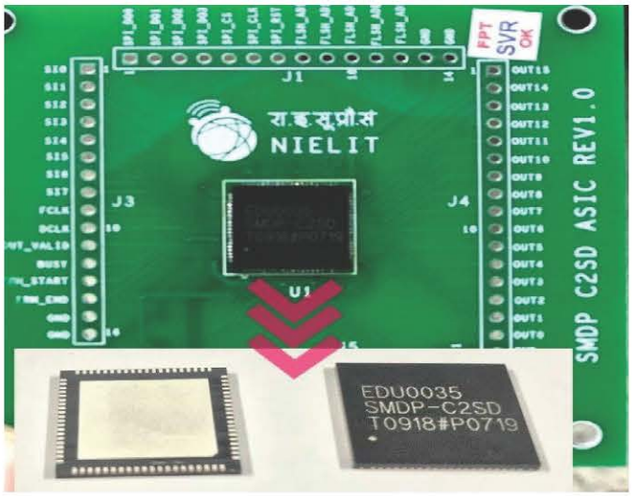

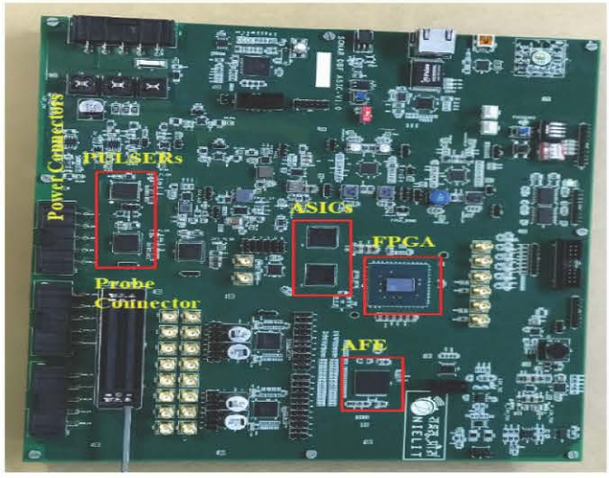

और इसका उपयोग रक्षा अनुप्रयोगों को लक्षित करने वाले अंडरवाटर इमेजिंग सिस्टम के लिए भी किया जाता है।

स्वदेशी चिकित्सा अल्ट्रासाउंड प्रणाली पर प्रोटोटाइप

नाइलिट कालीकट ने स्वदेशी कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड प्रणाली के प्रयोगशाला प्रोटोटाइप को विकसित और सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है। प्रोटोटाइप सिस्टम में टच–आधारित नियंत्रण और डिस्प्ले पैनल है। सिस्टम तीन अल्ट्रासाउंड सरणी ज्यामिति (रैखिक, चरणबद्ध, और उत्तल) का समर्थन करता है, और आवेदन के आधार पर किसी एक सरणी को सिस्टम से जोड़ा जा सकता है और इमेजिंग किया जा सकता है। नियंत्रण और डिस्प्ले पैनल विन्यास के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर क्यूटी/क्यूएमएल का उपयोग करके विकसित किया गया है। 128 चैनल अल्ट्रासाउंड ट्रांसीवर, डिजिटल बीमफॉर्मर और पावर मैनेजमेंट और डीबगर बोर्ड डिजाइन और विकास आदि जैसे हार्डवेयर बोर्ड पूरे हो गए थे। 128 चैनल ट्रांसीवर और डीबीएफ बोर्ड एकीकरण पूरा हो गया है और बुनियादी बी–मोड इमेजिंग का प्रदर्शन किया गया था। इसे आर एंड डी परियोजना शीर्षक के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा ''स्वदेशी पीएनडीटी अनुपालन के साथ कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड स्कैनर'' वित्त पोषित किया गया है।

वर्चुअल लैब सुविधा के साथ ऑनलाइन पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों का शुभारंभ

नाइलिट चेन्नई ने डाटा साइंस और एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, सूचना सुरक्षा और एंबेडेड रीयल–टाइम सिस्टम में वर्चुअल लैब सुविधा के साथ ऑनलाइन मोड में 3 पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किए हैं। कुल 246 अभ्यर्थी प्रशिक्षित/प्रशिक्षण ले रहे हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में ई–अपशिष्ट प्रबंधन पर क्षमता निर्माण

नाइलिट गंगटोक केंद्र को इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा ''ई–कचरा प्रबंधन पर कौशल और उद्यमिता विकास के माध्यम से क्षमता निर्माण'' नामक एक परियोजना से सम्मानित किया गया। परियोजना के तहत, नाइलिट गंगटोक में ई–कचरे के निराकरण और पृथक्करण के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा स्थापित किया गया है। ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 की अनुसूची–I में दिए गए ई–कचरे की वस्तुओं के पृथक्करण और निराकरण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया भी विकसित की गई है। पूर्वोत्तर राज्यों के युवाओं के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए बुनियादी ढांचे का उपयोग किया जा रहा है।

कोहिमा में साइबर फोरेंसिक (आरसीएफआरसी) में क्षेत्रीय संसाधन केंद्र

नाइलिट कोहिमा ने निजी क्लाउड के माध्यम से फोरेंसिक उपकरण जैसे संसाधनों को साझा करने और विशेष फोरेंसिक सेवाओं की पेशकश की, स्थापित सुविधाओं के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 24X7 आधार पर डेटा केंद्र उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल फोरेंसिक डेटा केंद्र की स्थापना की है। डिजिटल फोरेंसिक और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एलईए और अन्य हितधारकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक वेब आधारित आभासी प्रशिक्षण वातावरण विकसित किया गया था। इसके अलावा, स्वचालित स्क्रीन कैप्चरिंग सहित डिजिटल साक्ष्य के रूप में नकली वेबपृष्ठों को प्राप्त करने के लिए लाइव वेब अधिग्रहण उपकरण विकसित किया गया था। अपराध स्थल पर साइबर अपराध की जांच करते समय पुलिस उपलब्ध कराने और सहायता करने के लिए एक वेब आधारित हेल्पडेस्क स्थापित किया गया था। इसके अलावा, साइबर अपराध मामलों के भंडारण, संरक्षण, प्रलेखन के लिए एक वेब आधारित साइबर अपराध मामला प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है जो पुलिस द्वारा अग्रेषित की जाती है।

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

नाइलिट परिसरों के निर्माण के लिए चल रही परियोजनाएं

क्र.सं	भौगोलिक विवरण	परियोजना का नाम और उसका विवरण	कुल परिव्यय
1.	उत्तर पूर्व क्षेत्र के सात राज्य (असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड व सिक्किम)	"प्रशासनिक अनुमोदन सं. एए सं. 1(2)/2012–एचआरडी दिनांक 30.05.2012 के जरिए "सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास" यह परियोजना नाइलिट द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से कार्यान्वित की जा रही है जिसका मुख्य उद्देश्य आईईसीटी प्रशिक्षण / शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण करना है। परियोजना के अंतर्गत, उत्तर पूर्व के क्षेत्र के सभी 18 स्थानों पर अस्थायी निर्मित स्थल (मणिपुर में इम्फाल, सेनापति और चूराचंदपुर, मिजोरम में आइजोल और लुंगलाई, नागालैंड में चुचुईमलांग, मेघालय में शिलांग और तुरा, अरुणाचल प्रदेश में ईटानगर, पासीघाट और तेजू, असम में गुवाहाटी, तेजपुर, कोकराझार, जोरहाट, डिब्रूगढ़, और सिलचर और सिक्किम में गंगटोक) में प्रशिक्षण गतिविधियां गतिमान हैं। 3 स्थानों (मणिपुर में इंफाल और चुराचांदपुर, मिजोरम में आइजोल) के लिए भवन सौंपे गए हैं और अन्य स्थानों के लिए बहुत जल्द पूरा होने की संभावना है।	रु 287 करोड़

क्र.सं	भौगोलिक विवरण	परियोजना का नाम और उसका विवरण	कुल परिव्यय
2	बक्सर (बिहार)	प्रशासनिक अनुमोदन संख्या. एल 14011/14/2019–एचआरडी दिनांक 25–09–2019 के तहत बक्सर (बिहार) में नाइलिट केंद्र की स्थापना। परियोजना का उद्देश्य बक्सर में नाइलिट विस्तार केंद्र के स्थायी परिसर की स्थापना और आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल गतिविधियों को अंजाम देना है।	9.30 करोड़
3	मुजफ्फरपुर (बिहार)	प्रशासनिक अनुमोदन संख्या.एल14011/15/2019–एचआरडी दिनांक 25.09.2019 के तहत मुजफ्फरपुर केन्द्र की स्थापना। परियोजना का उद्देश्य मुजफ्फरपुर में नाइलिट विस्तार केंद्र के स्थायी परिसर की स्थापना और आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल गतिविधियों को अंजाम देना है।	9.30 करोड़
4	कारगिल (लद्दाख)	प्रशासनिक अनुमोदन संख्या.एल14011/22/2019–एचआरडी दिनांक 27.03.2020 के तहत कारगिल (लद्दाख) में नाइलिट केंद्र की स्थापना। परियोजना का उद्देश्य प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए निःशुल्क निर्मित स्थान पर कारगिल में नाइलिट विस्तार केंद्र की स्थापना और आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल गतिविधियों को बढ़ावा देना है।	2.50 करोड़
5	दीमापुर (नागालैंड)	प्रशासनिक अनुमोदन संख्या.एल 14011/24/2019–एचआरडी दिनांक 08–07–2020के तहत दीमापुर (नागालैंड) में नाइलिट केंद्र की स्थापना। परियोजना का उद्देश्य प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए निःशुल्क निर्मित स्थान पर दीमापुर में नाइलिट विस्तार केंद्र की स्थापना और आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल गतिविधियों को बढ़ावा देना है।	2.89 करोड़
6	मंडी (हिमांचल प्रदेश)	प्रशासनिक अनुमोदन संख्या एल–14011/24/2019–एचआरडी, दिनांक 18/01/2021 के तहत मंडी, हिमाचल प्रदेश में नाइलिट विस्तार केंद्र का उन्नयन/संवर्धन। परियोजना का उद्देश्य मंडी में नाइलिट विस्तार केंद्र का उन्नयन/संवर्धन करना और आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल गतिविधियों को बढ़ावा देना है।	1.27 करोड़
7	दमन व दीव और दादरा व नगर हवेली का संघ राज्य क्षेत्र	प्रशासनिक अनुमोदन एल–14011/7/2019–एचआरडी, दिनांक 19.02.2021 के तहत दमन में नाइलिट केंद्र की स्थापना। परियोजना का उद्देश्य प्रशासन द्वारा दमन व दीव और दादरा व नगर हवेली के संघ राज्य क्षेत्र में उपलब्ध कराए गए निःशुल्क निर्मित स्थान पर दमन में नाइलिट विस्तार केंद्र की स्थापना और आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल गतिविधियों को बढ़ावा देना है।	3.44 करोड़
8	शिलांग, मेघालय	एल–14011/7/2019–एचआरडी, दिनांक 19.02.2021 के तहत नाइलिट शिलांग के स्थायी परिसर की स्थापना। परियोजना का उद्देश्य नाइलिट शिलांग परिसर के लिए 1637 वर्गमीटर के शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक क्षेत्र का निर्माण और आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल गतिविधियों को अंजाम देना है।	8.00 करोड़

क्षमता निर्माण/अनुसंधान एवं विकास के लिए चल रही परियोजनाएं:

1	अखिल भारतीय	नाइलिट और सी–डैक केंद्र के माध्यम से भविष्य कौशल 'प्राइम' के तहत मिश्रित शिक्षण ढांचा। परियोजना का क्रियान्वयन नाइलिट और सी–डैक द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। चौदह (14) नाइलिट केंद्र अर्थात; नाइलिट कालीकट, औरंगाबाद, कोलकाता, चेन्नई, पटना, कोहिमा, श्रीनगर/जम्मू, दिल्ली, अगरतला, गोरखपुर, चंडीगढ़, इंफाल, गुवाहाटी और गंगटोक परियोजना में शामिल हैं। सभी लीड और को–लीड आरसी को लक्षित लाभार्थी प्राप्त करना है। 10 लीड और 30 को–लीड आरसी में से, नाइलिट केंद्र 3 लीड और 25 को–लीड रिसोर्स सेंटर (आरसी) में हैं। परियोजना का उद्देश्य उभरती और भविष्य की प्रौद्योगिकियों में एक अप–स्किलिंग/री–स्किलिंग पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है ताकि कौशल में निरंतर वृद्धि के साथ–साथ आईटी पेशेवरों के ज्ञान को उनकी आकांक्षाओं और योग्यता के अनुरूप बनाया जा सके।	436.87 करोड़ (पीएमयू सहित नाइलिट और सी–डैक के लिए संयुक्त बजट)
2	लेह	**हथकरघा तथा हस्तशिल्प के क्षेत्र हेतु आईटी समर्थित इनक्यूबेशन केंद्र।** यह परियोजना नाइलिट केंद्र, लेह द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से 3 वर्ष की अवधि तक धनराशि रु. 708.79 लाख के परिव्यय सहित कार्यान्वित की जा रही है इसका उचित दिशा में आईसीटी के माध्यम से तकनीकी हस्तक्षेप से वर्धित मूल्य सहित करघा तथा हस्तकला के विकास का आधुनिकीकरण किया जाना उद्देश्य है, इसमें यह भी शामिल है जैसे; अभिनव उत्पादों का विकास, वैश्विक बाजार से जुड़ना, उत्पादन लागत में कमी, आधुनिक तकनीकी अवधारणा सहित नई पीढ़ी की रोजगार क्षमता तथा भागीदारी तथा अंतिम रूप से, लद्दाखी कारीगर जिन्होंने अद्वितीय कौशल प्राप्त किया है के लिए डिजिटल क्लस्टर (विशिष्ट ई–कॉमर्स पोर्टल) का सृजन करना है तथा उन्हें डिजिटल तकनीकों में प्रशिक्षित करें जिसमें सम्मिलित हैं डिजिटल फोटोग्राफी, डिजिटल लेनदेन तथा ई–कॉमर्स वेबसाइटों से संबंधित सूचना आदि। 1) डिजाइन का सृजन, उत्पादन की ओर अग्रसर प्रोटोटाइप विकास की सुविधा प्रदान करने हेतु 2 डिजाइन लैब्स/मॉडलिंग लैब सह अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन केंद्र की स्थापना। 2) नाइलिट में हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों के साथ–साथ उद्यमी हेतु अत्याधुनिक आईटी लैब सह प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना। 3) आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर 200 कारीगरों का प्रशिक्षण तथा आईटी उपकरण व डिजिटल साक्षरता, डिजिटल मार्केटिंग व सॉफ्ट स्किल्स, उद्यमिता कौशल आदि।	708.79 लाख

3	कोहिमा	**पूर्वोत्तर राज्यों के कारीगरों की आजीविका बढ़ाने के लिए हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र का डिजिटल हस्तक्षेप, पूर्वोत्तर राज्यों के हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों के लिए नागालैंड में डिजिटल सक्षम सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित करने के लिए व्यवस्थापक ऐप संख्या एल–14011/12/2021–एचआरडी दिनांक 30/3 /2021 बजट परिव्यय के साथ 619 लाख रुपये तीन (03) वर्षों की अवधि में निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ।** 1) पूर्वोत्तर राज्यों के हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों के लिए नागालैंड में डिजिटल सक्षम सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित करना। 2) पारंपरिक कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को उनकी दीर्घकालिक स्थिरता और पैमाने की अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिस्पर्धी और सिद्ध समर्थन बनानाः 3) नए उत्पादों का समर्थन, डिजाइन इंटरवेंशन और पैकेजिंग में सुधार के साथ–साथ विपणन बुनियादी ढांचे में सुधार करके क्लस्टर उत्पादों की विपणन क्षमता में वृद्धि करना।	619 लाख
4	महाराष्ट्र (औरंगाबाद)	**आईसीटी उपकरणों के माध्यम से ई–सेवाओं में वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता अभियान/कार्यक्रम।** यह परियोजना नाइलिट केंद्र, औरंगाबाद द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता धनराशि रु. 532.98 लाख के परिव्यय सहित दो वर्ष की अवधि के लिए कार्यान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु मोबाइल एप्लिकेशन के बारे में बुजुर्गों के बीच जागरूकता लानी है जो स्वास्थ्य निगरानी संबंधी आवश्यकता, व्यक्तिगत जानकारी की आवश्यकता, सामाजिक व आवागमन की आवश्यकता, सुरक्षा और गोपनीय आवश्यकताओं के अतिरिक्त खाली समय, विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के विषय में बुजुर्गों को संवेदनशील बनाना, उन्हें विभिन्न कानूनों, अधिनियमों तथा व्यक्तिगत कानूनों के विषय में उनकी सुरक्षा, स्मार्ट फोन के उपयोग, सावधानियों के लिए अधिनियमित और आम धोखाधड़ी से सुरक्षा, निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य देखभात्र सूचित करना तथा बुजुर्ग व्यक्तियों की कल्याण हेतु योग और फिटनेस व्यायाम का संचालन करना है।	532.98 लाख

5	चेन्नई, हरिद्वार, पटना और दिल्ली	**अनसचित जाति/अनसचित जाति से संबंधित अभियांत्रिकी उत्तीर्ण विद्यार्थियों का स्वरोजगार क्षमता निर्माण,** निम्नलिखित उद्देश्यों सहित तीन (03) वर्षों की अवधि में धनराशि रु. 443.73 लाख के बजट परिव्यय के साथ प्रशासनिक अनमोदन संख्या एल–406/2/2024–एचआरडी दिनांक 30/03/202, द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौदयोगिकी मंत्रालय दवारा प्रायोजित नाइलिट केंद्र, पटना, चेन्नै, हरिद्वार, तथा नाइलिट केंद्र, दिल्ली दवारा कार्यान्वित की जानी है: 1) अनसचित जाति/अनसूचित जनजाति समुदाय की बेरोजगारी दर को कम करना। 2) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित इंजीनियरिंग उत्तीर्ण छात्रों का क्षमता निर्माण करना। 3) आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के उभरते क्षेत्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित इंजीनियरिंग उत्तीर्ण छात्रों का कौशल में अभिवृद्धि करना। 4) उन्हें बढ़ते बाजार में अवसरों का लाभ उठाने हेतु सक्षम बनाना। 5) उनके रोजगार कौशल में सुधार करना। देश के लिए मानव संसाधन क्षमता का विकास करना।	443.73 लाख
6	नागालैंड, मणिपुर व मिजोरम	**"फोरेंसिक सेवाओं के साथ–साथ रिमोट फोरेंसिक्स का अधिग्रहण और डिजिटल साक्ष्य का विश्लेषण प्रदान करने के लिए स्टेट ऑफ आर्ट डिजिटल फोरेंसिक डेटा केंद्र की स्थापना,** उत्तर–पूर्व राज्यों के लिए वर्चुअल प्रशिक्षण सेवाओं की स्थापना" दो वर्षीय परियोजना हैं। यह परियोजना नाइलिट कोहिमा, नाइलिट इम्फाल और नाइलिट आइजोल द्वारा संयुक्त रूप से एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य है : 1) आवश्यक डिजिटल फोरेंसिक उपकरणों के साथ डिजिटल फोरेंसिक डाटा केंद्र की स्थापना व उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए वर्चुअल प्रौद्योगिकी अवधारणा सहित संसाधनों को साझा करके फोरेंसिक सेवाओं की पेशकश करना है।	401.14 लाख

7	अगरतला	**नाइलिट अगरतला द्वारा प्रशासनिक अनुमोदन संख्या एल–14011/11/202–एचआरडी दिनांक 26/03/2021 द्वारा कार्यान्वित किए जाने वाले रोजगार के अवसरों और कौशल को बढ़ाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण।** परियोजना को नाइलिट अगरतला द्वारा 248.05 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से तीन (03) वर्षों की अवधि में निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है। 1) परियोजना का मुख्य उद्देश्य कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में निम्नलिखित गतिविधियां करना है । 2) परियोजना का उद्देश्य मुद्रित सर्किट बोर्ड डिजाइनिंग, विश्लेषण और विनिर्माण तकनीकों, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन, मल्टीमीडिया विकास, एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करके त्रिपुरा के युवाओं के बीच उद्यमशीलता और सतत विकास को सक्षम करना है।	248.05 लाख
8	केरल	**प्रशासनिक अनुमोदन संख्या 1(5)/2015–एमई व एचआई दिनांकित 28.09.2015" द्वारा "स्वदेशी रंग डॉपलर अल्ट्रासाउंड स्कैनर" के साथ पीएनडीटी का अनुपालन।** यह परियोजना एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से नाइलिट कालीकट द्वारा पीएनडीटी अनुपालन सहित स्वदेशी रंग डॉपलर अल्ट्रासाउंड स्कैनर प्रोटोटाइप का डिजाइन और विकास के उद्देश्य से कार्यान्वित की जा रही है।	243.56 लाख
9	पश्चिम बंगाल	यह परियोजना आईटी तथा उपकरण एवं पीएमयू जनसाधारण के लिए आईटी का उपयोग करके "अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के युवाओं तथा महिलाओं का सशक्तिकरण करने हेतु दो वर्ष के लिए है। यह परियोजना एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता सहित, आजीविका संबंधी गतिविधियों व रोजगार सृजन/उद्यमिता विकास के क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु कार्यात्मक आईटी पर अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से नाइलिट कोलकाता (पश्चिम बंगाल के 2 चयनित जिले नामतः दार्जिलिंग और अलीपुरद्वार) द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।	241.76 लाख

10	केरल और कर्नाटक	**केरल और कर्नाटक में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सशक्तिकरण हेतु कौशल प्रशिक्षण।** यह परियोजना नाइलिट केंद्र कालीकट द्वारा दो साल की अवधि तक धनराशि रु.1,92,48,450/– के परिव्यय सहित एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से कार्यान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य केरल और कर्नाटक के चयनित जिलों में सरकारी और निजी क्षेत्रों में भी उद्यमशीलता क्षमता को बढ़ाने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के 1500 अभ्यर्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना है।	192.48 लाख
11	असम	**चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना।** यह परियोजना नाइलिट गुवाहाटी के सिलचर विस्तार केन्द्र, द्वारा तीन साल की अवधि में, धनराशि रु.1.62 करोड़ (एमईआईटीवाई का धनराशि रु.1.02 करोड़ तथा नाइलिट का धनराशि रु.59.73 लाख का योगदान) के परिव्यय सहित एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से कार्यान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य असम के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की उपकरण मरम्मत और रखरखाव करना ताकि अस्पताल के खराब उपकरणों के कारण मरीजों को हो रही परेशानी का हल करने हेतु सिलचर विस्तार केंद्र में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला स्थापित करना है।	162 लाख
12	त्रिपुरा	**"प्रशासनिक अनुमोदन संख्या एल–14011/5/2018–एचआरडी दिनांकः 28 मार्च, 2019 द्वारा नाइलिट अगरतला द्वारा" त्रिपुरा के बेरोजगार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं का कौशल विकास प्रशिक्षण"।** यह परियोजना एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से नाइलिट अगरतला द्वारा कार्यान्वित जा रही है जिसका उद्देश्य एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों की 06 संख्या में त्रिपुरा के 1940 बेरोजगार अनुसूचित जाति एवं जनजाति अभ्यर्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करते हुए त्रिपुरा के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं के बीच उद्यमशीलता और दीर्घकालिक रूप से सक्षम बनाए रखना है अर्थातः (i) प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर (520 अभ्यर्थी), डाटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन (640 अभ्यर्थी), मरम्मत और रखरखाव ईसीजी और आईसीसीयू उपकरण (80 अभ्यर्थी), दूरसंचार तकनीशियन–पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग (360 अभ्यर्थी), मरम्मत और बिजली की आपूर्ति, इन्वर्टर और यूपीएस (80 अभ्यर्थी) का रखरखाव और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स की मरम्मत प्रतिस्थापना (260 अभ्यर्थी)।	131ण58 सी

13	दिल्ली	**आईसीटी का उपयोग कर क्षमता निर्माण के माध्यम से दिल्ली एनसीआर के अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों हेतु आजीविका गतिविधियों में वृद्धि करना।** यह परियोजना निम्नवत उद्देश्य के साथ धनराशि रु.1,13,33,280/– के परिव्यय पर एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से नाइलिट केन्द्र, दिल्ली द्वारा क्रियान्वित की जा रही है:– 1) आईटीआई मल्टीमीडिया तथा एनिमेशन/डेटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन के क्षेत्र में आईसीटी पेशेवरों के रूप में अनुसूचित जाति समुदाय के संभावित अभ्यर्थियों के बीच समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। 2) अनुसूचित जाति समुदाय के अभ्यर्थियों के बीच आईटी जागरूकता सृजन करना है। 3) आईसीटी क्षेत्र में अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों की रोजगार क्षमता को बढ़ावा देना। 4) दिल्ली राज्य के आईसीटी क्षेत्र में अनुसूचित जाति समुदाय के उद्यमियों को बढ़ावा देना है।	113.33 लाख
14	महाराष्ट्र (औरंगाबाद)	नाइलिट केंद्र, औरंगाबाद द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से "नाइलिट–सीआईआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्किल्स" शीर्षक वाली एक वर्षीय परियोजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य देश के युवा के शिक्षण परिणामों में सुधार तथा उद्योग की जरूरतों को पूर्ण व रोजगार क्षमता में वृद्धि करते हुए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करना है।	108.46 लाख
15	मणिपुर	**"प्रशासनिक अनुमोदन संख्या. एल–14011/2/2018–एचआरडी दिनांकः 26 मार्च, 2019" द्वारा नाइलिट केंद्र, इम्फाल द्वारा नाइलिट की कंप्यूटर अवधारणा (सीसीसी) आधारित पाठ्यक्रम को मणिपुर में दृष्टिबाधित व्यक्तियों का प्रशिक्षण" आयोजित किया जाना है।** यह परियोजना नाइलिट केंद्र, इम्फाल द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य एक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में सॉफ्ट स्किल्स के साथ नाइलिट के सीसीसी पाठ्यचर्या को सम्मिलित करते हुए 200 घंटे की अवधि (4–सप्ताह/1 माह) सहित कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम पर मणिपुर राज्य के 200 नेत्रहीन अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करना है। यह प्रशिक्षण ब्रेल रिफ्रेशेबल कीबोर्ड के साथ "श्रुति दृष्टि" शीर्षक आधारित स्पीच सॉफ्टवेयर में भारतीय टेक्स्ट का उपयोग करके संचालित किया जा रहा है जिससे नेत्रहीन छात्रों को प्रशिक्षित किया जा सके।	30.208 लाख

16	असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल।	**रोजगार क्षमता में अभिवृद्धि करते हुए आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं का कौशल विकास करना।** प्रशासनिक अनुमोदन संख्याः एफ.सं.14011/10/2019–एचआरडी दिनांक 28 फरवरी, 2020 द्वारा यह परियोजना 3 वर्ष की अवधि हेतु आईटी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में 60 आकांक्षी जिलों के संबंधित 21,600 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं का कौशल विकास प्रशिक्षण के संचालन का कार्य सौंपा गया था। प्रशिक्षण चार पाठ्यक्रमों (एनएसक्यूएफ संरेखित) में दिया जाएगा, अर्थात (i) डाटा एंट्री तथा ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेशन कोर्स (135 घंटे); (ii) कंप्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग में एडवांस डिप्लोमा तथा प्रकाशन (200 घंटे); (iii) उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की स्थापना और मरम्मत में डिप्लोमा (350 घंटे); (iv) सोलर–एलईडी प्रकाश उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण (350 घंटे)।	29.81 करोड़
17	नागालैंड	**पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशाला का विकास तथा क्लाउड आधारित केंद्रीकृत साइबर फोरेंसिक लैब इंफ्रास्ट्रक्चर।** यह परियोजना नाइलिट केंद्र, कोहिमा द्वारा पाँच वर्ष की अवधि के लिए धनराशि रु.16.9220 करोड़ (नाइलिट, कोहिमा की धनराशि रु.9.2040 करोड़ तथा सीडैक, कोलकाता की धनराशि रु.7.7180 करोड़) के परिव्यय सहित एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से कार्यान्वित की जा रही है। जिसका निम्नवत उद्देश्य है:– 1) 8 उत्तर पूर्वी राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण मय जांच प्रयोगशालाओं की स्थापना करना। 2) प्रत्येक प्रस्तावित राज्य में आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न हितधारकों का क्षमता निर्माण जैसेः पुलिस अधिकारी, अभियोजक, न्यायाधीश, जांच अधिकारी। 3) विभिन्न हितधारकों हेतु पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या का डिजाइन तथा विकास और इसकी प्रदायगी।	16.922 करोड़

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

आय बनाम व्यय
(एनपीआर परियोजना को छोड़कर)

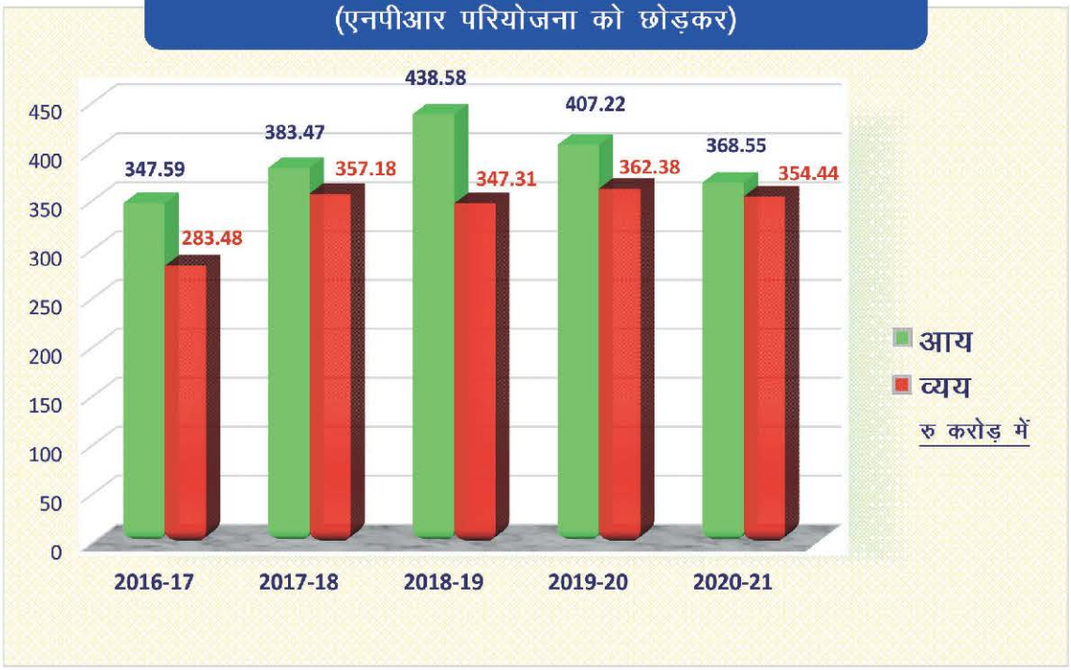

अधिशेष
(एनपीआर परियोजना को छोड़कर)

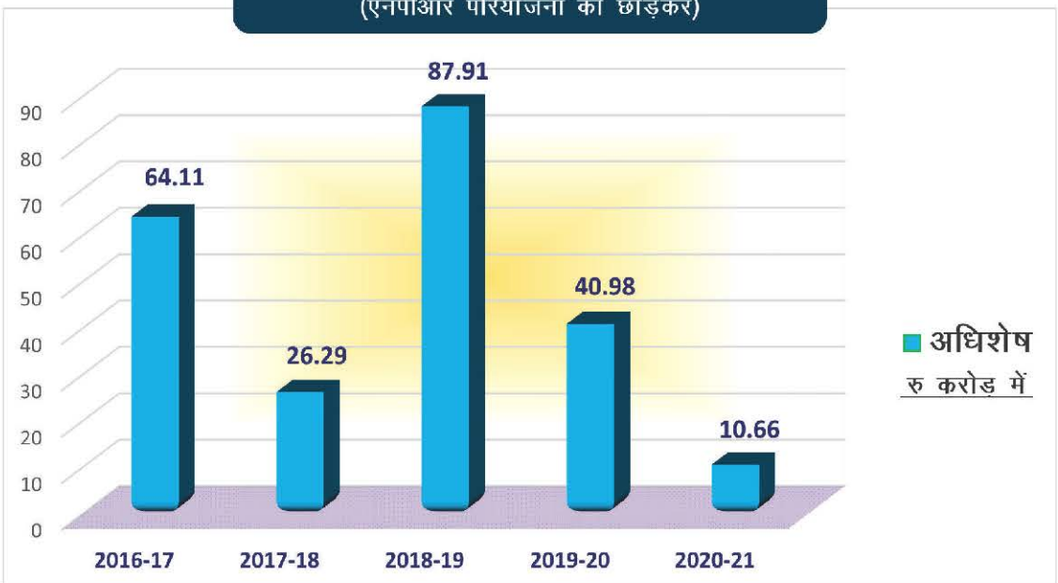

गतिविधि के अनुसार राजस्व सृजन वर्ष 2020–21 के लिए

कुल : **368.55** (रु. करोड़ में)

विवरण व्यय का हिस्सा वर्ष 2020–21 के लिए

कुल : **354.44** (रु. करोड़ में)

नाइलिट केन्द्र

43 केन्द्र

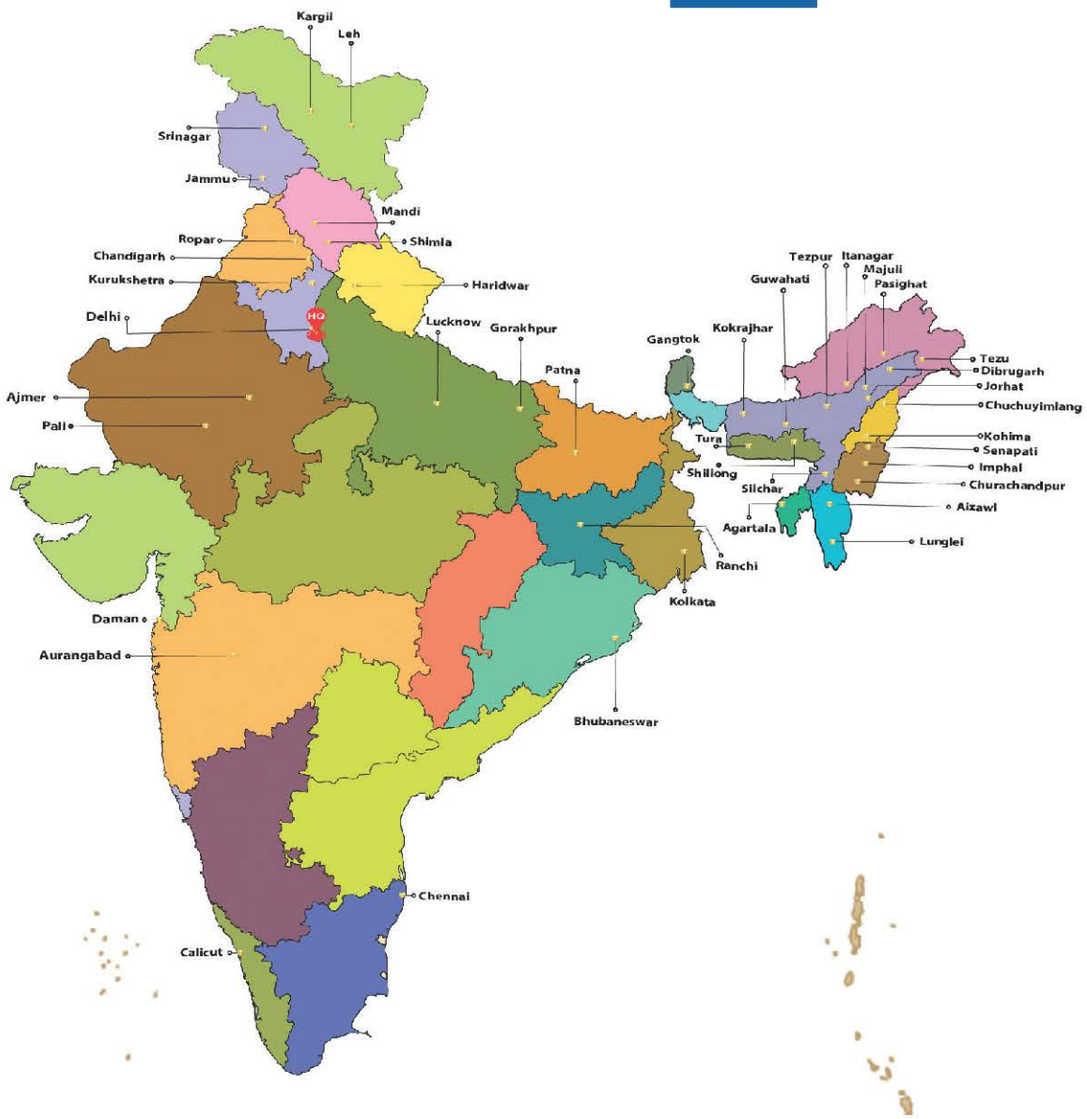

अगरतला

कार्मिकः
नियमितः 13
संविदात्मक/परियोजना आधारितः 45

कारोबारः
581.18 लाख रुपये

प्रभारी निदेशकः
श्री अनुराग माथुर

पताः
नाइलिट अगरतला आर.के. नगर
(निप्को के विपरीत)
खयरपुर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा,
पी.एस.– बोधजंगनगर,
त्रिपुरा–799008

सम्पर्क के ब्यौरेः
मोः 8794822459
ई–मेलः dir-agartala@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/agartala

क्षेत्राधिकार राज्यः
त्रिपुरा

केंद्र का इतिहासः
केंद्र की प्रारंभिक प्रशिक्षण सुविधा का दिनांक 10 फरवरी, 2009 को उद्घाटन किया गया है। केंद्र के स्थायी परिसर का निर्माण 15 एकड़ जमीन पर किया गया है और यह 1 जनवरी, 2016 से परिचालन में है । परिसर में अकादमिक ब्लॉक (जी+3), प्रशासनिक ब्लॉक (जी+2), कार्यशाला, छात्रों का छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और वाहन पार्किंग है ।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- सूचना सुरक्षा
- साइबर फोरेंसिक
- मेडिकल इलेक्ट्रॉनिकी
- वेब/सॉफ्टवेयर विकास
- क्लाउड कम्प्यूटिंग एवं एप डेवलपमेंट
- ई–शासन
- सौर (संस्थापन/मरम्मत/रखरखाव)
- पीसीबी डिजाइन एवं एनालिसिस

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन तथा प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स तथा संचार अंग्रेजी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम कम्प्यूटर एप्लिकेशन में प्रमाणपत्र (सीसीए)
- प्रिंटेड सर्किट बोर्ड डिजाइन, विश्लेषण और निर्माण तकनीक पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन विशेषज्ञ
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- प्रमाणित एंड्रायड एप्स डेवलपर
- प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर
- डाटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन
- बिजली आपूर्ति, इन्वर्टर और यूपीएस की मरम्मत और रखरखाव

ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन (बीसीए)
- कम्प्यूटर साइन्स एवं टेक्नोलाजी में डिप्लोमा (डीसीएसटी)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई)
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- सीएचएम 'ओ' स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट अगरतला ने राज्य लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईपीएआरडी), त्रिपुरा सरकार के सहयोग से अगस्त 2020 के दौरान ''साइबर अपराध से निपटने के लिए साइबर सुरक्षा'' पर ऑनलाइन साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया। विभिन्न विभागों के सरकारी कार्मिक प्रशिक्षण में शामिल हुए।
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा प्रायोजित आईएसईए परियोजना चरण–II के तहत 'सूचना सुरक्षा' पर सितंबर 2020 के दौरान एक सप्ताह की राष्ट्रीय स्तर की ई–कार्यशाला आयोजित की गई। कुल 137 प्रतिभागी (अंतर्राष्ट्रीयः 01, राष्ट्रीयः 13, त्रिपुराः 123) पंजीकृत और शामिल हुए।
- आईओटी और सुरक्षा चुनौतियों पर अक्टूबर 2020 के दौरान एक सप्ताह की राष्ट्रीय स्तर की ई–कार्यशाला आयोजित की गई। भारत के 25 राज्यों के कुल 80 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें शामिल हुए।
- भारतीय वायु सेना की एसटीएआर (एयरमैन भर्ती के लिए निर्धारित परीक्षा) परीक्षा 4 नवंबर 2020 को नाइलिट अगरतला में आयोजित की गई । परीक्षा में कुल 100 परीक्षार्थी उपस्थित हुए ।
- दिसंबर 2020 के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय, त्रिपुरा सरकार के अधिकारियों के लिए ब्लेंडेड मोड में (20 घंटेः ऑनलाइन और 30 घंटे ऑफलाइन लैब में) एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट पर 14 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (बीएडीपी) के तहत दिसंबर 2020 के दौरान खोवाई, पद्माबिल और तुलसीखर आर डी ब्लॉक अधिकारियों का कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।प्रशिक्षण जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर कार्यालय, खोवाई, त्रिपुरा सरकार द्वारा प्रायोजित है।
- फरवरी 2020 के दौरान कृषि और किसान कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार के लिए केवीके (कृषि विज्ञान केंद्र) के विभिन्न पदों की भर्ती के लिए 3000 अभ्यर्थियों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की।
- फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्रोजेक्ट के तहत सरकारी अधिकारियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण मार्च 2021 के दौरान ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया।
- वर्ष के दौरान विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए लिनक्स, अपाचे, एमवाई एसक्यूएल, पीएचपी (एलएएमपी), सिस्को, प्रोग्रामिंग एसेंशियल्स इन पायथन, ऑटोकैड और सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण पर ऑनलाइन औद्योगिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

आइजोल

कार्मिक:
नियमित: 20
संविदात्मक / परियोजना आधारित: 24

कारोबार:
369.08 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक:
श्री टी. गुनेन्द्र सिंह

पता:
नाइलिट आइजोल, औद्योगिक क्षेत्र,
जुआंगतुई, आइजोल, मिजोरम, पिन–796017

सम्पर्क के ब्यौरे:
दूरभाष: 0389–2350581,
फैक्स: 0389–2350582,
ई–मेल: dir-aizawl@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/aizawl/

क्षेत्राधिकार राज्य
मिजोरम

विस्तार केंद्र
लुंगलेई

केंद्र का इतिहास:
नाइलिट आइजोल की स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी। यह भारत में आठवां और उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में तीसरा केंद्र है। इसका उद्देश्य मिजोरम के युवाओं को आईईसीटी के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण तक आसान पहुंच प्रदान करना है। स्थापना के बाद से, नाइलिट आइजोल ने औपचारिक और गैर–औपचारिक पाठ्यक्रमों में 40,000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया है। पुकपुई, लुंगलेई में एक विस्तार केंद्र भी वर्ष 2013 में स्थापित किया गया था और इसने 5000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
सॉफ्टवेयर विकास, मशीन लर्निंग, कंप्यूटर नेटवर्क और साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, संचालन, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर पैनल का संस्थापन और रखरखाव।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- कार्यालय स्वचालन में प्रमाणित पाठ्यक्रम(सीसीओए)
- वेब डिज़ाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम
- पीसी असेंबली तथा रखरखाव में प्रमाणित पाठ्यक्रम
- डाटा प्रविष्टि तथा कार्यालय स्वचालन में प्रमाणित पाठ्यक्रम
- लिनक्स, अपाचे में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एमवाईएसक्यूएल तथा पीएचपी
- टैली के उपयोग से वित्तीय लेखांकन

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ए' स्तर
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई)
- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन (बीसीए)
- मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन (एमसीए)

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट आइजॉल द्वारा एमसीए, बीसीए, डिप्लोमा इंजीनियरिंग (डीईटीई और डीसीएसई), ओ–स्तर, ए–स्तर, सीसीसी और अन्य नाइलिट अल्प–अवधि पाठ्यक्रमों में अब तक कुल 46,657 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया था।
- परियोजना "पूर्वोत्तर राज्यों के लिए दूरस्थ फोरेंसिक लाइव अधिग्रहण और डिजिटल साक्ष्य का विश्लेषण, आमासी प्रशिक्षण सेवाओं सहित फोरेंसिक सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक डेटा केंद्र की स्थापना" वर्तमान में नाइलिट आइजॉल में निष्पादित की जा रही है।
- प्रधान मंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) योजना के तहत नाइलिट आइजॉल द्वारा कुल 87,552 उम्मीदवारों को दूरस्थ रूप से प्रॉक्टर किया गया था।
- केंद्र ने मिजोरम सरकार और मिजोरम आईटी सोसाइटी के सहयोग से कोविड–19 महामारी के दौरान कॉलेज, हायर सेकेंडरी, हाई स्कूल और मिडिल स्कूल के शिक्षकों को "ऑनलाइन क्लास के लिए आईटी टूल्स" में प्रशिक्षित किया है।
- नाइलिट आइजॉल ने सरकारी रंगबाना कॉलेज, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान आइजोल और जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान कोलासिब के लिए ई–लर्निंग प्रबंधन प्रणाली की स्थापना और प्रबंधन किया है।
- नाइलिट आइजोल द्वारा निम्नलिखित कार्यशालाओं और वेबिनार का आयोजन किया गया:
  - 24 सितंबर 2020 को जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी), आइजोल में "ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और एनईपी 2020" पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
  - 22 सितंबर 2020 को शासकीय रंगबाना कॉलेज में "ऑनलाइन शिक्षण पद्धति" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
  - 24 से 25 सितंबर 2020 के दौरान गवर्नमेंट टी रोमाना कॉलेज में "आईसीटी आधारित टीचिंग–लर्निंग प्लेटफॉर्म" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
  - सितंबर 2020 के दौरान गवर्नमेंट रंगबाना कॉलेज, गवर्नमेंट मिजोरम लॉ कॉलेज और जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी), कोलासिब में "ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग" पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
  - जून 2021 के महीने के दौरान मिजोरम विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए कंप्यूटर नेटवर्किंग पर औद्योगिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।
- नीट, यूजीसी नेट, बैंक, रेलवे, मिजोरम सरकार के तहत भर्ती जैसी ऑनलाइन परीक्षाएं नाइलिट आइजोल में आयोजित की गईं
- वर्तमान में नाइलिट आइजोल द्वारा निम्नलिखित परियोजनाओं का निष्पादन किया जा रहा था:–
  - पूर्वोत्तर राज्यों को दूरस्थ फोरेंसिक लाइव अधिग्रहण और डिजिटल साक्ष्य का विश्लेषण, आमासी प्रशिक्षण सेवाओं सहित फोरेंसिक सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक डेटा सेंटर की स्थापना।
  - आईईसीटी क्षेत्र (आइजॉल) में प्रशिक्षण और शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास।
  - आईईसीटी क्षेत्र (लुंगलेई) में प्रशिक्षण और शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास।

आइजोल

अजमेर

कार्मिकः
नियमितः 03
संविदात्मक/परियोजना आधारितः 18

कारोबारः
380.02 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक
श्री. यशपाल गोगिया

पता
नाइलिट अजमेर, तहसील–केकड़ी,
अजमेर कोटा रोड,
राजस्थान–305408

सम्पर्क के ब्यौरेः
ई–मेलः dir-ajmer@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/ajmer

क्षेत्राधिकार राज्य
राजस्थान और गुजरात

विस्तार केंद्र
पाली

केंद्र का इतिहासः
इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और संबंधित क्षेत्र में कौशल जनशक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से, नाइलिट अजमेर की स्थापना एमईआईटीवाई द्वारा प्रदान किए गए अनुदान के तहत और राजस्थान राज्य सरकार द्वारा बिना किसी लागत के दी गई भूमि के साथ की गई है। केंद्र ने वर्ष 2010 में अपना कार्य शुरू किया और मार्च 2015 को अपने स्थायी परिसर में चला गया, जो तहसील केकड़ी के पास अजमेर कोटा रोड पर 42.00 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। केंद्र आईटी के तहत नाइलिट ओ और ए स्तर के पाठ्यक्रम, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में लघु अवधि के कौशल उन्मुख पाठ्यक्रम, ईएसडीएम, पीएमवीकेवाई आदि जैसे विभिन्न कौशल परियोजनाओं में भागीदारी और डीएलसी परीक्षा की निगरानी के द्वारा अपने उद्देश्य को पूरा कर रहा है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- सौर ऊर्जा प्रणाली
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- बेसिक कम्प्यूटर पाठ्यक्रम
- वेब डिज़ाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सौर ऊर्जा संस्थापन, संचालन तथा रखरखाव
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन तथा प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- आईओटी में पीजी डिप्लोमा

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- नाइलिट 'ए' स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट अजमेर राजस्थान और गुजरात राज्य में डीएलसी (सीसीसी/बीसीसी/सीसीसीपी/ईसीसी) परीक्षा की निगरानी का कार्य कर रहा है। वर्ष 2020–21 में नाइलिट डीएलसी पाठ्यक्रमों में कुल 11,098 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।
- रोजगार महानिदेशालय द्वारा प्रायोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत, नाइलिट अजमेर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को दो दीर्घकालीन गैर–औपचारिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, अर्थात् क) सीएचएम ओ स्तर और ख) आईटी ओ स्तर। प्रशिक्षण दो स्थानों, सूरत (गुजरात) और जयपुर (राजस्थान) में आयोजित किया जाता है। इस शैक्षणिक वर्ष में इस योजना के तहत कुल 650 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- केंद्र द्वारा आयोजित गुजरात के अहमदाबाद में एनआईसी परीक्षा में कुल 13,053 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।
- केंद्र ने 'सौर–एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण) में उद्यमिता विकास' परियोजना में भाग लिया है, जिसके तहत केंद्र में व्यावहारिक भाग का संचालन किया जाएगा। अन्य नाइलिट केंद्र भी परियोजना के लिए भागीदार केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं।

अजमेर

औरंगाबाद

कार्यकारी समिति की बैठकें:
13.11.2020 को बैठक संपन्न हुई।

कार्मिक:
नियमित: 37
संविदात्मक/परियोजना आधारित: 10

कारोबार:
972.5 लाख रुपये

कार्यकारी निदेशक:
डॉ. संजीव कुमार गुप्ता

पता:
नाइलिट औरंगाबाद, डॉ.बी.ए.एम.
विश्वविद्यालय परिसर, औरंगाबाद
महाराष्ट्र– 431004

सम्पर्क के ब्यौरे:
दूरभाष.: 0230–2982021, 2982022
फैक्स: 0230–2982050
ई–मेल: dir-aurangabad@nielit.gov.in
वेबसाइट: www. nieit.gov.in/aurangabad

क्षेत्राधिकार राज्य:
महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़

केंद्र का इतिहास:
इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा मराठवाड़ा औद्योगिक निगम, महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर में सीईडीटी के नाम से यह केन्द्र 19 सितम्बर, 1986 को निम्नलिखित उद्देश्यों से स्थापित किया गया था:

- उत्पाद डिजाइन, विकास, विनिर्माण, रखरखाव तथा सूचना प्रौद्योगिकी हेतु जनशक्ति का प्रशिक्षण
- उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों और शैक्षिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखना
- उत्पाद विकास, अनुबंध अनुसंधान और परामर्श की वचनबद्धता
- नेतृत्व गुणों को बढ़ाने, पेशेवर / नैतिकगुणों को जागृत करने, प्रभावी रूप से बनाए रखने, प्रभावी रूप से टीम कार्य कौशल, बहुआयामी दृष्टिकोण,इंजीनियरिंग विशेषज्ञता के साथ, सॉफ्ट कौशल के साथ 'उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण बनाकर प्रशिक्षुओं को सामाजिक रूप से जिम्मेदार 'सक्षम कुशल पेशेवर' के रूप में रूपांतरित करना ।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
साइबर–फिजिकल सिस्टम्स, एम्बेडेड सिस्टम और आईओटी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- एंड्रायड एप्लिकेशन डेवलपर में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम
- बिग डाटा में उन्नत डिप्लोमा
- अर्डूइनों आधारित एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सीसीएनए
- एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग/3डी प्रिंटिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रमाणित मल्टी मीडिया डेवलपर

ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी में एम.टेक
- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और रखरखाव में बी.टेक
- इलेक्ट्रॉनिकी प्रॉडक्शन तथा रखरखाव में डिप्लोमा (3वर्ष) (डीईपीएम)

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना 'आईटीसी टूल्स के माध्यम से ई–सेवाओं में वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता अभियान/कार्यक्रम' का कार्यान्वयन–इस कार्यक्रम के तहत, वरिष्ठ नागरिकों को स्मार्ट फोन के उपयोग, ऑनलाइन पैसे के लेनदेन, विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता, टिकट कैसे बुक करें, कैब आदि के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है। ऑनलाइन प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जाता है और मराठी में भी आयोजित किया जाता है।
- केंद्र परियोजना 'अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ईडब्ल्यूएस युवाओं के कौशल विकास को रोजगार में आईईसीटी अग्रणी संवर्धन के क्षेत्रों में आकांक्षी जिलों में लागू कर रहा है' जिसके तहत दो पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाती है; (i) डाटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और (ii) कंप्यूटर एप्लीकेशन लेखांकन और प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा।
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना 'नाइलिट इज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्किल्स (एनआईसीसीएस)' का कार्यान्वयन –प्रस्तावित सीओई व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए एक सहयोगी शिक्षण स्थान है और परिसर में स्थित है।कार्यक्रम के तहत, दो पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं; (i) हेल्थकेयर असिस्टेंट और (ii) औद्योगिक प्रौद्योगिकी में व्यावसायिक पाठ्यक्रम
- फ्यूचर स्किल्स 'प्राइम' परियोजना का कार्यान्वयन – रोजगार के लिए आईटी जनशक्ति के पुनः कौशल/अप–कौशल के लिए कार्यक्रम – केंद्र रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन में एक प्रमुख संसाधन केंद्र के रूप में और एसएमएसी, आईओटी और 3 डीप्रिंटिंग में सह–प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है।
- 28 सितंबर 2020 को सचिव इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, श्री अजय प्रकाश साहनी, डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और महानिदेशकनाइलिट, श्री आयुष प्रसाद, आईएएस सीईओ, जिला परिषद पुणे और नाइलिट और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और ब्लॉक फैसिलिटेटर और आशा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में कोविड साथी पाठ्यक्रम का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया।

भुवनेश्वर

कार्मिकः
नियमितः 02

कार्यकारी निदेशकः
श्री.वी. कृष्णमूर्ति

पताः
नाइलिट भुवनेश्वर, तीसरी मंजिल, उत्तरी साइड, ओसीएसी टावर, आचार्य विहार, भुवनेश्वर, ओडिशा–751013

सम्पर्क के ब्यौरेः
ई–मेलः dir-bbsr@nielit.gov.in
वेबसाइटः www. nielit.gov.in/bhubaneswar

क्षेत्राधिकार राज्यः
ओडिशा

केंद्र का इतिहासः
नाइलिट भुवनेश्वर की स्थापना (इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुमोदन से) नाइलिट के आंतरिक संसाधनों से की गई थी। ओडिशा सरकार ने तृतीय तल, उत्तर दिशा की ओर, ओसीएसी टावर, आचार्य विहार, भुवनेश्वर में निःशुल्क रूप से कुल क्षेत्रफल 5207 वर्गफीट सहित स्थान आवंटित किया है । केंद्र केंद्रीय रूप से स्थित और शहर के अन्य भाग, निकटतम शहरों से जुड़ा हुआ है। यह केंद्र मेंटर सेंटर नाइलिट कोलकाता के तहत संचालित हो रहा है।नवीनीकरण का कार्य सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किया गया था और इसे 31/08/2021 को सीपीडब्ल्यूडी द्वारा सौंप दिया गया था। साथ ही, राज्य सरकार ने नाइलिट भुवनेश्वर के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 15 एकड़ भूमि के आवंटन को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
- केन्द्र का संचालित होना अभी शेष है।

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- क्षमता निर्माण पर विभिन्न परियोजनाओं/योजनाओं को ओडिशा राज्य में प्रत्यायित संस्थानों और प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से निम्नानुसार चलाया जाता है:
- रोजगार महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एसटी/एससी जॉबसीकर्स योजनाः कार्यक्रम के तहत, राज्य में रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के बेरोजगार युवाओं को दीर्घकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। वर्ष में दो अलग–अलग बैच दो पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित किए गए थे, अर्थात् (i) ओ स्तर आईटी पाठ्यक्रम और (ii) कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव पाठ्यक्रम में ओ स्तर। आईटी ओ स्तर में कुल 100 अभ्यर्थियों का नामांकन किया गया था और सीएचएम–ओ स्तर में 50 अभ्यर्थियों का नामांकन किया गया था। नाइलिट भुवनेश्वर की निगरानी में प्रत्यायित संस्थानों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- कॉलेज छात्र परियोजना इंटर्नशिप/प्रशिक्षण – विभिन्न छात्र परियोजना इंटर्नशिप/प्रशिक्षण में कुल 58 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया था।

कालीकट

कार्यकारी समिति की बैठकें:
23 मार्च 2021 को बैठक संपन्न हुई

कार्मिक:
नियमित: 35
संविदात्मक/परियोजना आधारित: 8

कारोबार :
1399.21 लाख रुपये

कार्यकारी निदेशक:
डॉ. पेरुमल पिल्लई एम

पता:
नाइलिट कालीकट, एनआईटी परिसर डाकघर, कोझिकोड केरल–673601

सम्पर्क के ब्यौरे:
दूरभाष.: 0495–2287123
मोबाइल: 91 9446026809
ई–मेल: dir-calicut@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/calicut

क्षेत्राधिकार राज्य :
केरल, कर्नाटक तथा लक्षद्वीप

केंद्र का इतिहास:
केंद्र (पूर्ववर्ती इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी केंद्र–सीईडीटी) की स्थापना 1989 में हुई थी। तब से, केंद्र औपचारिक व अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी गुणात्मक शिक्षा का संचालन करता है। सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में क्षमता–निर्माण परियोजनाओं, उद्योगिक परामर्श, एप्लिकेशन उन्मुखी अनुसंधान तथा उत्पाद विकास का कार्यान्वयन कर रहा है। हरे–भरे 25 एकड़ में फैले परिसर में आधारिक संरचना को विकसित किया गया है जिसमें कई परिष्कृत प्रयोगशालाएं, स्मार्ट कक्षा–कक्ष, आईईईई ऑनलाइन गम्यता, एनकेएन कनेक्टिविटी, 24x7 वाईफाई सुविधा, छात्र हॉस्टल, कैंटीन और स्टाफ क्वार्टर सम्मिलित हैं। कार्यकलापों का क्रियान्वयन औद्योगिक अनुभव व विदेशों से प्रशिक्षण प्राप्तयोग्य वैज्ञानिकों/इंजीनियरों द्वारा किया जा रहा है। केंद्र आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित है। एम.टेक पाठ्यक्रम एआईसीटीई द्वारा मान्य है तथा एपीजेएके तकनीकी विश्वविद्यालय, केरल से संबद्ध हैं। नाइलिट कालीकट, कालीकट विश्वविद्यालय के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी के लिए अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्य है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
- वीएलएसआई / एएसआईसी डिजाइन एवं सत्यापन
- एम्बेडेड सिस्टम्स और आईओटी एप्लीकेशन्स
- इंस्ट्रूमेंटेशन और प्रक्रिया नियंत्रण
- 3डी प्रिंटिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग
- बिग डाटा व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- सूचना सुरक्षा व क्लाउड कम्प्यूटिंग

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम

उन्नत स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण

पीजी डिप्लोमा
- एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन
- वीएलएसआई व एम्बेडेड हार्डवेयर
- औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन
- क्लाउड कम्प्यूटिंग

उन्नत डिप्लोमा
- बिग डाटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- सूचना सुरक्षा
- पीएलसी/एससीएडीए/डीसीएस इंजीनियर
- वीएलएसआई डिजाइन तथा सत्यापन

ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- प्रौद्योगिकी (एमटेक) में मास्टर
- एम्बेडेड सिस्टम्स
- इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी
- वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम (संयुक्त रूप से डीआईएटी / डीआरडीओ पुणे के साथ)

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों, प्रमाणन योजनाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से कुल 4732 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया/जांचा गया ।
- 85 अभ्यर्थियों ने तीन विशेष एम.टेक कार्यक्रमों में प्रवेश लिया ।
- ऑनलाइन कार्यक्रमों सहित पीजी डिप्लोमा, उन्नत डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 2198 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 1410 अभ्यर्थियों को एफपीजीए आधारित एंबेडेड सिस्टम पर प्रशिक्षित किया गया–एसएमडीपी (सी2एसडी) के तहत स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसरों को कवर करना [चिप्स से सिस्टम डिजाइन के लिए विशेष जनशक्ति विकास कार्यक्रम]।
- ओ स्तर और सीएचएम ओ स्तर के अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र में कुल 700 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- इंटर्नशिप, कस्टम प्रशिक्षण, कार्यशालाओं के माध्यम से 224 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया ।
- 2537 अभ्यर्थी बीसीसी, सीसीसी के माध्यम से आईटी साक्षरता पर प्रशिक्षित/प्रमाणित हुए ।
- एलएंडटी और विप्रो कर्मचारियों के लिए 115 प्रतिभागियों का अनुकूलित कॉर्पोरेट प्रशिक्षण। आईईईई स्कोप सहित प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 05 शोध पत्र प्रकाशित।
- डीआरडीओ की ''अनुसंधान सेवाओं के अधिग्रहण के लिए अनुबंध (सीएआरएस)'' योजना के तहत दो शोध परियोजनाओं को पुरस्कृत किया गया।
- कुल 44 अभ्यर्थियों को उद्योग इंटर्नशिप प्रदान की गई।
- उनके कौशल केंद्र केंद्रों के माध्यम से प्रदान किए गए डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम के मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए केरल एकेडमी ऑफ स्किल एक्सीलेंस, केरल सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- कोविड–19 के कारण पाठ्यक्रम ऑनलाइन मोड में चलाएं जाते हैं, आंतरिक रूप से बनाए गए मूडल सर्वर के माध्यम से पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाती है।

चंडीगढ़

कार्मिकः
नियमितः 90
संविदात्मक/परियोजना आधारितः 123

कारोबार
5127.93 लाख रुपये

निदेशक
श्रीमती सुनीता गोयल

पता
नाइलिट रोपड़, बिरला फार्म, बड़ा फूल,
रोपड़, पंजाब –140001

आईईटीई बिल्डिंग में सुविधा कार्यालय
सेक्टर 30–बी, चंडीगढ़–160030

सम्पर्क के ब्यौरेः
दूरभाषः 1881–257001, +917087235374
ई–मेलः dir-chandigarh@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/chandigarh

क्षेत्राधिकार राज्य
मेघालय

विस्तार केंद्र
पंजाब एवं चंडीगढ़ (यूटी)

केंद्र का इतिहासः
क्षेत्र के अग्रणी संस्थान नाइलिट, चंडीगढ़ की स्थापना 1978 में सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में पेशेवर सेवाएं प्रदान करने के सभी पहलुओं पर ज्ञान का प्रसार करने के उद्देश्य से की गई थी तथा इसके लिए मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड भी बनाया गया है । यह केंद्र ग्राहकों के विभिन्न वर्गों को विशेष सेवाएं प्रदान करता है। रोपड़ में नाइलिट चंडीगढ़ के स्थायी परिसर का निर्माण परियोजना के तहत रोपड़ में पंजाब सरकार द्वारा आवंटित लगभग 12 एकड़ भूमि पर केंद्र बनाया गया था। नाइलिट ने अक्टूबर 2017 में नए परिसर से अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों की शुरुआत की थी। संचालन अधिशाषी परिषद की 26वीं बैठक के निर्णय के अनुसरण में मार्च/अप्रैल, 2019 में सभी गतिविधियों को चंडीगढ़ से रोपड़ स्थानांतरित कर दिया गया था। केंद्र ने पहले से ही प्रतिष्ठित संस्थानों विशेषकर आईआईटी रोपड़ के साथ समझौता ज्ञापनों के माध्यम से उपयोगी संबंध विकसित किए हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- बिजली, स्वास्थ्य क्षेत्र, शिक्षा और कृषि और अन्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय महत्व की बड़ी परियोजनाओं को संभालना।
- आईटी इलेक्ट्रॉनिक्स और उभरती प्रौद्योगिकियों में क्षमता–निर्माण
- बड़े पैमाने पर डेटा कैप्चरिंग और डेटा प्रोसेसिंग
- वेब समर्थित अनुप्रयोगों के लिए सॉफ्टवेयर विकास
- एआई/एमएल और बिग डाटा एनालिटिक्स

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
क. अल्प अवधि पाठ्यक्रम
• पायथन • जावा • एंबेडेड सिस्टम डिजाइन • अर्डूइनों, आईओटी • एएसपी.नेट • पीएचपी, सी/सी++ • वेब डिजाइनिंग, मल्टीमीडिया, क्लाउड कंप्यूटिंग • ब्लॉकचेन आदि

ख. दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'ओ'/'ए'/ सीएचएम 'ओ' स्तर,
- उर्दू का उपयोग करते हुए व्यवसाय लेखांकन और बहुभाषी डेस्कटॉप प्रकाशन (सीएबीए–एमडीटीपी)

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

क. प्रशिक्षण

- इंजीनियरिंग/सामान्य छात्रों के लिए आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में विशेष अल्प अवधि /ग्रीष्म/औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- बिग डेटा एनालिटिक्स, पायथन, एआई और मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड, ब्लॉकचेन और वेब टेक्नोलॉजीज जैसे प्रमुख क्षेत्रों के साथ आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया। नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से 500 से अधिक इंजीनियरिंग छात्रों ने इन क्षेत्रों में अपने ज्ञान को बढ़ाया है।
- आईआईटी रोपड़ के साथ संयुक्त प्रमाणन के तहत 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग' में औद्योगिक प्रशिक्षण बैच का शुभारंभ किया और 22 छात्रों को प्रशिक्षित किया।

ख. कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

- फ्यूचर स्किल्स प्राइम योजना के तहत 31 सरकारी अधिकारियों को 'बिग डेटा एनालिटिक्स' और 30 को –वर्चुअल रियलिटी' प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित किया।
- रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला के कर्मचारियों के लिए सी/सी++, मोंगो डीबी , पायथन, जावा और आईओटी पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण आयोजित किया।
- डीआईटीईसीएच , हरियाणा के कर्मचारियों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग और एंगुलर जेएस पर बैचों का आयोजन किया।
- फोर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के कुल 84 उम्मीदवारों के लिए 3 बैचों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स आयोजित किया गया था।

ग. कार्यशालाएं/औद्योगिक दौरे

- सीएसई, डीसीआरयूएसटी, सोनीपत विभाग के 113 छात्रों के लिए 67 छात्रों के लिए 'पायथन विद डेटा साइंस एंड मशीन लर्निंग' और 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

घ. परामर्श परियोजना

- यूटी शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ के तहत ग्यारहवीं कक्षा के सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए एक पूरी तरह से ऑनलाइन परामर्श परियोजना निष्पादित। लगभग 16000 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

ड़. शिक्षा परियोजना (एनसीपीयूएल)

- देश भर में 500 से अधिक एनसीपीयूएल (नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज) केंद्रों पर 'कंप्यूटर एप्लीकेशन, बिजनेस अकाउंटिंग और बहुभाषी डेस्कटॉप प्रकाशन (सीएबीए–एमडीटीपी)' योजना लागू की गई।
- लगभग 29000 छात्रों ने सीएबीए–एमडीटीपी के 1 वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस योजना के तहत 21857 छात्रों को सीएबीए एमडीटीपी सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।
- एनसीपीयूएल योजना के लिए एनसीपीयूएल के लगभग 350 मुख्य केंद्रों में लगभग 900 शिक्षण–स्टाफ को नियुक्त किया और एनसीपीयूएल परियोजना / योजना (वित्त वर्ष 2020–21) के तहत 2557 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया।

च. परीक्षा गतिविधियां

- औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा के लगभग 30,000 अभ्यर्थियों की एससीवीटी योजना की ओएमआर आधारित सेमेस्टर परीक्षा का प्रसंस्करण और मूल्यांकन किया।
- स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च (एससीईआरटी), चंडीगढ़ के लिए एसटीएसई / एनएमएमएस की प्री और पोस्ट परीक्षा गतिविधियों का निष्पादन किया।

छ. सुविधा प्रबंधन

- हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ के विभिन्न सरकारी विभागों में लगभग 73 तकनीकी/प्रबंधकीय जनशक्ति और इस केंद्र के विभिन्न अनुभागों में 167 तैनात हैं ।

ज. ई–सुविधाएं

- सरकार के टोल फ्री कॉल सेंटरों के लिए आईवीआरएस, एसएमएस और ई–मेल के माध्यम से जनशक्ति और बैक–एंड सहायता प्रदान करने सहित ई–शिकायत निवारण समाधान निष्पादित करना। समाधान हैं:–
  - क. बिजली, पानी, सड़क, स्ट्रीट लाइट, सरकारी भवनों, यूटी चंडीगढ़ के निवासियों के लिए एकल खिड़की के रूप में नागरिक सुविधा केंद्र।
  - ख. शिकायत पंजीकरण और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, पंजाब के निवारण के लिए शिकायत निवारण केंद्र
  - ग. शिकायत पंजीकरण एवं निवारण जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा के लिए शिकायत निवारण केंद्र
  - घ. नगरीय गतिविधियों के लिए शहरी क्षेत्रों में शिकायत दर्ज करने के लिए पंजाब शिकायत निवारण प्रणाली (पीजीआरएस)

झ. तैयारशुदा परियोजनाएँ

- पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ राज्यों के 60 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा बिल तैयार किए।
- ऊर्जा हानियों की जांच के लिए अपने उपभोक्ताओं को खरीदी और आपूर्ति/बिल की गई बिजली का मिलान करने के लिए ऊर्जा लेखा प्रणाली।
- पंजाब, हरियाणा में लगभग 370 नकद संग्रह केंद्रों के कम्प्यूटरीकरण में ई–गवर्नेंस की सुविधा।
- यूटी बिजली विभाग के लिए इंटरनेट पर बिल और सामान्य जानकारी देखने/जांचने के लिए वेब साइट।

ञ. अन्य प्रमुख परियोजनाएं

- पंजाब और हरियाणा राज्यों के संदर्भ वर्ष 2017–18 के साथ छठी लघु सिंचाई और पहली जल निकाय जनगणना के आंकड़ों का कम्प्यूटरीकरण और इस परियोजना का अनुमानित राजस्व 57 लाख रुपये है।
- सॉफ्टवेयर का विकास और पंजाब राज्य के जन्म और मृत्यु रजिस्टरों की स्कैनिंग और डिजिटलीकरण और इस परियोजना का अनुमानित राजस्व 53 लाख रुपये है।

चेन्नई

कार्मिक:
नियमित: 07
संविदात्मक / परियोजना आधारित: 14

कारोबार:
657.91लाख रुपये

निदेशक:
डॉ. प्रताप कुमार एस

पता:
नाइलिट चेन्नई, आईएसटीई कॉम्प्लेक्स, प्रथम तल, 25, गांधी मंडपम रोड, अन्ना सेंटिनरी पुस्तकालय के सामने कोट्टुर्पुरम, चेन्नई – 600025

सम्पर्क के ब्यौरे:
दूरभाष: 044 24421446 / 7
मोबाईल: +91 9486540125
ई–मेल: dir-chennai@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/chennai

क्षेत्राधिकार राज्य:
तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, पुदुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह

केंद्र का इतिहास:
नाइलिट चेन्नई, "चेन्नई में डीओईएसीसी केंद्र (नाइलिट केंद्र) की स्थापना" परियोजना के तहत, दिनांक 06 जनवरी 2009 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भरत सरकार के प्रशासनिक अनुमोदन से अस्तित्व में आया।परियोजना "इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन और उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण" ने वीएलएसआई डिजाइन, एंबेडेड सिस्टम डिजाइन, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स पर विशेष जोर देने के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं को स्थापित करने में मदद की, और बाद में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सूचना सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल और मोबाइल फोरेंसिक के साथ सवर्धित किया। सस्थान का पाठ्यक्रम शैक्षणिक और उद्योग प्रासगिक योग्यता विकास कार्यक्रमों का एक पूर्ण मिश्रण है जो अभ्यर्थियों को अपने स्वय के कैरियर पथों के लिए प्रासगिक कौशल और ज्ञान विकसित करने की अनुमति देता है और वास्तव में आत्मा निर्भर भारत की दिशा में योगदान देता है। इन वर्षों में, केंद्र ने 30,000 से अधिक उम्मीदवारों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है। वर्तमान में, नाइलिट चेन्नई इलेक्ट्रॉनिकी एव सूचना प्रौद्योगिकी के आईएसईए (सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता) और फ्यूचर स्किल्स प्राइम क्षमता निर्माण परियोजनाओं (3डी प्रिंटिग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन, आईओटी – टेक्नोलॉजी स्ट्रीम) को लागू कर रहा है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- एंबेडेड सिस्टम
- वीएलएसआई डिजाइन
- डेटा साइंस और मशीन लर्निंग
- सूचना सुरक्षा
- डिजिटल और मोबाइल फोरेंसिक
- क्लाउड कंप्यूटिंग
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- सूचना प्रौद्योगिकी
- 3डी प्रिंटिग / एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम:
- सीएटीआईए वी5 (ई–लर्निंग) का उपयोग करके कंप्यूटर एडेड डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- पायथन प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- मशीन लर्निंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- अर्डूइनो का उपयोग करके रोबोटिक कंट्रोल में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- डेटा साइंस के लिए पायथन प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- अर्डूइनो और इएसपी 8266 का उपयोग करके आईओटी में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- आर का उपयोग करते हुए एडवांस डेटा एनालिटिक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- आर का उपयोग करके उन्नत डेटा एनालिटिक्स में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- बेसिक में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- आर के उपयोग से डाटा एनालिटिक्स
- हडोप प्रशासन में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- आर के उपयोग से उन्नत डेटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- डेटा सरचनाओं और मशीन लर्निंग के लिए पायथन में ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- क्लाउड कंप्यूटिंग / प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग इंजीनियर में पीजी डिप्लोमा
- सूचना प्रणाली सुरक्षा में पीजी डिप्लोमा
- डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- प्रमाणित एंबेडेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- सीएचएम 'ओ' स्तर
- डेटा विज्ञान और विश्लेषिकी में उन्नत डिप्लोमा
- प्रमाणित 3डी प्रिंटिग / एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग टेक्निशियन

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- एनएसक्यूएफ संरेखित पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में 200 से अधिक अभ्यर्थियों को और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 1900 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित कियागया।
- रोजगार महानिदेशालय (डीजीई), श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने नाइलिट को एक परियोजना प्रदान की जिसके तहत नाइलिट चेन्नई 75 एससी/एसटी अभ्यर्थियों के लिए सीएचएम ओ स्तरपाठ्यक्रम और 300 एससी/एसटी अभ्यर्थियों के लिए आईटी ओ स्तर पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है।
- पुनर्वास महानिदेशालय द्वारा प्रायोजित एक परियोजना के तहत 38 अभ्यर्थीयों को सीएचएम ओ स्तर में प्रशिक्षित किया गया है।
- 4358 अभ्यर्थियों ने डीएलसी कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण कराया है जिनकी परीक्षा केंद्र द्वारा मॉनिटर की गई है।
- पीएमजी दिशा कार्यक्रम के तहत 4,60,571 अभ्यर्थियों को प्रॉक्टर किया गया।
- 35649 अभ्यर्थियों के लिए चार स्थानों (चेन्नई, हैदराबाद, विशाखापत्तनम और पोर्ट ब्लेयर) पर एनआईसी भर्ती परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई।
- आरपीए टेक्नोलॉजी स्ट्रीम में फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्रोजेक्ट के तहत एक सह–प्रमुख केंद्र के रूप में, मास्टर प्रशिक्षकों के साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए यूआई पथ और अन्य उपकरणों के साथ आरपीए में प्रशिक्षण सुविधा स्थापित की।
- आईओटी प्रौद्योगिकी स्ट्रीम में सह–प्रमुख केंद्र के रूप में मास्टर प्रशिक्षकों के साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए प्रोटियस वीएसएम यूआई पथ और अन्य उपकरणों के साथ आईओटी में प्रशिक्षण सुविधा स्थापित की।
- 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी स्ट्रीम में को–लीड सेंटर के रूप में मास्टर ट्रेनर्स के साथ अल्टीमेकर मेकर बॉट एक्स और सीएटीआईए वी5 डिजाइन सूट के साथ 3डी प्रिंटिंग में प्रशिक्षण सुविधा भी स्थापित की।

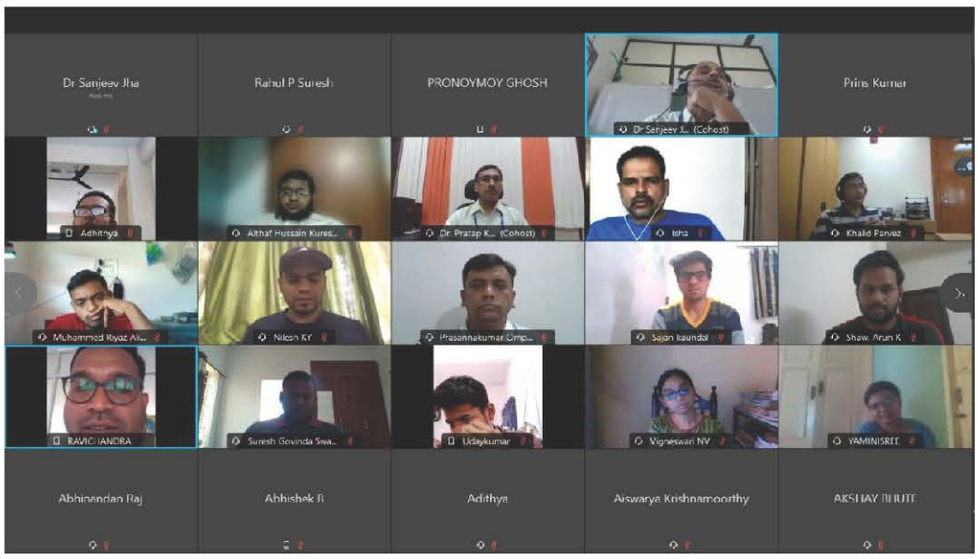

दिल्ली

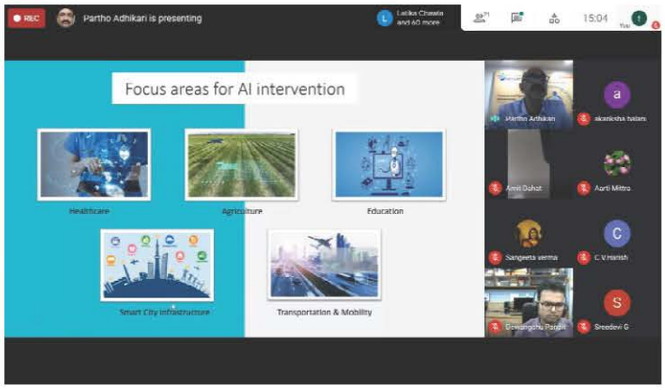

कार्मिकः
नियमितः 39 संख्या
संविदात्मक/परियोजना आधारितः 46 संख्या

कारोबारः
5508.19 लाख रुपये

प्रभारी निदेशकः
श्री शमीम खान

पताः
नाइलिट दिल्ली केंद्र, दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल, इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन, इंद्रलोक, नई दिल्ली–110052

सम्पर्क के ब्यौरेः
दूरभाषः 011–23644850
ई–मेलः dir-delhi@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/delhi

क्षेत्राधिकार राज्यः
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

केंद्र का इतिहासः
नाइलिट दिल्ली केन्द्र को पहले चंडीगढ़ केन्द्र के शाखा कार्यालय दिल्ली के रूप में जाना जाता था, एक नवम्बर 2012 को इसे स्वतंत्र केन्द्र के रूप में स्थापित किया गया। यह ट्रैक रिकॉर्ड के साथ एक पेशेवर प्रबंधित केंद्र है और इसके विभिन्न कार्यों का उद्देश्य अपने ग्राहकों को आईटी समाधान और उत्पादों की बेहतरीन पैकेज देना है। इसने गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करके और विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी संगठनों की बड़ी परियोजनाओं की हैंडलिंग की क्षमता से स्वयं को प्रमाणित किया है। केंद्र आईटी में नई चुनौतियों को पूर्ण करने और नई प्रौद्योगिकियों में अग्रणी संस्थान बनने की भूमिका में है। यह मजबूत डिजाइन सिद्धांतों, गुणवत्ता के उच्चतम स्तर और इथिकल व्यापार अभ्यासों के द्वारा अत्यधिक प्रेरित कुशल श्रमिकों के माध्यम से लागत प्रभावी, मार्केट समाधान सुनिश्चित करता है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- उद्ययोग के लिए तैयार पेशेवर उपलब्ध कराने के साथ–साथ ई–लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधी विषयों के क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति बनाने में नाइलिट दिल्ली केंद्र उत्कृष्टता प्राप्त करता है।
- सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और तकनीकी सहायक सेवाएं
- ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में भर्ती परीक्षाओं का संचालन।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
अल्प अवधि पाठ्यक्रम
प्रमाणपत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रमः– • सीएस/आईटी पाठ्यक्रम • वेब डिजाइनिंग • सी/सी++/पायथन के माध्यम से प्रोग्रामिंग • सी और सी++, सीसीएनए • सीसीईएनटी प्रमाणन के लिए रुटिंग और स्विचिंग • कम्प्यूटर सिस्टम और सर्वर एडमिनिस्ट्रेशन • वेब एप्लीकेशन टेक्नोलाजी • वीबी/सी# के साथ एएसपी. नेट • प्रमाणित एन्ड्राइड एप्स डेवलपर • लिनक्स के उपयोग से सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन • डाटा प्रविष्टि एवं कार्यालय स्वचालन • टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन • आईडब्ल्यूडी/सी में रिफ्रेशर कोर्स • बिग डाटा एवं हडोप • साइबर सुरक्षा बुनियादी साक्षरता पाठ्यक्रम • सीसीसी
इलेक्ट्रॉनिक्स/हार्डवेयर पाठ्यक्रमः–
• 8051 एवं एवीआर एवं अर्डूईनों के उपयोग से एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन • एआरएम/सीओआरटीईएक्स माइक्रोकंट्रोलर के उपयोग से एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन • अर्डूइनों ध्रास्पबेरी पाई के उपयोग से इंटरनेट ऑफ थिंग्स • वीएलएसआई डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पीसी असेंबली तथा रखरखाव
• मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम–2डी एनीमेशन में पाठ्यक्रम प्रमाणित आडियो विडियो डिजाइनर 3डी एनिमेशन आदि.

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
• नाइलिट 'ओ'/ए' स्तर पाठ्यक्रम • सीएचएम–'ओ' स्तर पाठ्यक्रम • मैट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम • इंटरनेट ऑफ थिंग्स में पीजी डिप्लोमा • वीएलएसआई डिजाइन, उपकरण और प्रौद्योगिकी में पीजी डिप्लोमा • अर्डूइनों • आधारित एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट दिल्ली केंद्र ने लोक सभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान लोकतंत्र (प्राइड) के अधिकारियों के लिए डेस्कटॉप प्रकाशन उपकरण पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। संसद के कुल 31 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।
- फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्रोजेक्ट के तहत 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंडिया' पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार मुख्य रूप से सरकारी कार्मिकों, छात्रों और औद्योगिक पेशेवरों पर केंद्रित था।
- कोविड 19 महामारी के कारण जून–सितंबर 2020 के दौरान आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवधि के दौरान विभिन्न अल्प अवधि ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में कुल 584 अभ्यर्थियों ने नामांकन किया था। सभी प्रतिभागियों को ई–सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।
- दूरसंचार कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल), दिल्ली के गैर–कार्यकारी संवर्ग अधिकारियों के लिए "कंप्यूटर और प्रबंधकीय कौशल प्रशिक्षण" पर 6 दिवसीय (पूर्ण) ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। टीसीआईएल के अखिल भारतीय कार्यालयों में कार्यरत 12 प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया था ताकि विभिन्न कंप्यूटर कार्यालय उपकरण और प्रबंधकीय कौशल के विकास में अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके।
- पुनर्वास महानिदेशालय, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जेसीओ/ओआरएस के लिए नाइलिट आईटी–ओ स्तर (एनएसक्यूएफ स्तर – 05) के मिश्रित मोड में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण में थल सेना, नौसेना और वायु सेना के कुल 40 अधिकारियों ने भाग लिया।
- केंद्र ने इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालयकी प्रमुख परियोजना– "आईटी फॉर मास" के लिए इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में एक प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट (पीएमयू) की स्थापना की है। पीएमयू की प्राथमिक जिम्मेदारी कार्यक्रम के तहत संभावित वित्त पोषण के लिए विभिन्न संगठनों से प्राप्त परियोजना प्रस्तावों का तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन है।पीएमयू सभी चालू परियोजनाओं की नियमित निगरानी और स्थिति बनाए रखने के लिए भी जिम्मेदार है, और कार्य समूह की बैठकें, पीआरएसजी आदि आयोजित करने में एमईआईटीवाई के कार्यक्रम प्रभाग की सुविधा प्रदान करता है।
- केंद्र को अप्रैल 2020 में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 'आईसीटी के उपयोग द्वारा जनसाधारण के लिए आईटी – दिल्ली/एनसीआर के अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की आजीविका गतिविधियों में वृद्धि ' नामक एक परियोजना प्रदान की गयी गया है। लगभग 510 अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों ने मुफ्त दीर्घकालिक और अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है और इस योजना के तहत 31 मार्च 2021 तक लाभान्वितहुए हैं।
- नाइलिट दिल्ली केंद्र 'फ्यूचर स्किल्स प्राइम' (रोजगार के लिए आईटी जनशक्ति के पुनः कौशल/अप–कौशल के लिए कार्यक्रम) परियोजना के तहत प्रौद्योगिकी–क्लाउड कंप्यूटिंग के लिए सह–प्रमुख संसाधन केंद्र में से एक है।इस कार्यक्रम के तहत मार्च 2021 तक एनएबीएम के 41 सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया और 35 को प्रमाणित किया गया।केंद्र प्रौद्योगिकी के लिए सह–प्रमुख संसाधन केंद्र में से एक है–सोशल और मोबाइल मीडिया जिसके तहत मार्च 2021 तक एनएबीएम और बीएसएफ के कुल 31 सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है।
- केंद्र ने वर्ष 2020–21 के लिए डीजीसीए की ओर से 35,888 एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियर्स और 19,163 फ्लाइट क्रू के लिए ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की।
- दिल्ली शहर में एनआईसी परीक्षा आयोजित करने के लिए केंद्र नोडल केंद्र था। परीक्षा केंद्रों को अंतिम रूप देने, पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति के लिए एनआईसी के साथ समन्वय, परीक्षा केंद्रों और पर्यवेक्षकों को भुगतान, परीक्षा सामग्री प्राप्त करने आदि जैसी गतिविधियां केंद्र द्वारा की गईं।
- वन संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाने और पर्यावरण को बचाने के लिए केंद्र की ओर से वन महोत्सव सप्ताह मनाया गया। केंद्र में कई पौधे लगाए गए।
- हिंदी दिवस के अवसर पर 01 सितंबर 2020 से 14 सितंबर 2020 तक नाइलिट दिल्ली केंद्र में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।
- केंद्र में 28 अक्टूबर 2020 से 2 नवंबर 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान सतर्कता जागरूकता की जानकारी दी गई।

दिल्ली

गंगटोक

कार्मिकः
नियमितः 04
संविदात्मक/परियोजना आधारितः 05

कारोबारः
100.07 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक
श्री कपिल नयाल

पता
नाइलिट गंगटोक, इन्दिरा बाईपास रोड,
केबीटी के निकट, सिक्किम

सम्पर्क के ब्यौरेः
दूरभाषः 03592–206609
ई–मेलः dir-gantok@neilit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/gangtok

क्षेत्राधिकार राज्यः
सिक्किम

केंद्र का इतिहासः
वर्ष 2010 में, नाइलिट केंद्र, गंगटोक की शुरूआत एमईआईटीवाई के प्रशासनिक अनुमोदन और जीआईए की सहायता से इन्दिरा बाईपास रोड, सिचे, गंगटोक स्थित लगभग 10,000 वर्ग फुट में किराए के परिसर में हुई थी।
नाइलिट गंगटोक का स्थायी परिसर अब "आईईसीटी क्षेत्रों में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास" परियोजना के तहत एमआईईटीवाई से जीआईए समर्थन के साथ आ रहा है, जो कि सिक्किम सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी), सिक्किम सरकार के माध्यम से उपलब्ध कराए गए पक्योंग के बेंगथांग, पचेखानी ब्लॉक में 8.54 एकड़ भूमि पर है। शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, आवासीय सुविधाओं (लड़कों के छात्रावास, लड़कियों के छात्रावास, अधिकारियों के बंगले, आदि) सहित एनबीसीसी के माध्यम से निर्माण प्रगति पर है।
प्रारम्भ से ही, नाइलिट गंगटोक भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल कार्यान्वित कर रहा है व युवाओं और समाज के कमजोर वर्गों तथा गुणवत्ता आईटी/ आईटीईएस शिक्षा व प्रशिक्षण के माध्यम से राज्य सरकार के कर्मचारियों का सशक्तिकरण भी किया है। केंद्र ने उभरती हुई तकनीकी विकास पर कार्यक्रम आयोजित करते हुए एमईआईटीवाई द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित भी किया।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- आईटी साक्षरता
- साइबर फोरेंसिक्स और सुरक्षा
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- औगमेंटेड तथा वर्चुअल रियल्टी (एआर/ वीआर)
- ई–कचरा निराकरण और पृथक्करण

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- डिजिटल योग्यता पाठ्यक्रम जैसे एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी++, ईसीसी
- कार्यालय स्वचालन में पाठ्यक्रम, टैली, डीटीपी
- हार्डवेयर/नेटवर्किंग/पीसी असेंबली/रखरखाव में पाठ्यक्रम
- प्रोग्रामिंग में पाठ्यक्रम [सी, सी++, कोर जावा]/वेब/मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपमेंट इत्यादि।
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स/रास्पबेरी पाई/ अर्डूइनों /पायथन, आदि पर ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण

ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव में ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम
- आईटी एप्लीकेशन में ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम
- मल्टीमीडिया और एनिमेशन टेक्नोलॉजी में ओ स्तर पाठ्यक्रम – मैट 'ओ' स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- एमईआईटीवाई ने नाइलिट गंगटोक को 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर राज्यों के लिए "ई–कचरा प्रबंधन पर कौशल और उद्यमिता विकास के माध्यम से क्षमता निर्माण" नामक एक परियोजना प्रदान की है जिसके तहत निराकरण और अलगाव के लिए नाइलिट गंगटोक में ई–कचरे के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा स्थापित किया गया है, जिसका उपयोग ई–कचरे के निराकरण और पृथक्करण पर प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर के 8 राज्यों के युवाओं की क्षमता निर्माण के लिए भी किया जा रहा है। ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 की अनुसूची–I में दिए गए ई–अपशिष्ट मदों के पृथक्करण और निराकरण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित की गई है।
- एमईआईटीवाई परियोजना के तहत "पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशालाओं का विकास और क्लाउड आधारित केंद्रीकृत साइबर फोरेंसिक लैब इंफ्रास्ट्रक्चर" नाइलिट गंगटोक सीडीएसी कोलकाता के साथ सहयोग कर रहा है और उसने साइबर फोरेंसिक पर सिक्किम के पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।
- केंद्र ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर 5 दिनों के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) को सफलतापूर्वक पूरा किया । एफडीपी को एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षा (अटल) अकादमी द्वारा प्रायोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य उभरती प्रौद्योगिकियों पर देश भर में संकायों, स्नातकोत्तर छात्रों और अनुसंधान विद्वानों को प्रशिक्षित करना था और तदनुसार भारत के 161 राज्यों के कुल 20 प्रतिभागियों ने नाइलिट–गंगटोक द्वारा आयोजित उपरोक्त संकाय विकास कार्यक्रम के लिए पंजीकृत किया था ।
- नाइलिट गंगटोक ने सिक्किम गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, एचआरडीडी, सिक्किम सरकार के संकायों के लिए आयोजित "कोर्स ऑन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम यूजिंग मूडल" पर प्रशिक्षण का एक बैच संपन्न किया, जिसमें सिक्किम गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के 15 प्रोफेसरों/असिस्टेंट प्रोफेसरों ने 18 फरवरी 2021 से 2 मार्च 2021 तक भाग लिया ।
- नाइलिट गंगटोक ने दिसंबर 2020 के दौरान सिक्किम सरकार के एचआरडीडी के तहत एक पॉलिटेक्निक सेंटर फॉर कंप्यूटर एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (सीसीसीटी) के छात्रों के लिए "रास्पबेरी पाई और अर्डूइनों का उपयोग करके इंटरनेट ऑफ थिंग्स" पर शीतकालीन प्रशिक्षण का आयोजन किया, जिसमें 21 छात्रों ने भाग लिया।
- नाइलिट गंगटोक ने उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र (एटीटीसी) के सहयोग से – तकनीकी शिक्षा निदेशालय, सिक्किम सरकार के तहत एक पॉलिटेक्निक ने 16 अक्टूबर 2020 को "इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)" पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया जिसमें एटीटीसी के 25 छात्रों / शिक्षण–स्टाफ ने भाग लिया।
- नाइलिट गंगटोक ने टीइक्यूआईपी–II के तहत कॉलेज द्वारा आयोजित कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एंड आईटी, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पेरुमोन, कोल्लम, केरल के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए 19 नवंबर 2020 को "इंटरनेट ऑफ थिंग्स" पर एक ऑनलाइन विशेषज्ञ सत्र आयोजित किया।

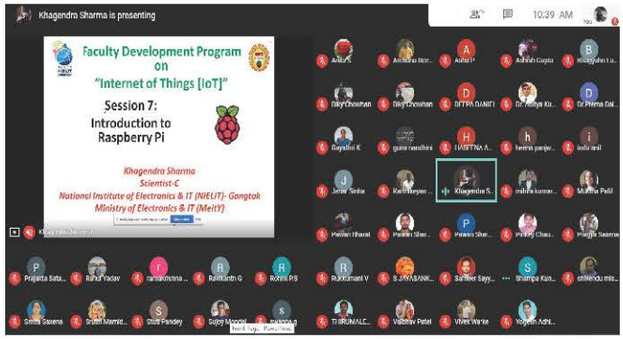

गोरखपुर

कार्यकारी समिति की बैठक(के):
31 मार्च 2021 को बैठक सम्पन्न हुई।

कार्मिक:
गोरखपुर:
नियमित: 34
संविदात्मक/परियोजना आधारित: 26

लखनऊ:
नियमित: 17
संविदात्मक /परियोजना आधारित: 22

कारोबार:
गोरखपुर: 3428.11 लाख रुपये
लखनऊ: 2381.05 लाख रुपये

कार्यकारी निदेशक:
डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी

पता:
नाइलिट गोरखपुर, देवरिया रोड
गोरखपुर–273010

सम्पर्क के ब्यौरे:
गोरखपुर:
दूरभाष/मोबाइल: 8317093865
ई–मेल: dir-gorakhpur@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/gorakhpur
लखनऊ:
डॉ. डी.के. मिश्रा, केंद्र प्रभारी
फोन: 0522–2720589
मोबाइल: 7706009301

क्षेत्राधिकार राज्य:
उत्तर प्रदेश

विस्तार केंद्र:
लखनऊ

केंद्र का इतिहास:
नाइलिट गोरखपुर की स्थापना जून 1989 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी के रूप में की गई थी। यह डिप्लोमा/ ग्रेजुएट / मास्टर स्तर के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण और शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण करता है तथा यू.पी के लघु उद्योगों और सम्बद्ध क्षेत्रों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है । यह विभिन्न सेवाओं के माध्यम से संभावित उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।यह केंद्र "इलेक्ट्रॉनिक्स डिज़ाइन और प्रौद्यगिकी" में एम.टेक तथा "वीएलएसआई डिज़ाइन" में एम.टेक के संचालन के लिए डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है । केंद्र गैर–औपचारिक क्षेत्र में नाइलिट 'ओ' और 'ए' स्तर (सॉफ्टवेयर), सीएचएम 'ओ' और 'ए' स्तर (हार्डवेयर), एमएटी 'ओ' स्तर (मल्टीमीडिया) भी आयोजित कर रहा है।
नाइलिट लखनऊ, नाइलिट गोरखपुर केंद्र का एक विस्तार केंद्र है । उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य होने के कारण और इसकी राजधानी लखनऊ, विभिन्न जिलों के साथ–साथ पूरे देश के साथ रेल संपर्क की कनेक्टिविटी, इस केंद्र को खोलने का मुख्य कारण था, जिसका उदघाटन उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री रोमेश भंडारी ने अक्टूबर, 1996 को किया था। लखनऊ स्थित केंद्र नवीनतम मशीनों और सर्वरों से लैस है और लगभग 12000 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला हुआ है जो केंद्रीयकृत रूप से वातानुकूलित है। सूचना प्रौद्योगिकी मे अनुभवी टीम होने पर, लखनऊ शाखा ने लखनऊ में प्रशिक्षण, डाटा प्रोसेसिंग रोजगार और सुविधा प्रबंधन में ख्याति हासिल की है । यह केंद्र अपनी स्थापना से अब तक 36000 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान कर चुका है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- बिग डाटा एनालिटिक्स
- ब्लॉकचेन
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- पीसीबी और विनिर्माण
- वीएलएसआई डिजाइन
- एम्बेडेड प्रणाली डिज़ाइन
- सूचना सुरक्षा
- हार्डवेयर और नेटवर्किंग
- एकीकृत इलेक्ट्रॉनिकी, कम्प्यूटर तथा संचार सेवाएँ

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:
अल्प अवधि पाठ्यक्रम
• **गोरखपुर:** एडवांस जावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटो सीएडी, हडोप के उपयोग से बिग डाटा, सी/सी++ प्रोग्रामिंग, एडब्ल्यूएस के उपयोग से क्लाउड कम्प्यूटिंग , कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग, डिजिटल मार्केटिंग, मैटलैब के उपयोग से डीएसपी, एम्बेडेड प्रणाली डिज़ाइन, एथिकल हैकिंग एवं सूचना सुरक्षा, टैली के उपयोग से वित्तीय लेखांकन, एमईआरएन के उपयोग से फुल स्टैक डेवलपमेंट, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), डीसी विद्युत आपूर्ति के डिजाइन पर इंटर्नशिप, पायथन प्रोग्रामिंग के उपयोग से मशीन लर्निंग, एंड्रायड प्रोग्रामिंग का उपयोग कर मोबाइल एप्लिकेशन विकास, नेटवर्क एडमिनिसट्रेशन, नाइलिट प्रमाणित ब्लॉकचेन पेशेवर, एनओएसक्यूएल डाटाबेस– मोंगोडीबी, ऑरकैड के उपयोग से पीसीबी डिजाइन, पायथन प्रोग्रामिंग, पायथन प्रोग्रामिंग और डाटा विज्ञान, आर प्रोग्रामिंग, रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन, सौर ऊर्जा संस्थापन, संचालन तथा रखरखाव, वेरीलॉग प्रोग्रामिंग, सीएडीईएनसीई टूल के उपयोग से वीएलएसआई डिजाइन, अपाचे, पीएचपी एवं एमवाईएसक्यूएल के उपयोग से वेब एप्लिकेशन, वेब डिजाइनिंग, वेब डिज़ाइनिंग, पायथन और जैंगो वेब फ्रेमवर्क के उपयोग से वेब विकास, आदि।
• **लखनऊ:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, मशीन लर्निंग, बिग डाटा एनालिटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, नेटवर्किंग, ऑटोकैड, वेब डिजाइनिंग, एंड्रायड के उपयोग से मोबाइल एप्लीकेशन विकास, जे2ईई, टैली, सीसीसी, आदि। नाइलिट लखनऊ ने ऑनलाइन मोड में लघु अवधि के पाठ्यक्रम संचालित किए।
दीर्घकालिक पाठ्यक्रम:
गोरखपुर: एम.टेक.(इलेक्ट्रॉनिक्स डिज़ाइन एवं टेक्नोलाजी) एम.टेक (वीएलएसआई डिजाइन), नाइलिट 'ओ' एवं 'ए' स्तर (सॉफ्टवेयर), 'ओ' एवं 'ए' स्तर (हार्डवेयर), 'ओ' स्तर (मल्टीमीडिया), सॉफ्टवेयर डेवलमेंट में एमएडवांस डिप्लोमा (एडीएसडी), हार्डवेयर नेटवर्किंग एवं सूचना सुरक्षा में एडवांस डिप्लोमा (एडीएचएनएस)।
लखनऊ: नाइलिट 'ओ' और 'ए' स्तर (सॉफ्टवेयर), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर डिप्लोमा कार्यक्रम।

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कोविड–19 महामारी परिदृश्य के दौरान, नाइलिट गोरखपुर ने निम्नलिखित सुविधाओं का उपयोग करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी क्षेत्र के क्षेत्र में ऑनलाइन मोड में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए:
  - ✓ ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल (ओआरपी)
  - ✓ नाइलिट कौशल सेतु मोबाइल ऐप
  - ✓ वर्चुअल लैब पोर्टल (वीएलपी)
  - ✓ ई–लर्निंग पोर्टल (ईएलपी)
- सम्पूर्ण यूपी में डीएलसी पाठ्यक्रमों में 7,24,502/– अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन।
- नाइलिट गोरखपुर में दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों 1660 अभ्यर्थी और लघु अवधि पाठ्यक्रमों में 232 प्रशिक्षित हुए ।
- नाइलिट लखनऊ में दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों 1021 अभ्यर्थी और लघु अवधि पाठ्यक्रमों में 312 प्रशिक्षित हुए ।
- केंद्र ने भविष्य के कौशल क्षेत्र यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स में प्रशिक्षण देना शुरू किया। केंद्र ने इन क्षेत्रों में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किए।
- रोजगार महानिदेशालय (डीजीई) द्वारा प्रायोजित एक परियोजना के तहत राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल के साथ पंजीकृत अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को 'ओ' स्तर और सीएचएम–ओ स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया ताकि उनकी रोजगार क्षमता में सुधार हो सके।

गुवाहाटी

कार्मिकः
नियमितः 24
सांविदत्मक/परियोजना आधारितः 51

कारोबार
488.61 लाख रुपये

निदेशकः
डॉ. यमनाम जयंता सिंह

पताः
नाइलिट गुवाहाटी प्रथम एवं द्वितीय तल, वित्तीय भवन, एएफसी बिल्डिंग, मो.शाह रोड, पल्टन बाजार, गुवाहाटी–781008 (असम)

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 0361–2730269/2731940
ई–मेलः dir-guwahati@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/guwahati

क्षेत्राधिकार राज्यः
असम

विस्तार केंद्रः
डिब्रूगढ, गुवाहाटी सिटी केंद्र, जोरहाट, कोकराझार, माजुली,(अध्ययन केंद्र), सिल्चर और तेज़पुर.

केंद्र का इतिहासः
नाइलिट गुवाहाटी ने अपना संचालन 2002 में शुरू किया था और वर्तमान में इसके असम में डिब्रूगढ़, जोरहाट, कोकराझार, सिलचर, सिटी सेंटर और तेजपुर में 06 विस्तार केंद्र हैं और माजुली में एक अध्ययन केंद्र है। असम के सभी केंद्रों की प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों को नाइलिट गुवाहाटी द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो वर्तमान में असम वित्तीय निगम भवन, पल्टनबाजार, गुवाहाटी की पहली और दूसरी मंजिल पर स्थित है। नाइलिट गुवाहाटी और इसके विस्तार केंद्र आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और जैव सूचना विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न अल्पकालिक और दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के अध्यापन में लगे हुए हैं। केंद्र राज्य के युवाओं को कई कौशल आधारित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम नौकरी की भूमिका के अनुसार विभिन्न स्तरों पर संरेखित हैं और राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) द्वारा अनुमोदित हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- सॉफ्टवेयर विकास
- इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर हार्डवेयर
- क्लाउड कंप्यूटिंग
- जैव सूचना विज्ञान
- आईओटी, डेटा विज्ञान
- आईटीईएस–बीपीओ

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
क. अल्प अवधि पाठ्यक्रमः
• सीसीसी, एडीसीएपी • इंटरनेट ऑफ थिंग्स • 3डी प्रिंटिंग • साइबर सुरक्षा • डेटा साइंस/एनालिटिक्स • जैव सूचना विज्ञान और एंड्रॉइड मोबाइल ऐप डेवलपर्स आदि।
ख. दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
नाइलिट गुवाहाटी सक्रिय रूप से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी कर रहा है। • असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ आईटी, जैव सूचना विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स • बीसीए और एमएससी (सीएस) • आईटी ओ/ए • नाइलिट के जैव ओ/ए और सीएचएम ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम।

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- आजीविका / स्टार्टअप / स्वरोजगार आदि पर विशेष पाठ्यक्रमः केंद्र ने क्षेत्र को समाधान प्रदान करने और छोटे / मध्यम स्टार्टअप और उद्यमियों की मदद करने के लिए [ए] सॉफ्टवेयर विकास और [बी] आर एंड डी इकाई की हमारी इन–हाउस इकाई शुरू की है। साथ ही कमजोर वर्गों के लिए क्षमता निर्माण/आजीविका/स्वरोजगार लागू करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचना।
- फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्रोजेक्टः क्लाउड कंप्यूटिंग के सह–प्रमुख क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य किया – वित्तीय वर्ष 20–21 के दौरान कुल 24 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया है
- असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से बीसीए और एम.एस.सी (कंप्यूटर विज्ञान) पाठ्यक्रमों के लिए संबद्धता प्राप्त की।
- कक्षा I–IV के स्कूली बच्चों के लिए रोबोटिक्स पर प्रशिक्षण शुरू किया।
- असम विधानसभा चुनाव 2021 के लिए एलएमएस का विकास।
- जैव सूचना विज्ञान के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया।
- असम के 07 आकांक्षी जिलों में 881 लाभार्थियों का प्रशिक्षण शुरू किया।
- नाइलिट गुवाहाटी और इसके विस्तार केंद्रों ने विभिन्न लघु अवधि और दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में 6076 छात्रों (वित्त वर्ष 2020–21) को प्रशिक्षित किया है।
- डिब्रूगढ़, जोरहाट, कोकराझार और तेजपुर विस्तार केंद्रों के स्थायी परिसरों का बड़ा हिस्सा 2020–2021 के दौरान पूरा कर लिया गया है।

हरिद्वार

कार्मिकः
नियमितः 04
सांविदात्मक/परियोजना आधारित : 14

कारोबार :
143.57 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक
श्री अनुराग कुमार

पताः
नाइलिट हरिद्वार, राजकीय पॉलिटेक्निक भवन प्लॉट संख्या. 6 सी, सेक्टर–11 सिडकुल हरिद्वार, उत्तराखण्ड–249403

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 01334–235617, 235054
ई–मेलः dir-haridwar@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/haridwar

क्षेत्राधिकार राज्यः
उत्तराखंड

केंद्र का इतिहासः
माननीय मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, भारत सरकार द्वारा की गई घोषणा के बाद, 2017 में उत्तराखंड सरकार द्वारा सरकारी पॉलिटेक्निक भवन, हरिद्वार में उपलब्ध कराए गए अस्थायी निर्मित स्थान पर नाइलिट हरिद्वार केंद्र की स्थापना की गई है । यह केंद्र हरिद्वार के सिडकुल क्षेत्र में औद्योगिक हब के मध्य स्थित है। केंद्र ने नवंबर 2017 में नाइलिट गोरखपुर केंद्र की देखरेख में गतिविधियां शुरू कीं और बाद में 1–12–2019 से स्वतंत्र कामकाज शुरू किया। केंद्र ने ऑफलाइन/ऑनलाइन/ ब्लेंडेड मोड में 'ओ' तथा 'ए' स्तर जैसे दीर्घकालिक अनौपचारिक पाठ्यक्रमों तथा डिजिटल साक्षरता प्रमाणन पाठ्यक्रमों सहित विभिन्न आप्लकालिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है। केंद्र लोगों के लाभ के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है, चाहे वह वरिष्ठ नागरिक हों, गृहिणियां हों, छात्र हों या सरकारी कर्मचारी हों।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- मशीन लर्निंग
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- डिजिटल मार्केटिंग
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- वेब अनुप्रयोग विकास
- मैटलैब
- कम्प्यूटर एडेड डिज़ाइनिंग

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

(क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- मशीन लर्निंग
- बिग डाटा एनालिटिक्स
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- मैटलैब
- वेब अनुप्रयोग विकास
- वेरीलॉग के उपयोग से वीएलएसआई
- डीप लर्निंग
- एंड्रायड एप्लिकेशन डेवलपमेंट
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- वेब डिजाइनिंग
- अर्डूइनों के उपयोग से इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- ऑटोकैड
- पायथन में प्रोग्रमिंग

(ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'ओ' स्तर एवं 'ए' स्तर–आईटी

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- वरिष्ठ नागरिकों/गृहिणियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम
- नाइलिट हरिद्वार ने जून 2020 में 'डिजिटल भुगतान और ई–गवर्नेंस सेवाओं के लिए मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग' पर 'वरिष्ठ नागरिकों / गृहिणियों' के लिए 'एक सप्ताह ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम' शुरू किया।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों/गृहिणियों को भारत सरकार द्वारा जनता के लिए शुरू की गई विभिन्न ई–गवर्नेंस सेवाओं के बारे में जागरूक करना है, जिसका उद्देश्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने के उनके डर को दूर करना है। इस कार्यक्रम को निःशुल्क में इस उद्देश्य के साथ पेश किया जा रहा है कि "समाज में योगदान देना हमारा कर्तव्य है उपकार नहीं"।
- यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ। 2020–21 में लगभग 550 वरिष्ठ नागरिकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और नाइलिट की इस पहल की सराहना की।
- ऑनलाइन प्रशिक्षण
- कोविड–19 महामारी के दौरान, नाइलिट हरिद्वार ने 2020–21 में लगभग 1000 उम्मीदवारों को विभिन्न उन्नत तकनीकों जैसे क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स और आईओटी आदि पर ऑनलाइन मोड में प्रशिक्षण प्रदान किया।
- 'उज्ज्वल उत्तराखंड 2021' प्रदर्शनी में भागीदारी
- नाइलिट हरिद्वार ने मार्च 2021 में उधम सिंह नगर में आयोजित "उज्ज्वल उत्तराखंड 2021" कार्यक्रम में भाग लिया और 'सर्वश्रेष्ठ सूचना प्रदर्शन' श्रेणी के तहत ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

हरिद्वार

इम्फाल

कार्यकारी समिति की बैठक(के):
16 दिसंबर 2021 को बैठक सम्पन्न हुई।

कार्मिक:
नियमित: 39
सांविदात्मक / परियोजना आधारित: 36

कारोबार
786.07 लाख रुपये

कार्यकारी निदेशक
श्री. टी. परमेश्वर सिंह

पता:
नाइलिट इम्फाल, आकम्पट, डाकघर बॉक्स सं.104, इम्फाल–795001 मणिपुर

सम्पर्क के ब्यौरे:
मोबाइल: 09436142955
ई–मेल: dir-imphal@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/imphal

क्षेत्राधिकार राज्य:
मणिपुर

विस्तार केंद्र:
चुड़ाचाँदपुर
सेनापति

केंद्र का इतिहास:
वर्ष 1988 में सीईडीटी के रूप में स्थापित, नाइलिट इम्फाल आकम्पट, इम्फाल में स्थित है और 24 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में फैला हुआ है । इसमें प्रशासनिक स्कन्ध, व्याख्यान कक्ष, फ़ैकल्टी कक्ष, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, मैकेनिकल कार्यशाला, इलेक्ट्रो–मेडिकल प्रयोगशाला, पीसीबी प्रयोगशाला, सर्विसिंग सेल और अन्य प्रयोगशालाओं से युक्त मुख्य संस्थान भवन भी है । "पूर्वोत्तर क्षेत्र में नाइलिट केंद्र के उन्नयन" के अंतर्गत निर्मित नई शैक्षणिक बिल्डिंग जिसमें पुस्तकालय, कक्षा–कक्ष , साइबर सुरक्षा एवं साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, एम्बेडेड प्रणाली तथा आईओटी, नैनो टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला, एआई व एमएल प्रयोगशाला सम्मिलित है । "पूर्वोत्तर में नाइलिट केंद्र का ग्रेड उन्नयन" परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2013 में चुड़ाचाँदपुर तथा सेनापति जिले में दो विस्तार केंद्र भी स्थापित किए गए हैं ।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
- आईटी सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक
- इलेक्ट्रॉनिकी मरम्मत और रखरखाव
- मल्टीमीडिया और एनिमेशन
- एलईडी लाइट मरम्मत
- सूर्यामित्र
- डीएएस सेट–टॉप बॉक्स इंस्टालर और सर्विसिंग
- सोलर एलईडी उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण
- इलेक्ट्रॉनिक होम उपकरणों का संस्थापन, मरम्मत और रखरखाव
- मोबाइल फोन हार्डवेयर मरम्मत
- मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन तथा प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा
- डाटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एंबेडेड प्रणाली और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रमाणित एंड्रायड एप्स डेवलपर
- नाइलिट डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- वेब डिज़ाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- पीसी असेंबली और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- डेस्कटॉप प्रकाशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- टैली ईआरपी 9.0 में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एडवांस डॉट नेट में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सीरु के साथ वीबी के साथ एएसपी डॉट नेट
- सी लैंगवेज़ के माध्यम से प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सी# में प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एडवांस जावा (जे2ईई)
- कोर जावा प्रोग्रामिंग
- फ्लैश के उपयोग से 2डी एनिमेशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- मल्टीमीडिया कंटेंट डेवलपर में डिप्लोमा
- विंडोज सर्वर का उपयोग कर सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एम्बेडेड प्रणाली में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- विजुअल बेसिक में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- कोहा के उपयोग से लाइब्रेरी ऑटोमेशन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- आईटी एप्लिकेशन और लाइब्रेरी साइंस में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- नेटवर्क और आईटी सुरक्षा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और सर्किट में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- घरेलू उपकरण और स्वचालन इलेक्ट्रॉनिक्स की मरम्मत और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की मरम्मत और रखरखाव में पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम
- मोबाइल हैंडसेट की मरम्मत और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सूर्यमित्र
- सौर रूफटॉप तकनीशियन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सेट टॉप बॉक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए)
- सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर ऑफ साइन्स (एमएससी.आईटी)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन (पीजीडीसीए)
- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन (बीसीए)
- कम्प्यूटर साइन्स और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईसीई)
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- सीएचएम 'ओ' स्तर
- मैट–ओ स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट इंफाल और उसके दो विस्तार केंद्रों ने शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के दौरान 6295 छात्रों को प्रशिक्षित किया।
- 2 जून 2020 को दोपहर 12 बजे से 13:30 बजे तक प्लॉकडाउन काल के दौरान साइबर अपराध सुरक्षा रणनीतियाँ पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के विशेषज्ञ डॉ. वरुण कपूर, आईपीएस, एडीजीपी, रुस्तमजी सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर, मध्य प्रदेश थे। यह कार्यक्रम नाइलिट इंफाल और साइबर पुलिस स्टेशन, मणिपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में देश भर से 230 प्रतिभागियों ने भाग लिया और भागीदारी ई–प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।
- नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट (यूजी) –2019) का आयोजन 13 सितंबर 2020 को नाइलिट इम्फाल में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा भारतीय मेडिकल / डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस / बीडीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए किया गया था। परीक्षा में कुल 300 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।
- राजकुमार रंजन सिंह, माननीय लोकसभा सांसद ने वर्चुअल मोड में 11.12.2020 को डॉ जयदीप कुमार मिश्रा, डीजी नाइलिट और संयुक्त सचिव, एमईआईटीवाई और टी परमेश्वर सिंह, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट इंफाल की उपस्थिति में नाइलिट इंफाल में एक वर्ष के "कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीसीए)" पाठ्यक्रम के मिश्रित मोड का उद्घाटन किया ।
- नाइलिट इम्फाल ने रोजगार महानिदेशालय द्वारा प्रायोजित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जॉबसीकर्स के लिए दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं; (प) आईटी ओ–लेवल में 13वें बैच का प्रशिक्षण और (2) कंप्यूटर हार्डवेयर मेंटेनेंस (सीएचएम) ओ–लेवल में 9वें बैच का प्रशिक्षण। कुल मिलाकर, एससी/एसटी जॉबसीकर्स की संख्या 100 है जो आईटी ओ–स्तर (इम्फाल में 57, सेनापति में 17 और चुराचांदपुर में 26) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और 50 एससी/एसटी जॉब सीकर्स सीएचएम ओ स्तर में प्रशिक्षण ले रहे हैं।
- नाइलिट इंफाल में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक दिवसीय कार्यशाला 23/03/2021 को पेटेंट सूचना केंद्र, मणिपुर विज्ञान और तकनीकी परिषद (एमएएसटीईसी), मणिपुर सरकार के सहयोग से आयोजित की गई थी।
- प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत कौशल विकास पाठ्यक्रम पूरा करने वाले प्रशिक्षणार्थियों के लिए नौकरी भूमिकाओं (i) फील्ड तकनीशियन कम्प्यूटिंग और पेरिफेरल्स (ii) फील्ड तकनीशियन नेटवर्किंग और भंडारण में प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम 13/03/21 को नाइलिट इंफाल में आयोजित किया गया था । कार्यक्रम में माननीय मंत्री श्री टी सत्यब्रत सिंह, श्रम और रोजगार मंत्री, सीएएफ और पीडी, कानून और विधायी कार्य, मणिपुर सरकार और श्री एम हरेकृष्ण (आईएएस), उच्च और तकनीकी शिक्षा आयुक्त और मणिपुर तकनीकी विश्वविद्यालय, मणिपुर सरकार के कुलपति ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है।

ईटानगर

कार्मिकः
नियमितः 04

कारोबारः
57.63 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक
श्री टी. गुनेन्द्र सिंह

पता :
नाइलिट ईटानगर केंद्र ई–सेक्टर,
नाहरलगुन, अरुणाचल प्रदेश–79111

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोन : 036–2351854 / 2351855
ई–मेलः dir-itanagar@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/itanagar

क्षेत्राधिकार राज्यः
अरुणाचल प्रदेश

विस्तार केंद्रः
- पासीघाट
- तेजु

केंद्र का इतिहासः
वर्ष 2011 में स्थापित नाइलिट ईटानगर केंद्र कम्प्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी तथा सम्बद्ध विषयों पर कुशल जनशक्ति तैयार करने में लगा हुआ है । यह संस्थान रोजगार के अवसरों में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है तथा डिजिटल साक्षरता की सुविधा प्रदान करता है। केंद्र के दो विस्तार केंद्र हैं; नाइलिट पासीघाट विस्तार केंद्र दिनांक 10 दिसंबर, 2015 से परिचालन में है तथा नाइलिट तेजू विस्तार केंद्र जिसका शुभारंभ दिनांक 3 फरवरी, 2018 को किया गया था।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- डीटीपी
- टैली
- इंटरनेट एवं वेब डिजाइन
- प्रोग्रामिंग लैंगवेज

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन तथा प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा (एडीसीएएपी)

ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- आईटी में ओ स्तर (आईटी)
- कम्प्यूटर हार्डवेयर रखरखाव– सीएचएम ओ स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट ईटानगर ने अरुणाचल प्रदेश राज्य के लिए "पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशालाओं का विकास और क्लाउड आधारित केंद्रीकृत साइबर फोरेंसिक लैब इंफ्रास्ट्रक्चर" शीर्षक से एमईआईटीवाई प्रायोजित परियोजना के कार्यान्वयन के लिए सी–डैक कोलकाता के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- एमईआईटीवाई प्रायोजित साइबर फोरेंसिक परियोजना के तहत अरुणाचल पुलिस के कुल 50 पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को जागरूकता स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है।
- अरुणाचल प्रदेश सरकार ने यूडीसी की सीधी भर्ती के लिए सीसीसी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और एलडीसी नौकरियों के लिए बीसीसी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम को एक शर्त के रूप में मान्यता दी है।
- नाइलिट ईटानगर और इसके दो विस्तार केन्द्रों ने विभिन्न दीर्घकालीन और लघु अवधि के पाठ्यक्रमों के तहत 385 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया।
- नाइलिट ईटानगर में कुल 70 अभ्यर्थियों ने सीसीसी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- 39 अभ्यर्थियों ने कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन और प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा में प्रशिक्षण प्राप्त किया ।
- केंद्र में ओ स्तर में 39 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।
- सीसीसी के 70 अभ्यर्थियों के लिए सफलतापूर्वक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की ।
- केंद्र में सीएचएम–ओ पाठ्यक्रम में 12 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

जम्मू एवं श्रीनगर

कार्मिकः
नियमितः 42
संविदात्मक / परियोजना आधारितः 28

कारोबार :
784.82 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक
श्री डी.एस.ओबेरॉय

पता
नाइलिट श्रीनगर, सिड्को इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, ओल्ड एयरपोर्ट रोड, रंगरेथ, श्रीनगर

सम्पर्क के ब्यौरेः
श्रीनगर
दूरभाषः 0194–2300502,2300501,2300805
ई–मेलः dir-srinagar@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/srinagar
जम्मू
दूरभाषः 0191–451849, 2432291, 2455515

क्षेत्राधिकार राज्य
जम्मू और कश्मीर

विस्तार केंद्रः
जम्मू

केंद्र का इतिहासः
नाइलिट केंद्र श्रीनगर/जम्मू केंद्र एक प्रमुख प्रशिक्षण संगठन है जिसकी स्थापना 1982 में तत्कालीन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, एमसीआईटी, (तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग), भारत सरकार, जम्मू–कश्मीर राज्य औद्योगिक विकास निगम और कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी।केंद्र सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, रंगरेथ में स्थित है। जम्मू केंद्र 2002 से संचालित है और जम्मू विश्वविद्यालय के नए परिसर में स्थित है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
केंद्र छात्रों और पेशेवरों के कौशल वृद्धि के लिए व्यावहारिक उन्मुख अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा एआईसीटीई–एमएचआरडी द्वारा अनुमोदित औपचारिक और गैर–औपचारिक दोनों पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।नाइलिट श्रीनगर केंद्र बीएससी, बीसीए और एमसीए पाठ्यक्रमों के लिए कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्ध है जिसे अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित किया गया है। इसने अपने छात्रों के प्लेसमेंट की सुविधा के लिए ओरेकल, सिस्को जैसे संगठनों के साथ अकादमिक गठजोड़ किया है और शीर्ष आईटी/आईटीईएस कंपनियों के साथ संबंध विकसित किए हैं।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- एंड्रायड प्रोग्रामिंग
- ब्लॉक चेन टेक्नोलाजी
- डॉट नेट
- आईओटी
- डाटा विज्ञान और मशीन लर्निंग के लिए पायथन
- सीसीएनए, पीएचपी, और एमवाईएसक्यूएल
- ऑटोकैड
- मैटलैब
- जावा में प्रोग्रामिंग
- टैली (जीएसटी के साथ लेखांकन)
- मल्टीमीडिया डिजाइनिंग (फोटोशॉप और कोरलड्रॉ)
- वेब डिजाइनिंग
- पीसी असेंबलिंग एवं टेस्टिंग
- बिग डाटा और हडोप डेवलपर
- सीसीसी पाठ्यक्रम
- पायथन के उपयोग से इमेज प्रोसेसिंग

ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रमः
- ओ स्तर (सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर/मल्टीमीडिया)
- ए स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- विभिन्न लघु / दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को डिजाइन करने और छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, बिग डेटा और अन्य उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षित करने और इस क्षेत्र की सामाजिक समस्याओं का समाधान करने के लिए अनुप्रयुक्त और मौलिक दोनों प्रकार के अनुसंधान में गति पैदा करने के इरादे से नाइलिट जम्मू एवं कश्मीर और आईआईटी जम्मू के बीच 6 दिसंबर–2021 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- जम्मू–कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के तहत स्कूलों में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत 6 से 12वीं तक की कक्षाओं में नाइलिट के एसीसी / बीसीसी / सीसीसी और ओ स्तर पाठ्यक्रमों का क्रियान्वयन ।
- 5 नवंबर, 2021 को नाइलिट श्रीनगर ने नाइलिट श्रीनगर में "भविष्य के कौशल अभिविन्यास और परामर्श कार्यक्रम" के लिए एक अभिनव पहल की शुरुआत की, जिसमें जम्मू–कश्मीर के संघ राज्य क्षेत्र में छात्रों के लिए नियमित औद्योगिक विशेषज्ञ बातचीत आयोजित की जाएगी जो छात्रों को उद्योग की जरूरतों के लिए तैयार करेगी और इस प्रकार उनकी रोजगार योग्यता को भी बढ़ाएगी।
- फरवरी, 2021 में नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने संघ राज्य क्षेत्र जम्मू–कश्मीर में विभिन्न सरकारी डिग्री कॉलेजों से संबंधित 5724 छात्रों के प्रशिक्षण हेतु उच्च शिक्षा विभाग के लिए "औद्योगिक कौशल विकास प्रशिक्षण" शुरू किया।यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग, संघ राज्य क्षेत्र जम्मू–कश्मीर द्वारा चुनौतीपूर्ण कोविड–19 महामारी के दौरान प्रायोजित किया गया था।प्रशिक्षण में जम्मू–कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के लगभग 80 डिग्री कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित छात्रों की नियुक्ति के लिए 20 कंपनियों और 40 डिग्री कॉलेजों के साथ मेगा जॉब फेयर आयोजित किया गया था।
- आईआईसीटी (भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान) श्रीनगर के लिए कालीन डिजाइन और तालीम उत्पादन का स्वचालन :–सॉफ्टवेयर उनके सूचकांक रंग कोड के साथ नए तालीम कैरेक्टर के पंजीकरण की सुविधा प्रदान करता है, कालीन डिजाइन से तालीम का निर्माण, रंग संयोजनों को बढ़ाने के लिए लचीलापन, सामग्री के अपव्यय में कमी, सहयोगात्मक डिजाइन करने के लिए अंतःक्रियाशीलता डिजाइनरों और उपयोगकर्ताओं दोनों को शामिल करते हुए और निर्माण से पहले डिजाइन के विजुअलाइजेशन की सुविधा प्रदान करता है साथ ही डिजाइनों की संख्या और स्टाइल के अन्य रूपों का उपयोग करने की क्षमता बढ़ाता है।

Greater Kashmir

Home Latest News Today's Paper Kashmir Opinion & Editorial

Kashmir

5724 college students to get Industrial Skill Training

NIELIT Srinagar/Jammu undertakes major training program across J&K

gk-news-network

Published on : 20 Mar, 2021, 9:34 pm . 2 min read

कोहिमा

कोहिमा कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
17 नवम्बर 2020 को बैठक सम्पन्न हुई ।

कार्मिक:
नियमित: 18
परियोजना आधारित: 14

कारोबार:
807.40 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक:
श्री एल. लानुवाबांग

पता:
मेरिएमा, न्यू हाईकोर्ट रोड, कोहिमा,
नागालैंड–797001

सम्पर्क के ब्यौरे:
दूरभाष: 09436215243
ई–मेल: dir-kohima@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/kohima

क्षेत्राधिकार राज्य :
नागालैंड

विस्तार केंद्र :
चुचुईमलांग

केंद्र का इतिहास:
तत्कालीन स्वर्गीय माननीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 2003 में कोहिमा नागालैंड की अपनी पहली यात्रा के दौरान नागालैंड के लोगों के लिए की गई घोषणा के परिणामस्वरूप, नाइलिट कोहिमा की स्थापना जुलाई 2004 में हुई थी। तब से, केंद्र राज्य में आदिवासी युवाओं को लाभान्वित करने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी डोमेन में क्षमता निर्माण और कौशल विकास को सक्षम करने वाली कई शैक्षिक सेवाएं प्रदान कर रहा है। केंद्र दुनिया के किसी भी हिस्से में उपलब्ध अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधा से सुसज्जित है। शिक्षा प्रदान करने के अलावा, केंद्र साइबर सुरक्षा, परामर्श सेवाओं और सॉफ्टवेयर विकास जैसे उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को लागू करता है और स्थानीय आबादी की जरूरतों को पूरा करता है। नाइलिट कोहिमा को राज्य के लिए अपनी उपलब्धियों और सेवाओं के आधार पर नागालैंड सरकार द्वारा आईटी में उत्कृष्टता केंद्र और संस्थान भागीदार के रूप में उपयुक्त रूप से घोषित किया गया है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
डिजिटल फोरेंसिक्स, ई–लर्निंग एवं मल्टीमीडिया

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर एप्लिकेशन में प्रमाणपत्र (सीसीए)
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- डिजिटल फोरेंसिक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- साइबर फोरेंसिक में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सीआरईओ का उपयोग करके सीएडी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एप्लीकेशंस में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रमाणित एंड्राइड एप्स डेवलपर
- प्रमाणित 2 डी एनीमेटर
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- प्रमाणित ग्राफिक्स डिजाइनर
- प्रमाणित ऑडियो विजुअल डिजाइनर
- वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम
- बेसिक कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन तथा प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स एवं संचार अंग्रेजी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के संस्था. पन और मरम्मत में डिप्लोमा
- पीसी असेंबली एवं रखरखाव में पप्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- मोबाइल की मरम्मत एवं रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- ईसीजी और आईसीयू उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव
- बिजली आपूर्ति, इन्वर्टर और यूपीएस की मरम्मत और रखरखाव
- पर्सनल कम्प्यूटर की असेंबली तथा रखरखाव
- सौर ऊर्जा संस्थापन, प्रचालन तथा रखरखाव

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी/ सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा
- 'ओ' स्तर (कम्प्यूटर एप्लिकेशन में फाउंडेशन पाठ्यक्रम)
- 'ए' स्तर (कम्प्यूटर एप्लिकेशन में एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम)
- सीएचएम 'ओ' स्तर (कम्प्यूटर हार्डवेयर रख. रखाव में डिप्लोमा)
- मैट–ओ स्तर (मल्टीमीडिया एवं एनीमेशन तकनीक में डिप्लोमा)

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- पूर्ण ऑनलाइन प्रवेश, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) और विशेष रूप से महामारी की स्थिति के दौरान मिश्रित मोड में ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के लिए इन–हाउस क्षमता के साथ उपकरण विकसित किया।
- बीसीए और डीसीएसई जैसे औपचारिक पाठ्यक्रमों सहित सीसीसी, वेब डिजाइनिंग, ग्राफिक्स डिजाइन, ऑडियो और वीडियो, पायथन और ओ स्तर जैसे अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए मल्टीमीडिया सामग्री विकसित की गई है।
- नाइलिट कोहिमा द्वारा 17–23 जून 2020 तक नागालैंड विश्वविद्यालय के संकाय के लिए "ई–लर्निंग सामग्री विकास और वितरण प्रणाली" पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- नागालैंड बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (एनबीएसई), नागालैंड सरकार के सहयोग से सरकारी स्कूल के शिक्षकों को "ई–लर्निंग सामग्री विकास और वितरण प्रणाली" पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अक्टूबर 2020 के महीने में सभी 2000 शिक्षकों को विभिन्न बैचों में प्रशिक्षित किया गया।
- 24 से 25 जुलाई 2020 तक आयोजित "पूर्वोत्तर भारत और पड़ोसी क्षेत्रों के सामाजिक गठन और सांस्कृतिक विकास" पर बहु–अनुशासनात्मक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के दौरान तकनीकी सहायता प्रदान की। वेबिनार का आयोजन डॉन बॉस्को कॉलेज कोहिमा द्वारा कोहिमा एजुकेशनल ट्रस्ट / कोहिमा एजुकेशनल सोसाइटी के सहयोग से किया गया था।
- 4 पूर्वोत्तर राज्यों (नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा और मिजोरम) के एलईए के लिए "डिजिटल स्पेस में अपराधों से निपटने" पर वेबिनार आयोजित किया गया था। वेबिनार में कुल 102 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- नीट 2020 परीक्षा 13 सितंबर 2020 को नाइलिट कोहिमा में आयोजित की गई थी।
- डिजिटल फोरेंसिक और साइबर अपराध जांच में पूर्वोत्तर राज्यों के 314 पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया।
- फोरेंसिक लैब को भेजे गए 45 से अधिक साइबर अपराध मामलों को सुलझाने में पुलिस विभाग की सहायता करना।
- फ्यूचर स्किल प्राइम के तहत, नाइलिट कोहिमा ने साइबर सुरक्षा अनिवार्यता पर सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण का आयोजन किया है।
- राजकीय पॉलीटेक्निक के छात्रों को पायथन पर औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- नाइलिट कोहिमा के योगदान अभिज्ञान में, नागालैंड के स्टार्ट–अप कार्यक्रम के तहत नागालैंड सरकार द्वारा प्रायोजित आईटी क्षेत्र में एक इंक्युबेशन सेंटर स्थापित किया गया है।

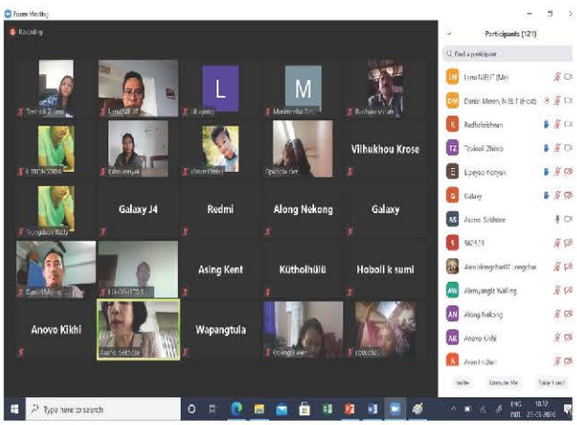

कोलकाता

कार्यकारी समिति की बैठक(के):
12/03/2020 को बैठक सम्पन्न हुई ।

कार्मिक:
नियमित: 26
सांविदात्मक/परियोजना आधारित: 35

कारोबार :
796 लाख रुपये

कार्यकारी निदेशक (अतिरिक्त प्रभार):
श्री वी कृष्णमूर्ति

पता
नाइलिट कोलकाता
इकाई–1: जादवपुर, विश्वविद्यालय परिसर, कोलकाता–700032
इकाई–2: ब्लॉक–बीएफ 267, सेक्टर–1, साल्ट लेक, कोलकाता–700064

सम्पर्क के ब्यौरे
इकाई–1:
फोन: 033–24146081/6054, 24146261(निदेशक)
फ़ैक्स: 033–24146549
इकाई–2:
फोन: 033–46022246/0938
ई–मेल: dir-kolkata@nielit.gov.in
वेबसाईट: www.nielit.gov.in/kolkata

क्षेत्राधिकार राज्य:
पश्चिम बंगाल

केंद्र का इतिहास:
क्षेत्रीय कम्प्यूटर केंद्र(आरसीसी), कोलकाता के रूप में 1976 में स्थापित, नाइलिट कोलकाता लगभग 40 वर्षों से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाले पूर्वी क्षेत्र में सबसे पुराने आईटी हाउस में से एक है तथा पूर्वी भारत में आईटी/आईटीईएस में आईटी प्रशिक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी है। यह जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर के भीतर हरे–भरे वातावरण में स्थित है, और शहर के हर कोने से बस और ट्रेन सेवाओं से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। केंद्र में 11 व्याख्यान–कक्ष, एक स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मॉडल कैरियर केंद्र, सम्मेलन कक्ष जिसमें केंद्रीय यूपीएस और 24X7 100 एमबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी के साथ 8 प्रयोगशालाएं सम्मिलित हैं। केंद्र की नई बी+जी+3 मंजिला भवन साल्ट लेक पर लगभग 20,000 वर्गफुट परिचालन क्षेत्र तथा आधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
- सॉफ्टवेयर (एस/डब्ल्यू) विकास और एस/डब्ल्यू परीक्षण
- नियमित आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण– कार्यालय स्वचालन, प्रोग्रामिंग लैंगवेज, डाटाबेस, मल्टिमीडिया एनीमेशन टेक्नॉलॉजी
- ई–शासन एवं कॉर्पोरेट प्रशिक्षण–ईआरपी, ई–कचरा प्रबंधन, ऑटोकैड
- अभिनव आईटी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण–एंड्रायड्स, डाटा एनालिटिक्स, डाटा वेयरहाउसिंग एवं डाटा माइनिंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग, डाटा साइन्स एवं ब्लॉकचेन।
- राष्ट्रीय नवीन ऊर्जा संस्थान के माध्यम से भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम पर प्रशिक्षण ।
- प्रमाणित मल्टिमीडिया डेवलपर
- ऑटोकैड
- सी प्रोग्रामिंग
- इमेज एडिटिंग एवं 2डी एनीमेशन
- नेटवर्क प्रशासन
- लिनक्स के उपयोग से सिस्टम एड्मिनिसट्रेशन
- बिजली एवं सुरक्षा व्यवहार
- 3डी डिजाइन का परिचय
- एंड्रायड एप्लिकेशन डेवलपर
- इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम का संस्थापन तथा रखरखाव
- सौर तकनीक
- मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- पायथन और आर के उपयोग से डाटा साइंस
- लिनक्स के समावेशन के साथ पायथन
- ओरेकल और पीएल/एसक्यूएल, डीबीए
- वेबडिजाइनिंग एवं टूल्स
- एलएएमपी (लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल, पीएचपी)
- टैली के उपयोग से वित्तीय लेखांकन
- कार्यालय स्वचालन टूल्स
- जावा
- सी प्रोग्रामिंग
- लैपटाप, डेस्कटॉप एवं प्रिंटर की मरम्मत
- पीसी असेंबली एवं रखरखाव
- मैटलैब के उपयोग से डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग
- मैटलैब का उपयोग करके मशीन लर्निंग, सांख्यिकी, अनुकूलन तकनीक और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के तत्व
- मैटलैब

ख) टियर 2/3 शहरों के अभ्यर्थियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम:
- एंड्रायड एप्स डेवलपमेंट
- पायथन का उपयोग कर आईओटी
- ऑफिस औटोमेशन और प्रैक्टिस
- पीसी की असेंबली तथा रखरखाव
- डेस्कटॉप पब्लिशिंग
- सॉफ्ट स्किल
- मल्टीमीडिया
- वित्तीय लेखाकन
- सौर तकनीक

ग) डिप्लोमा पाठ्यक्रम:
- इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया डेवलपर में डिप्लोमा
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन और एन/डब्ल्यू प्रशासन में डिप्लोमा

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम (सभी एनएसक्यूएफ अनुवर्ती)
- आईटी –'ओ' स्तर
- सीएचएम –'ओ' स्तर
- आईटी– 'ए' स्तर
- मैट– 'ओ' स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- कृषि जनगणना परियोजनाःनाइलिट कोलकाता ने कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग (डीएसी एंड एफडब्ल्यू), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की कृषि जनगणना 2015–16 योजना के तहत 'कृषि जनगणना 2015–16 और इनपुट सर्वेक्षण 2016–17 का कम्प्यूटरीकरण' परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।केंद्र ने सिस्टम अध्ययन और सॉफ्टवेयर विक. ास, विकसित सॉफ्टवेयर पर सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षण, इक्कीस (21) राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अनुसूचियों के डिजिटलीकरण और सत्यापन, अनुमान, प्रसंस्करण, सारणीकरण और सभी छत्तीस (36) के लिए रिपोर्ट तैयार करने के लिए गतिविधियां शुरू की हैं राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ–साथ राष्ट्रीय स्तर पर और वेबसाइट पर डेटा की मेजबानी/रखरखाव के लिए भी सहायता प्रदान की।रिकॉर्ड की कुल मात्रा लगभग 10 करोड़ है। नाइलिट कोलकाता ने कोविड–19 महामारी की स्थिति को देखते हुए उक्त परियोजना को समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया है।
- ब्लॉकचेन के मूल सिद्धांतों पर ऑनलाइन कार्यशालाः नाइलिट कोलकाता ने 28 और 29 जुलाई 2020 को ब्लॉकचेन के मूल सिद्ध ांतों पर 2 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।
- फ्यूचर स्किल्सप्राइम कार्यक्रम के तहत सरकारी अधिकारी प्रशिक्षण (जीओटी):नाइलिट कोलकाता को 'फ्यूचर स्किल्स प्राइम–प्रोग्राम फॉर री–स्किलिंग/अप–स्किलिंग ऑफ आईटी मैनपावर फॉर एम्प्लॉयबिलिटी' के तहत लीड रिसोर्स सेंटर के रूप में पहचाना गया है। कार्यक्रम के तहत, नाइलिट कोलकाता ने उभरती प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। कुल 26 अभ्यर्थियों को ब्लॉकचेन पर प्रशिक्षित किया गया है, 31 अभ्यर्थियों को बिग डेटा एनालिटिक्स पर प्रशिक्षित किया गया है और 33 अभ्यर्थियों को एआर/वीआर (ऑगमेंटेड रियलिटी/वर्चुअल रियलिटी) प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षित किया गया है।

आयोजित परीक्षाएं

- 01/08/2021 को कोलकाता में सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज (सीसीआरएएस) के लिए यूडीसी और एलडीसी के पदों के लिए 21,524 उम्मीदवारों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की।
- पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्य के लिए 3228 उम्मीदवारों के लिए डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम (बीसीसी, सीसीसी, सीसीसीपी, ईसीसी) के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई।
- वैज्ञानिक तकनीकी सहायक और वैज्ञानिक–बी के पदों के लिए एनआईसी भर्ती परीक्षा 6630 उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई थी।
- नागरिक उड्डयन महानिदेशक के लिए फ्लाइट क्रू और एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियर के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की।

कुरुक्षेत्र

कार्मिकः
नियमितः 04
सांविदात्मक / परियोजना आधारितः 03

कारोबारः
77.02 लाख रुपये

प्रभारी निदेशकः
श्री संजीव सूद

पता
नाइलिट कुरुक्षेत्र, शासकीय पॉलिटेक्निक परिसर, उमरी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा–136131

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 01744–278035
मोबाईलः 7678271432
ई–मेलः dir-kurukshetra@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/kurukshetra

क्षेत्राधिकार राज्यः
हरियाणा

केंद्र का इतिहासः
नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र की शुरुआत 5 जनवरी,2017 को हुई थी तथा नाइलिट अजमेर और इसकी संस्थापना से बुनियादी सुविधाओं को स्थानांतरित करने के बाद दिनांक 1 जून, 2017 से प्रशिक्षण गतिविधियां प्रारम्भ हुईं थी। केंद्र ने सेमेस्टर अंतराल के दौरान आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में बी.टेक, बी.एस.सी व पॉलिटेक्निक इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए मांग उन्मुखी अल्प अवधि पाठ्यक्रमों के माध्यम से पेशेवर और व्यावहारिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में उत्कृष्ट स्थान हासिल किया है ।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- आईओटी
- एडवांस पायथन
- एडवांस वेब डिजाइनिंग
- एंड्रायड, जावा
- मैटलैब के उपयोग से कम्प्यूटर नेटवर्क और डीएसपी
- कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

ख) दीर्घअवधि पाठ्यक्रम
- आईटी में 'ओ' स्तर
- सीएचएम –ओ स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केंद्र ने लॉकडाउन अवधि के दौरान ऑनलाइन मोड में और लॉकडाउन के बाद ऑफलाइन मोड में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में कई अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू किए।
- जनवरी 2020 और जुलाई 2020 बैच में क्रमशः 30 और 40 छात्रों को ओ–स्तर पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया गया।
- आईओटी, नेटवर्क, पायथन, एंड्रायड और उन्नत वेब विकास में इंटर्नशिप जैसे विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के तहत 155 छात्रों को प्रशिक्षित किया।
- राजकीय आईटीआई, अंबाला के लगभग 60 छात्रों के लिए सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया।
- नाइलिट कुरुक्षेत्र हरियाणा राज्य में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए नोडल केंद्र है।
- इंजीनियरिंग कॉलेजों, पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्रों के लिए अग्रिम और मांग उन्मुख पाठ्यक्रमों के माध्यम से केंद्र ने व्यावहारिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है।
- नाइलिट ओ–स्तर पाठ्यक्रम ने राज्य सरकार की विभिन्न नौकरियों के लिए भी राज्य सरकार की मान्यता अर्जित की है।
- केन्द्र तकनीकी संस्थानों से अल्पकालीन प्रायोगिक एवं परियोजना आधारित प्रशिक्षणों के लिए प्रायोजित विद्यार्थियों को प्राप्त करता रहा है।

पटना

कार्मिकः
नियमितः 09
सांविदात्मक / परियोजना आधारितः 24

कारोबारः
622.16 लाख रुपये

प्रभारी निदेशकः
श्री आलोक त्रिपाठी

पताः
नाइलिट पटना केंद्र, आईआईटी पटना के समीप, अमहारा, बिहटा, पटना (बिहार)–801103

सम्पर्क के ब्यौरेः
मोबाइलः 9431011532
ई–मेलः patna@nielit.gov.in
वेबसाइट : www.nielit.gov.in/patna

क्षेत्राधिकार राज्य
बिहार

विस्तार केंद्रः
अलावलपुर, लखनपुरा

केंद्र का इतिहासः
नाइलिट केंद्र, पटना की स्थापना वर्ष 2008 में की गई थी और यह पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न नाइलिट केंद्रों की गतिविधियों का समन्वय करने और क्षेत्र में कौशल विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के उद्देश्य से बिहटा (आईआईटी पटना के पास) में अपने स्थायी परिसर से चालू है ।केंद्र बिहार राज्य सरकार के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी लगा हुआ है ।इन कार्यक्रमों में प्रमुख हैं राज्य सरकार के कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिसके तहत समूह 'सी' के कर्मचारियों के लिए वार्षिक वेतन वृद्धि के लिए पात्र बनने के लिए कंप्यूटर एप्लीकेशन पर पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करना अनिवार्य है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- सूचना सुरक्षा
- आईओटी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन तथा प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा (एडीसीएएपी)
- डाटा प्रविष्टि एवं कार्यालय स्वचालन में प्रमाणन पाठ्यक्रम (सीसीडीईओए)
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम
- फोटोकॉपियर एवं प्रिंटर का संस्थापन तथा रखरखाव
- ईएसएम–1 इलेक्ट्रानिक प्रॉडक्शन टेक्नीशियन
- उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के संस्थापन और मरम्मत में डिप्लोमा
- प्रिंटेड सर्किट बोर्ड डिजाइन, विश्लेषण और निर्माण तकनीक पर प्रमाणित पाठ्यक्रम
- वेबडिजाइनिंग, प्रमाणित एंड्रायड एप्स डेवलपर में प्रमाणित पाठ्यक्रम
- सोलर एलइडी लाइटिंग प्रॉडक्ट (डिजाइन एवं निर्माण)
- साइबर शिक्षा
- कौशल युवा प्रोग्राम (केवाइपी)

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- ए स्तर आईटी
- ओ स्तर आईटी
- 'ओ' स्तर आईटी

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट पटना ने बिहार पुलिस के 25 डिप्टी एसपी प्रोबेशनरों को कंप्यूटर हार्डवेयर, नेटवर्किंग और फोरेंसिक पर 15 दिनों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर में आयोजित किया गया था।
- नाइलिट पटना ने फ्युचरस्किल्सप्राइम परियोजना के तहत केरल पुलिस साइबरडोम (साइबर सुरक्षा में केरल पुलिस के लिए उत्कृष्टता केंद्र) के 57 पेशेवरों के लिए "साइबर सुरक्षा एसेंशियल्स" और "ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी" पर प्रशिक्षण आयोजित किया।
- नाइलिट पटना ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर (इकॉन गया) में बिहार सैन्य पुलिस, बोधगया से 105 पुलिस कांस्टेबल (साक्षर) का कंप्यूटर प्रशिक्षण आयोजित किया। इस प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को एएसआई (तकनीकी) के पद पर पदोन्नत किया जा सकता है।
- आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं (एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस (महिला)) के कौशल विकास से रोजगार में वृद्धि हुई है।
- पुनर्वास महानिदेशालय, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग, रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक परियोजना के तहत नाइलिट 'ओ' स्तर और सीएचएम ओ–स्तर में भूतपूर्व सैनिकों के प्रशिक्षण का आयोजन।

रांची

कार्मिकः
नियमितः 06
सांविदात्मक / परियोजना आधारितः 8

कारोबारः
112.4 लाख रुपये

प्रभारी निदेशकः
श्री के.एन. चतुर्वेदी

पता
नाइलिट राँची, दूसरी मंजिल, रियदा भवन, (जीईएल चर्च के सामने), मेन रोड, राँची–834001

सम्पर्क के ब्यौरेः
दूरभाषः 0651–2332554(एलएल)
मोबाइलः 7667160032
ई–मेलः dir-ranchi@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/ranchi

क्षेत्राधिकार राज्य :
झारखंड

केंद्र का इतिहासः
21 अगस्त 2014 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा उद्घाटन के बाद नाइलिट राँची केंद्र ने कार्य करना शुरू किया था। कार्यालय स्थान झारखंड सरकार (जीओजे) द्वारा, दूसरी मंजिल, रियादा भवन, मेन रोड, राँची पर दिया गया है। नाइलिट, राँची इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में कौशल–उन्नयन और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। स्थापना के बाद से, नाइलिट राँची डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में सीसीसी, बीसीसी, और एसीसी जैसे कई पाठ्यक्रमों की पेशकश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, नाइलिट, रांची गैर–औपचारिक क्षेत्र जैसे नाइलिट 'ओ' स्तर/'ए' स्तर और सीएचएम 'ओ' स्तर के दीर्घकालिक पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है और विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है जो एनएसक्यूएफ संरेखित हैं और एमओएसडीई द्वारा परिभाषित हैं।नाइलिट रांची भारत सरकार द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे ईएसडीएम और आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं के कौशल विकास के लिए कार्यान्वयन एजेंसी भी है, जिससे रोजगार में वृद्धि होती है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- आईईसीटी में क्षमता निर्माण
- एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रम
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन तथा प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा
- डाटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- सौर पैनल स्थापना तकनीशियन
- पीसी की एसेंबली एवं रखरखाव
- नाइलिट 'सीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'बीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'एसीसी' पाठ्यक्रम

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम
- नाइलिट आईटी 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम
- नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'ए' स्तर पाठ्यक्रम
- जावा एंटरप्राइज एडिशन में एडवांस डिप्लोमा (जे2ईई)
- नेट प्रौद्योगिकी में उन्नत डिप्लोमा
- एंड्रायड एप्स डेवलपर में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट राँची ने अपने प्रशिक्षण सहयोगियों की मदद से डीजीई एंड टी प्रायोजित नाइलिट–आईटी 'ओ' स्तर (300 एससी/एसटी जॉबसीकर्स) और सीएचएम 'ओ' स्तर (100 एससी/ एसटी जॉबसीकर्स) का आयोजन किया है ।
- झारखंड सरकार के विभिन्न विभागों के 73 अधिकारियों को श्री कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एसकेआईपीए), रांची में बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी) में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- नाइलिट रांची ने कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन और प्रकाशन में [41 अभ्यर्थी], और डाटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन [18 अभ्यर्थी] में प्रमाणन पाठ्यक्रम के लिए एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रम प्रशिक्षण आयोजित किया है।

शिलांग

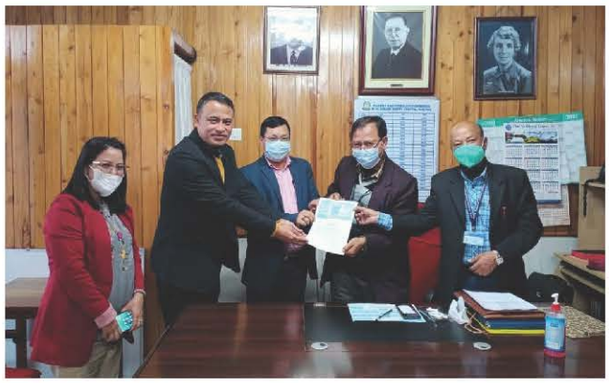

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
03 फरवरी 2020 को बैठक सम्पन्न हुई।

कार्मिक:
नियमित: 02
सांविदात्मक/परियोजना आधारित: 21

कारोबार:
18.35 लाख रुपये

निदेशक (अतिरिक्त प्रभार):
डॉ. यमनाम जयंता सिंह

पता
नाइलिट शिलांग, दूसरी मंजिल,
एमएसएचएफसीएस बिल्डिंग, नोंग्रिम हिल्स,
शिलांग–793003, मेघालय

सम्पर्क के ब्यौरे:
दूरभाष: 0364–2520166/2520177
ई–मेल: dir-shillong@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/shillong

क्षेत्राधिकार राज्य
मेघालय

विस्तार केंद्र
तुरा

केंद्र का इतिहास:
नाइलिट शिलांग देश में नाइलिट का 12वां केंद्र है और पूर्वोत्तर में 6वां केंद्र है। नाइलिट शिलांग की स्थापना 2010 में तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा 7.15 करोड़ रुपये की लागत से की गई थी।नाइलिट शिलांग केंद्र मेघालय राज्य आवास वित्तपोषण सहकारी समिति भवन, नोंग्रिम हिल्स, शिलांग–793003 की दूसरी मंजिल पर स्थित है।नाइलिट शिलांग का तुरा में एक विस्तार केंद्र भी है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
मेडिकल इलेक्ट्रानिकी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

क) अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम
- वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम।
- ईसीजी और आईसीयू उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव
- सौर ऊर्जा संस्थापन, संचालन तथा रखरखाव
- अर्डूइनों आधारित एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- कम्प्यूटर एप्लिकेशन लेखांकन तथा प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा

ख) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- आईटी में ए स्तर
- आईटी में ओ स्तर

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- अस्पताल उपकरण के परीक्षण, अंशशोधन, मरम्मत और रखरखाव के लिए 19 फरवरी 2021 को नाइलिट शिलांग और डॉ एच गॉर्डन रॉबर्ट अस्पताल, शिलांग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ज्ञापन पर 1 वर्ष की वैधता के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। मरम्मत और रखरखाव सेवा शुरू हो गई है और तब से कई उपकरणों की मरम्मत की गई है।
- तीन वर्षों की अवधि में 8 करोड़ रुपये मात्र की कुल अनुमानित लागत पर ''नाइलिट शिलांग, मेघालय के स्थायी परिसर की स्थापना'' नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए एमईआईटीवाई द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी।
- नाइलिट शिलांग की पहली कार्यकारी बैठक 3 फरवरी, 2020 को डॉ यमनाम जयंता सिंह, निदेशक, नाइलिट शिलांग की अध्यक्षता में आयोजित की गई और इसमें सुश्री. आई. आर. संगमा, आईएएस, सचिव समुदाय और ग्रामीण विकास, मेघालय सरकार य कुलसचिव, नाइलिटय प्रोफेसर जी पांडा, डीन अकादमिक, एनआईटी मेघालययय श्री डी. देब, सीईओ, एसएस नेट कॉमय श्री डब्ल्यू. वारशोंग, उप निदेशक (तकनीकी), उद्योग विभाग, मेघालय सरकार सहित अन्य ने भाग लिया।
- 25 मार्च 2021 को नाइलिट शिलांग और शिलांग पॉलिटेक्निक के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू का उद्देश्य संस्थान के तकनीकी छात्रों और नाइलिट के बीच उद्योग संस्थान के संपर्क को बढ़ाने के लिए संबंध बनाना है। नाइलिट शिलांग ने अतीत में शिलांग पॉलिटेक्निक के छात्रों को प्रशिक्षित किया है और समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के बीच मौजूदा संबंधों का औपचारिकरण था

शिमला

कार्मिकः
नियमितः 08
सांविदात्मक/परियोजना आधारितः 15

कारोबारः
6408.17 लाख रुपये

प्रभारी निदेशक
श्री राजीव अग्रवाल

पता
किडरवूड बिल्डिंग, होली लॉज, जाखू रोड, शिमला– हिमांचल प्रदेश–171001

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 0177–2653189
मोबाइलः 09815606510
ई–मेलः dir-shimla@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/shimla

क्षेत्राधिकार राज्य
हिमाचल प्रदेश

विस्तार केंद्र
मंडी
कसुम्पति

केंद्र का इतिहासः
नाइलिट, शिमला (पहले आरसीसी/डीओईएसीसी के रूप में जाना जाता था), इस क्षेत्र का एक प्रमुख संस्थान, 1860 के 'सोसायटी पंजीकरण अधिनियम' के तहत पंजीकृत है।यह वर्ष 1978 में भारत सरकार के तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा ''क्षेत्रीय कंप्यूटर केंद्र'' के तत्वावधान में स्थापित किया गया था।यह विभिन्न सरकारी संगठनों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्वायत्त निकायों को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कंप्यूटर के उपयोग को बढ़ावा देने, कंप्यूटर शिक्षा और पेशेवर सेवाएं प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था।वर्ष 2002 में नाइलिट, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (एमईआईटीवाई), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ विलय के बाद, केंद्र का नाम बदलकर नाइलिट, शिमला कर दिया गया।

यह सूचित किया जाता है कि नाइलिट शिमला, 1995 में माननीय मुख्यमंत्री श्री वीरभद्र सिंहजी द्वारा अपनी स्थापना के बाद से, बुनियादी कंप्यूटर अवधारणाओं से लेकर उन्नत कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों तक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इसने आईटी प्रशिक्षण के क्षेत्र में अपने लिए एक जगह बनाई है और प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करना केंद्र की मुख्य गतिविधि रही है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः
- उच्च तकनीक प्रशिक्षण, सरकारी आईटी परियोजनाएं
- ई–गवर्नेंस परियोजनाओं को चलाने के लिए तकनीकी जनशक्ति की प्रतिनियुक्ति

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः
- अल्प अवधि पाठ्यक्रम : पायथन, आईओटी, बिगडाटा, सीसीसी, सी++
- दीर्घकालिक पाठ्यक्रम 'ओ' स्तर,'ए' स्तर, पीजी डिप्लोमा, डीसीए/डीटीपी

2020–21 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज कंडाघाट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- पीएचपी , डॉटनेट, वित्तीय लेखांकन जैसे क्षेत्रों में अल्पकालिक प्रशिक्षण और नाइलिट– ''ओ'' और ''ए'' स्तर के पाठ्यक्रमों में दीर्घकालिक प्रशिक्षण।
- नाइलिट–"ओ" और नाइलिट–सीएचएम पाठ्यक्रमों में भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार निदेशालय के प्रायोजित छात्रों को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जॉबसीकर्स को प्रशिक्षण दिया जाता है।
- समाज कल्याण विभाग के प्रायोजित युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

हिमाचल

सोसायटी के लेखा–परीक्षक

क्र.सं	नाइलिट केंद्र	सोसायटी के लेखा–परीक्षक
1	औरंगाबाद	मेसर्स बेदमुथा एंड कंपनी ए–301 व 304, सीआईटीआईयूएस, स्पेस ओलम्पिया, सुतगिरनी चौक, गारखेड़ा, औरंगाबाद, महाराष्ट्र–431009
2	अगरतला	मेसर्स एस.बसु ठाकुर एंड कंपनी., वेस्ट बैंक ऑफ मध्यपारा दीघी, 3/1, मध्यपारा, अगरतला–799001(त्रिपुरा पश्चिम)
3	आइजोल	मेसर्स पी.एल. बक्शी एंड कंपनी जेल रोड, सिल्चर, पिन–788004
4	अजमेर	मेसर्स अंबानी एंड कंपनी. 21, देव अम्बा, मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स, स्टेशन रोड, अजमेर
5	कालीकट	मेसर्स मोहन एंड मोहन एसोसिएट्स करुनालयम, वायनाड रोड, कालीकट–673001
6	चेन्नई	मेसर्स वी. सुंदरराजन एंड कंपनी., ग्राउंड फ्लोर–रियर, "एमराल्ड एस्टेट", न्यू.नं 6/3, दूसरा कनाल क्रॉस रोड, गांधी नगर, अदयार, चेन्नई –600020
7	चंडीगढ़ (कुरुक्षेत्र सहित)	मेसर्स बी.एम.वर्मा एंड कंपनी एससीओ नं. 80–81, सेक्टर 17–सी, चंडीगढ़–160047
8	गंगटोक	मेसर्स आर.एन.गोयल एंड कंपनी. मंगतूराम रोड, सिलीगुड़ी–734005
9	गुवाहाटी	मेसर्स जी. टोसनीवाल एंड कंपनी. प्रोबीर मार्केट, दूसरी मंजिल, पलटन बाजार, गुवाहाटी–781008
10	गोरखपुर	मेसर्स हबीबुल्लाह एंड कंपनी. एच.वी. हाउस, 10–पार्क रोड, गोरखपुर–273001 (उ.प्र.)
11	नाइलिट मुख्यालय	मेसर्स जे.पी. चावला एंड कंपनी. सी–129, सेक्टर–2, नोएडा–201301
12	ईटानगर	मेसर्स एस.बसु ठाकुर एंड कंपनी., वेस्ट बैंक ऑफ मध्यपारा दीघी, 3/1, मध्यपारा, अगरतला–799001(त्रिपुरा पश्चिम)
13	इम्फाल	मेसर्स एस.बसु ठाकुर एंड कंपनी., वेस्ट बैंक ऑफ मध्यपारा दीघी, 3/1, मध्यपारा, अगरतला–799001(त्रिपुरा पश्चिम)
14	कोहिमा	मेसर्स एम.के. बरदोलोई एंड कंपनी बीओएच. नं. 124, राजगढ़ रोड, एसबीआई एटीएम के ऊपर, भंगागढ़, गुवाहाटी–781007
15	कोलकाता (भुवनेश्वर सहित)	मेसर्स सेन एंड कंपनी 1/13, चितरंजन कॉलोनी, जादवपुर, कोलकाता–700032
16	नई दिल्ली	मेसर्स सिंघल सुनील एंड एसोसिएट्स 105, लक्ष्मण पैलेस, 19 वीर सावरकर ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली–110092
17	पटना	मेसर्स सच्चिदानंद चौधरी एंड कंपनी एचओ 302, राजेन्द्र एंक्लेव, शशि कॉम्प्लेक्स के पीछे, एक्जीबीशन रोड, पटना–1.
18	श्रीनगर/जम्मू	मेसर्स मंजूर एंड कंपनी दूसरा तल, एमआईआर एन–क, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, एलआईसी भवन के सामने, करन नगर, श्रीनगर–190010
19	शिलांग	मेसर्स एसपीआरके एंड कंपनी प्रथम तल, रॉयल व्यू बिल्डिंग, डॉ.बी.के. काकोटी रोड, ऊलुबारी, गुवाहाटी–781007, असम
20	रांची	सुशील कुमार शर्मा एंड कंपनी. तीरथ मैनशन, रूम नं. 222, प्रथम तल, निकट मेन रोड, रांची, झारखंड–834001
21	शिमला	मेसर्स बी.एम.वर्मा एंड कंपनी एससीओ नं. 80–81, सेक्टर 17–सी, चंडीगढ़–160047
22	हरिद्वार	मेसर्स हबीबुल्लाह एंड कंपनी. एच.वी. हाउस, 10–पार्क रोड, गोरखपुर–273001 (उ.प्र.)

J P Chawla & Co. LLP
Chartered Accountants

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में

महानिदेशक,

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

सापेक्ष राय

हमने **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान**, नाइलिट भवन, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077 (जिसे आगे सोसाइटी कहा गया है) जो सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक सोसाइटी है, के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का तुलन–पत्र, उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समेकित आय एवं व्यय लेखा, समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा उसके साथ संलग्न महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं एवं अन्य स्पष्टीकरण संबंधी सूचना सम्मिलित है, जिनमें हमारे द्वारा नाइलिट दिल्ली मुख्यालय व राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के समेकित लेखा–विवरणों की लेखा–परीक्षा की गयी है तथा 21 केन्द्रों– आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, शिमला, श्रीनगर और जम्मू, गुवाहाटी, कोलकाता, चंडीगढ़, कोहिमा, चेन्नई, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, पटना, रांची, नई दिल्ली, इटानगर, एवं हरिद्वार के लेखा विवरण अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा–परीक्षित किए गए हैं, जो इसमें सम्मिलित हैं ।

हमारी राय में, और हमारी जानकारी के अनुसार और हमें दिये गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, सोसायटी के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों को प्रयोज्य कानूनों के अनुसार तैयार किया जाता है। इस रिपोर्ट में शामिल समेकित तुलन–पत्र तथा आय और व्यय के समेकित विवरण व समेकित प्राप्तियाँ व भुगतान लेखा बहियों और हमारे द्वारा दौरा न किए गए केन्द्रों से प्राप्त लेखा विवरणों के अनुसार है तथा जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसरण में, सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं ।

राय के लिए आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी ऑडिटिंग (एसए) के मानकों के अनुसार अपना ऑडिट दिया। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा–परीक्षा के लिए लेखा–परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है । नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम संस्था से स्वतंत्र है जो वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक है, और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य जिम्मेदारियों को पूरा किया है । हमारा मानना है कि, हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारी राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं ।

ध्यान देने योग्य मामले

J P Chawla & Co. LLP
Chartered Accountants

हम अशोध्य और संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान संबंधी अनुसूची 25 के नोट 3 तथा राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर कि वर्तमान स्थिति से संबन्धित वित्तीय विवरणों की अनुसूची 25 के नोट 5 (सी,डी,ई,एफ,जी,एच) तथा समेकित वित्तीय विवरणों में केवल आर्थिक नोटों के संकलन संबंधी अनुसूची 25 की संख्या 11 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हैं। आगे, वित्तीय विवरणों में उल्लिखित देनदारों लेनदारों और ऋणों और अग्रिमों की पुष्टि की जारी प्रक्रिया के संबंध में अनुसूची 25 के नोट संख्या 7 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है । इसके अलावा, आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए फार्म 26एएस सहित स्रोत पर कटौती के लंबित समाधान संबंधी अनुसूची 25 की नोट संख्या 12 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है । इसके अलावा, प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा तैयार करते समय अल्पकालिक जमा के संबंध में समाधान में अंतर तथा नकद और बैंक शेष में अथशेष और अंतशेष के बीच समेकन अंतर संबंधी अनुसूची 25 के नोट संख्या 14 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है। ऐसे मामलों में हमारी राय मान्य नहीं है ।

हमारे द्वारा लेखा परीक्षित नाइलिट दिल्ली मुख्यालय के मामलें में, निम्नानुसार बिन्दुओं पर बल दिया गया है।

अनुसूची 19 की नोट संख्या 24 में, स्थायी परिसंपत्तियों की पंजिका का अद्यतन कार्य शेष रहने के संबंध में ध्यान आकृष्ट किया गया है। आगे, अनुसूची 24 नोट संख्या 17 में नाइलिट मुख्यालय के साथ–साथ आंतरिक केन्द्रों के लेखाओं सहित लंबित संराधन के संबंध में इसके वित्तीय विवरण की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है तथा आगे, अनुसूची 24 की नोट संख्या 16 में इसके देनदारों, लेनदारों, वर्तमान परिसंपत्तियों वर्तमान देनदारियाँ व ऋण व अग्रिम, जो मूल्य अनुसार लेखाओं में वर्णित है जो वसूली योग्य / देय है, के साथ पुष्टि की प्रक्रिया के संबंध में इसमें वित्तीय विवरणों पर ध्यान आकृष्ट किया गया है । ऐसे मामलों पर हमारी राय मान्य नहीं है ।

ईटानगर, नई दिल्ली, चेन्नई, कालीकट, केन्द्रों, एनपीआर के मामले में, कुछ मुख्य मामलों के प्रति उनके लेखा–परीक्षकों द्वारा ध्यान आकृष्ट किया गया है । ऐसी रिपोर्टों को संदर्भित किया जा सकता है ।

अन्य मामलें

हमने आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, श्रीनगर तथा जम्मू, गुवाहाटी, कोलकाता, चंडीगढ़, कोहिमा, चेन्नई, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, पटना, शिमला, रांची, नई दिल्ली, हरिद्वार और ईटानगर के वित्तीय विवरण ों की लेखा परीक्षा नहीं की है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों से देखा जा सकता है।

इन वित्तीय विवरणों कि लेखा परीक्षा अन्य लेखा–परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है तथा समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक, इन केन्द्रों के संबंध में सम्मिलित राशि और प्रकटीकरण से संबन्धित है, पूर्ण रूप से, अन्य लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है ।

चंडीगढ़ केंद्र, नई दिल्ली केंद्र, श्रीनगर और जम्मू केंद्र, शिमला केंद्र के मामले में यअन्य मामलों पर ध्यान उनके लेखा परीक्षकों द्वारा कुछ मामलों की ओर आकर्षित किया जाता है, ऐसी रिपोर्टों का संदर्भ लिया जा सकता है ।

प्रबंधन व वित्तीय विवरणों के शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी के उत्तरदायित्व ।

ऐसे आंतरिक नियंत्रण जिसमें प्रबंधन यह निर्धारित करता है कि, समेकित वित्तीय विवरण जो, तथ्यात्मक गलत विवरण,

J P Chawla & Co. LLP
Chartered Accountants

चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, से मुक्त हैं, के लिए प्रयोज्य कानून व उपनियमों के अनुसार इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की है ।

इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में संस्था का प्रबंधन, संस्था के सामर्थ्य की निरंतरता की धारणा, प्रकटीकरण, जो भी हो, कार्यकलापों से संबन्धित मामले तथा लेखाओं के आधार पर निरंतरता की धारणा का उपयोग चाहे प्रबंधन की परिसमाप्ति का इरादा रखें अथवा संचालन बंद करें अथवा ऐसा करे किन्तु, कोई वास्तविक विकल्प न हों, के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है ।

संस्था के वित्तीय निर्धारण प्रक्रिया की देखरेख के लिए शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी उत्तरदायी है ।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इन वित्तीय विवरणों के बारे में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करना है कि यह समेकित वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप से भौतिक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि हो, से मुक्त है, और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है, जिसमें हमारी राय शामिल है । उचित आश्वासन एक उच्चस्तरीय आश्वासन होता है, लेकिन, यह कोई गारंटी नहीं है, कि एस.ए. के अनुसार किए गए ऑडिट में, हमेशा भौतिक गलत विवरणों, जो निहित हों, का पता लगेगा । गलत विवरण धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न हो सकते हैं और यदि पृथक या समग्र रूप से इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ता द्वारा लिए गए वित्तीय निर्णय उपयुक्ततः प्रभावित किए जाने की संभावना हो तो वे महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

एस.ए. के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में हम पेशेवर अनुमान का प्रयोग करते हैं तथा सम्पूर्ण ऑडिट के दौरान व्यवसायिकी संशयात्मकता बनाए रखते हैं । जिन केन्द्रों के लिए हमने ऑडिट किया है, हमने निम्नलिखित उपाय (इसके बाद "अतिरिक्त उपाय केआर रूप में संदर्भित ") भी किए हैं ।

- समेकित वित्तीय विवरण के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों की पहचान करना और उनका आकलन करना, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं को तैयार और निष्पादित करना, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करना जो, हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले एक से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबुझकर चूक, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रण के ओवरराइड सम्मिलित हो सकते हैं ।
- ऑडिट से संबन्धित आंतरिक नियंत्रणों की जानकारी प्राप्त करना ताकि परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त ऑडिट प्रक्रियाएँ तैयार की जा सके, लेकिन यह सोसायटी के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर राय देने के प्रयोजन के लिए नहीं है ।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबन्धित खुलासों की तर्कशीलता का मूल्यांकन करना ।
- प्रबंधन द्वारा लेखांकन के लिए चालू संस्था आधार का उपयोग किए जाने की औचित्ययता, और प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, घटनाओं या परिस्थितियों से संबन्धित महत्वपूर्ण अनिश्चितता विद्यमान है या नहीं, जिससे चालू

J P Chawla & Co. LLP
Chartered Accountants

संस्था के रूप में सोसाईटी के सामर्थ पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न होते हों, पर निष्कर्ष देना है । यदि हम निष्कर्ष देते है कि, भौतिक अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो, हमें वित्तीय विवरणों से संबन्धित प्रकटीकरण के लिए अपनी ऑडिट रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना आवश्यक है अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण अपर्याप्त है तो हमारी राय को संशोधित करें । हमारे निष्कर्ष, आडिटर रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त आडिट साक्ष्य के आधार पर हैं तथापि, भविष्य में, घटनाएँ या परिस्थितियाँ सोसाईटी की निरंतरता की धारणा के सतत क्रम में अवरोध उत्पन्न कर सकती हैं । शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को हम यह विवरण देते हैं कि हमने स्वायत्ता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और उन सभी रिश्तों पर अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जो हमारी स्वायत्ता पर और जहां लागू हो, संबन्धित सुरक्षा उपायों के बारे में यथोचित रूप से सोचा जा सकता है ।

हम शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से अन्य मामलें में ऑडिट के योजनाबद्ध कार्य व समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा परिणामों जिसमें हमारे ऑडिट के दौरान पहचान की गई आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण कमियाँ भी शामिल हैं के बारे में विचार विमर्श कर सकते हैं ।

उन केन्द्रों के लिए जिनका हमने ऑडिट नहीं किया है और अन्य ऑडिटर्स द्वारा ऑडिट किया गया है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है, तदनुसार हमने उपर्युक्त अतिरिक्त उपाय करने के लिए उन ऑडिटर्स पर भरोसा किया गया है ।

कृते जे.पी.चावला एण्ड कंपनी एलएलपी
शासपत्रित लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्याः 001875एनध एन 50025

रजत चावला
(भागीदार)
सदस्यता सं.: 510745
स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 28 दिसंबर 2021
यूआईडीएनः 2151074एएएएईएल9333

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
देयताएँ			
समेकित / पूँजीगत निधि	1	6,35,45,23,768	6,28,39,84,389
सहायता अनुदान	2	3,44,49,27,763	3,62,99,19,998
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2–ए	79,95,88,949	63,88,97,358
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	17
इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि	4	4,32,10,71,708	4,02,66,20,723
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	2,39,90,19,570	26,374,08,898
योग		17,31,91,31,775	1,72,168,31,383
परिसम्पत्तियाँ			
स्थिर परिसम्पत्तियाँ	8	1,46,84,12,962	1,60,63,98,486
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–प्रायोजित परियोजनाएँ	8–ए	45,79,80,364	20,76,01,832
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–संस्था की अतिशेष पूँजी से	8.बी	46,63,25,551	46,36,87,425
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,37,76,82,611	1,39,57,89,516
इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	41,408,71,122	3,82,37,77,898
अन्य निवेश	11	13,25,29,394	38,87,35,061
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	9,27,53,29,771	9,33,08,41,165
योग		17,31,91,31,775	17,21,68,31,383
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इस तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
एफआरएन –001875एन / एन500025

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

हस्ता
(सीए रजत चावला)
भागीदार
स.सं. 510745

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.12.2021

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
देयताएँ							
समेकित/पूँजीगत निधि	1	4,41,77,85,043	1,93,67,38,725	6,35,45,23,768	4,34,92,21,277	1,93,47,63,112	6,28,39,84,389
सहायता अनुदान	2	3,44,49,27,763	-	3,44,49,27,763	3,62,99,19,998	-	3,62,99,19,998
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2–क	79,95,88,949	-	79,95,88,949	63,88,97,358	-	63,88,97,358
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	-	17	17	-	17
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	1,00,52,99,761	3,31,57,71,947	4,32,10,71,708	98,61,11,419	3,04,05,09,304	4,02,66,20,723
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-	-		-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-	-	-	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	1,50,20,13,028	89,70,06,542	2,39,90,19,570	1,38,32,67,714	1,25,41,41,184	2,63,74,08,898
योग		**11,16,96,14,561**	**6,14,95,17,214**	**17,31,91,31,775**	**10,98,74,17,783**	**6,22,94,13,600**	**17,21,68,31,383**
परिसम्पत्तियाँ							
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–जीआईए	8	1,46,84,12,962	-	1,46,84,12,962	1,60,63,98,486	-	1,60,63,98,486
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–प्रायोजित परियोजनाएँ	8–क	45,77,78,349	2,02,015	45,79,80,364	20,73,66,145	2,35,687	20,76,01,832
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– संस्था की अतिशेष पूँजी से	8–ख	46,63,25,551	-	46,63,25,551	46,36,87,425	-	46,36,87,425
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,37,76,82,611	-	1,37,76,82,611	1,39,57,89,516	-	1,39,57,89,516
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	84,88,06,974	3,29,20,64,148	4,14,08,71,122	80,52,84,496	3,01,84,93,402	3,82,37,77,898
अन्य निवेश	11	13,25,29,394	-	13,25,29,394	38,87,35,061	-	38,87,35,061
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	6,41,80,78,720	2,85,72,51,051	9,27,53,29,771	6,12,01,56,654	3,21,06,84,511	9,33,08,41,165
योग		**11,16,96,14,561**	**6,14,95,17,214**	**17,31,91,31,775**	**10,98,74,17,783**	**6,22,94,13,600**	**17,21,68,31,383**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इस तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
एफआरएन –001875एन/एन500025

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

हस्ता
(सीए रजत चावला)
भागीदार
स.सं. 510745

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.12.2021

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
सेवाओं से आय	13	1,28,99,51,418	1,32,68,78,146
अनुदान/इमदाद	14	5,39,16,939	7,22,54,620
शुल्क/अंशदान	15	82,52,26,015	1,13,45,21,037
परियोजनाओं से आय	16	93,14,78,584	94,50,82,064
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	2,66,222	9,38,345
अर्जित ब्याज	18	27,07,66,059	27,61,21,981
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	14,22,456	19,01,306
विविध आय	20	31,57,12,437	31,78,61,755
योग (क)		**3,68,87,40,130**	**4,07,55,59,254**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	84,12,46,942	92,17,71,902
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	48,21,12,120	60,22,28,832
परियोजनाओं पर व्यय	23	80,92,92,875	69,34,18,172
सेवाओं पर व्यय	23	1,14,10,86,788	1,14,97,22,105
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास–जीआईए से	22	17,95,81,007	19,01,36,872
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास–अधिशेष से	22	9,23,31,025	6,98,89,735
योग (ख)		**3,54,56,50,757**	**3,62,71,67,618**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		**14,30,89,373**	**44,83,91,636**
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		3,44,41,337	3,85,35,087
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		**10,86,48,036**	**40,98,56,549**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इस तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
एफआरएन –001875एन/एन500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.12.2021

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

हस्ता
(सीए रजत चावला)
भागीदार
स.सं. 510745

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
आय							
सेवाओं से आय	13	1,28,99,51,418	-	1,28,99,51,418	1,32,68,78,146	-	1,32,68,78,146
अनुदान/इमदाद	14	5,39,16,939	-	5,39,16,939	7,22,54,620	-	7,22,54,620
शुल्क/अंशदान	15	82,52,26,015	-	82,52,26,015	1,13,45,21,037	-	1,13,45,21,037
परियोजनाओं से आय	16	93,14,78,584	-	93,14,78,584	94,50,82,064	-	94,50,82,064
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	2,66,222	-	2,66,222	9,38,345	-	9,38,345
अर्जित ब्याज	18	26,78,80,945	28,85,114	27,07,66,059	27,30,39,348	30,82,633	27,61,21,981
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	14,22,456	-	14,22,456	19,01,306	-	19,01,306
विविध आय	20	31,54,38,552	2,73,885	31,57,12,437	31,76,68,125	1,93,630	31,78,61,755
योग (क)		**3,68,55,81,131**	**31,58,999**	**3,68,87,40,130**	**4,07,22,82,991**	**32,76,263**	**4,07,55,59,254**
व्यय							
स्थापना व्यय	21	84,05,29,591	7,17,351	84,12,46,942	92,10,83,117	6,88,785	92,17,71,902
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	48,16,79,757	4,32,363	48,21,12,120	59,96,44,010	25,84,822	60,22,28,832
परियोजनाओं पर व्यय	23	80,92,59,203	33,672	80,92,92,875	69,33,77,826	40,346	69,34,18,172
सेवाओं पर व्यय	23	1,14,10,86,788	-	1,14,10,86,788	1,14,97,22,105	-	1,14,97,22,105
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास - जीआईए से	22	17,95,81,007	-	17,95,81,007	19,01,36,872	-	19,01,36,872
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास - अधिशेष से	22	9,23,31,025	-	9,23,31,025	6,98,89,735	-	6,98,89,735
योग (ख)		**3,54,44,67,371**	**11,83,386**	**3,54,56,50,757**	**3,62,38,53,665**	**33,13,953**	**3,62,71,67,618**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क–ख)		**14,11,13,760**	**19,75,613**	**14,30,89,373**	**44,84,29,326**	**(37,690)**	**44,83,91,636**
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		3,44,41,337	-	3,44,41,337	3,85,35,087	-	3,85,35,087
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/ पूँजीगत निधि में ले जाया गया		**10,66,72,423**	**19,75,613**	**10,86,48,036**	**40,98,94,239**	**(37,690)**	**40,98,56,549**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इस तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
एफआरएन –001875एन/एन500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.12.2021

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

हस्ता
(सीए रजत चावला)
भागीदार
स.सं. 510745

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 1 – समेकित/पूँजीगत निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय तथा व्यय समायोजन खाता		
वर्ष के आरम्भ में शेष	6,13,29,86,389	5,77,34,06,897
घटाइए : मुख्यालय का अंश केन्द्रों और अन्य जारी	–	(3,26,44,723)
घटाइए : दिल्ली केन्द्र के लिए, भवन निधि को अन्तरित	–	–
घटाइए: चिहनित निधियों में स्थानांतरित (पुरस्कार एससी/एसटी स्टाफ कल्याण इत्यादि)	–	–
जोडिए/घटाइए : अन्य पूर्व अवधि समायोजन	(2,75,37,489)	13,360
घटाइए : उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	(70,45,135)	(1,270,575)
जोडिए/घटाइए : संचित बचतों का उपयोग	(35,26,033)	(5,67,83,532)
जोड़िए/घटाइए: जीआई, से/केन्द्र से स्थानांतरित निधि	–	40,408,413
जोड़िए: व्यय/(आय) से अधिक आय/(व्यय)	10,86,48,036	40,98,56,549
योग क	**6,20,35,25,768**	**6,13,29,86,389**
नाइलिट योजना के अतिशेष से जारी अथ शेष योग ख	**15,09,98,000**	**15,09,98,000**
वर्ष के अन्त में शेष योग क+ख	**6,35,45,23,768**	**6,28,39,84,389**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 2 – सहायता अनुदान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
मुख्य कार्यकलापों के लिए सहायता अनुदान –क बजटीय स्रोत		
केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान		
अथ शेष	1,777,010,834	1,866,710,976
जोड़िए: ब्याज पूँजीकृत	-	649,000
जोड़िए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय से प्राप्त योजनागत अनुदान/ केन्दों से प्राप्त	9,465,440	176,292,452
जोड़िए/घटाइए: नए केन्द्रों के लिए योजनागत अनुदान	-	-
घटाइए: मुख्यालय को लौटाई गई राशि।	(1,394,316)	(26,400,000)
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधियों (योजना)	13,898,101	30,728,113
घटाइए: आवर्ती व्यय के लिए राजस्व को अन्तरित	(22,302,495)	(9,172,635)
जोड़िए/घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त/पुंजीकृत	(6,576,832)	(76,101,338)
जोड़िए/घटाइए: समायोजन	32,094,796	(1,012,649)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस किया गया	(165,232,055)	(184,683,085)
31.03.2021 को इति शेष	**1,636,963,473**	**1,777,010,834**
नाइलिट केन्द्रों के इंट्रानेट की स्थापना	-	-
जोड़िए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय से प्राप्त	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान ब्याज	-	-
घटाइए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी को वापसी	-	-
घटाइए: केन्द्रों को वितरित निधि	-	-
31.03.2021 को इति शेष	**-**	**-**
सहायता अनुदान (विस्तार केन्द्र)		
अथ शेष	1,64,80,46,336	1,16,76,95,668
वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्त योजनागत अनुदान	42,71,349	57,51,05,000
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत अनुदान	1,28,00,000	-
जोड़िए: अर्जित ब्याज/अन्य स्रोतों से आय	88,76,825	66,30,108
जोड़िए: पाठ्यक्रमों से आय	-	-
घटाइए: आस्थगित राजस्व व्यय वापस लाया गया	(11,85,278)	(1,1,75,986)
घटाइए: मुख्यालय को लौटाई गई	(84,50,000)	(4,11,93,414)
घटाइए: पूर्व अवधि समायोजन	(61,87,736)	-
घटाइए: आवर्ती व्यय/गैर–योजना को अंतरित जीआईए	(29,66,690)	(3,99,04,544)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस किया गया	(4,52,58,687)	(1,91,10,496)
31.03.2021 को इति शेष	**1,60,99,46,119**	**1,64,80,46,336**
भवन के लिए सहायता अनुदान–अथ शेष	19,24,86,047	16,42,63,028
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(81,63,673)	(85,54,462)
जोडे: अर्जित ब्याज/अन्य स्रोतों से आय	55,611	-
जोड़िए वर्ष के दौरान प्राप्त	-	3,67,77,481
31.03.2021 को इति शेष	**18,43,77,985**	**19,24,86,047**
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से पट्टा किराया के लिए अनुदान	-	-
अथ शेष	-	-
31.03.2021 को इति शेष	**-**	**-**
राज्य सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	-	-
वर्ष के दौरान उपयोग	1,22,86,780	91,96,627
जोड़िए: निधियां/पूंजीकृत ब्याज	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	25,60,000	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(12,96,595)	30,90,153
31.03.2021 को इति शेष	**1,35,50,185**	**1,22,86,780**
अन्य से प्राप्त सहायता अनुदान		
अथ शेष	90,001	90,001
	-	
31.03.2021 को इति शेष	**90,001**	**90,001**
वर्ष के अंत में शेष	3,44,49,27,763	3,62,99,19,998

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 2 ए– अनुदान सहायता (बी) प्रोयोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
जीआईए–प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त (ख)		
डोनर परियोजना		
अथ शेष	**13,83,280**	**26,87,893**
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	4,75,96,000
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	13,526
घटाइए: ब्याज वापसी	-	-
घटाइए: धन उपयोग/वापसी	(92,618)	(4,88,39,176)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(114,105)	(74,963)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (क)	**11,76,557**	**13,83,280**
एमइआईटीवाई एवं केन्द्र सरकार की परियोजनाएँ	**-**	**-**
अथ शेष	63,29,97,844	56,36,34,800
जोड़िए: परियोजना के लिए प्राप्त निधि	75,80,76,303	1,15,60,14,013
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत निधियों (समायोजन)	(8,27,862)	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान अर्जित–उपचित ब्याज	2,12,51,884	2,46,63,757
अन्य परिवर्धन फीस/अग्रिम/पूंजीकृत आदि	93,14,742	43,267,100
घटाइए: उपयोग की गई/वितरित/वापस की गई निधियाँ	(60,51,20,711)	(1,12,13,40,600)
घटाइए: परियोजना आय को अंतरित व्यय	32,16,775	(1,05,30,686)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(2,48,74,247)	(2,27,10,540)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ख)	**79,40,34,728**	**63,29,97,844**
अन्य परियोजनाएँ		
अथ शेष	**2,720,282**	**32,61,058**
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त/अन्तरित निधि	-	-
घटाइए: आवर्ती एवं पूँजीगत व्यय/वापसी	(2,258)	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(135,804)	(5,40,776)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ग)	**2,582,220**	**27,20,282**
(राज्य सरकार की परियोजनाएँ)		
अथ शेष	1,795,952	19,91,925
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधि	12,160,744	1,70,43,913
जोड़िए: वर्ष के दौरान निवेश से ब्याज/आय	-	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	-	-
घटाइए: आवर्ती व्यय/प्रयुक्त निधि को अंतरित	(12,161,252)	(1,72,39,886)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (घ)	**1,795,444**	**17,95,952**
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	**-**	**-**
अथ शेष	-	52,72,76,622
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
केन्द्रों को अंतरित	-	-
जोड़िए: परियोजनाओं से आय	-	-
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: पूँजीगत/आवर्ती व्यय	-	-
घटाइए: एपीआर खाते को अन्तरित (अलग खाता रखे जाने के कारण)	-	(52,72,76,622)
31.03.2021 को वर्ष के अन्त में शेष (ड़)	-	-
योग (क+ख+ग+घ+ड़)	**79,95,88,949**	**63,88,97,358**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 3 – आरक्षित तथा अधिशेष

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूँजीगत आरक्षित निधि*	17	17
सामान्य आरक्षण	–	–
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार अधिशेष/(कमी)	–	–
योग	**17**	**17**

*निःशुल्क रूप में प्राप्त परिसम्पत्तियों के संबंध में

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 4 : इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. निधियों का अथ शेष		
भवन निधि	**53,85,27,804**	**50,99,76,065**
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,58,06,400	2,85,51,739
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : भवन रखरखाव निधि में राशि हस्तांतरित	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**56,43,34,204**	**53,85,27,804**
पाठ्यसामग्री विकास निधि	28,42,634	26,58,711
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	1,78,834	1,83,923
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**30,21,468**	**28,42,634**
अ.जा./अ.ज.जा, विकलांग एवं महिला छात्रवृत्ति निधि	(70,75,379)	(16,95,379)
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रयुक्त निधियाँ / अदायगी	(28,27,000)	(53,80,000)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**(99,02,379)**	**(70,75,379)**
पुरस्कार निधि	48,86,317	45,74,096
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,04,398	3,12,221
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान / प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**51,90,715**	**48,86,317**
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	5,81,13,818	5,43,09,037
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	35,17,897	38,04,781
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान / प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**6,16,31,715**	**5,81,13,818**
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों के पाठ्यविषय का विकास	54,88,207	60,99,687
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,09,956	438,214
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान उपयोग निधियाँ	-	(10,49,694)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**57,98,163**	**54,88,207**
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं पुनः प्रभिक्षण	42,947,830	4,17,71,976
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	27,26,853	33,44,626
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रयुक्त निधियाँ	-	(21,68,772)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**4,56,74,683**	**4,29,47,830**
उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	8,70,59,705	4,07,94,332
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	1,08,60,991	4,50,35,038
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	9,75,970	10,58,729
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	1,71,606
घटाइए : प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**9,88,96,666**	**8,70,59,705**
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि	5,275,103	50,91,919
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	316,631	3,57,027
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान उपयोग निधियाँ		(1,73,843)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**5,591,734**	**52,75,103**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 4 : इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि

जारी.....

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
दिल्ली / कालीकट केन्द्र के लिए भवन निधि	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान धन कोष में हस्तांतरित निधियॉ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	67,74,248
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	4,11,23,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान उपयोग निधियॉ	-	(4,78,97,248)
उपलब्ध शेष निधियाँ	-	-
एनपीआर / आरजीआई निधि (ब्याज)	3,04,05,09,304	2,71,14,92,267
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,34,41,31,919	2,28,72,03,561
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: एनपीआर परियोजना खाते में अन्तरित	(2,06,88,69,276)	(1,95,81,86,524)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**3,31,57,71,947**	**3,04,05,09,304**
स्टाफ कल्याण निधि	49,27,114	46,14,893
जोड़िए : अधिशेष से ब्याज	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,04,398	3,12,221
उपलब्ध शेष निधियाँ	**52,31,512**	**49,27,114**
भवन रखरखाव निधि	23,28,69,858	25,87,44,287
जोड़िए : भवन निधि से हस्तांतरित राशि	-	-
घटाइए: मूल्यह्रास प्रभारित	(2,32,86,986)	(2,58,74,429)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**20,95,82,872**	**2,32,869,858**
एनइएफडी निधि	1,02,48,408	1,02,48,408
जोड़िए : अतिरिक्त अधिशेष	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त व्याज	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**1,02,48,408**	**1,02,48,408**
वर्ष के अंत में कुल शेष	**4,32,10,71,708**	**4,02,66,20,723**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 5 : सुरक्षित ऋण तथा उधारियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
बैंक से सावधि ऋण (वाहन को दृष्टिबंधक रखने पर सुरक्षित)	-	-
अनुसूचित बैंक से नकद उधार	-	-
अनुसूचित बैंकों से नकद उधार पर उपचित ब्याज एवं देय	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
निवेश के एवज में अनुसूचित बैंकों से सुरक्षित ऋण	-	-
योग	**-**	**-**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 6 : असुरक्षित ऋण तथा उधारियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से ऋण	**-**	**-**
राज्य सरकार से ऋण	-	-
अन्यों से ऋण	-	-
मांग नकद उधार	-	-
ऋण पर उपचित ब्याज एवं देय	-	-
योग	**-**	**-**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 7 : वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
ए) वर्तमान देनदारियां		
1 फुटकर लेनदार		
कम्प्यूटर तथा उपकरण	58,36,500	84,59,201
आपूर्तिकर्ता	7,26,54,554	2,07,69,564
सेवाएँ/अन्य	16,19,67,793	20,18,39,937
2. प्राप्त सुरक्षा जमा राशि		
आपूर्तिकर्ता एवं अन्य	11,94,70,991	8,79,76,358
बयाना राशि/प्रतिधारण राशि	45,53,20,247	2,57,83,631
जमानती राशि/पुस्तकालय सुरक्षा	3,27,30,255	3,03,59,838
प्रतिधारण राशि दण्ड	-	43,19,36,380
3. प्राप्त अग्रिम		
विद्यार्थियों से	11,47,60,607	8,06,86,199
अन्यों से	9,26,26,499	11,43,42,105
आरजीआई से	23,02,78,348	52,72,76,622
जम्मू तथा कश्मीर के स्कूली भिक्षा विभाग से	-	-
नाइलिट योजना से	7,86,297	20,311
4. व्यय की देयताएँ	-	-
उपचित ब्याज–सरकारी ऋण	-	-
उपचित ब्याज–वित्तीय संस्थान	-	-
उपचित ब्याज–अन्य	-	-
देयताएँ–एलआरयूआर (एनपीआर)	15,97,93,384	15,97,93,384
देयताएँ –अन्य व्यय	10,10,31,959	11,92,07,883
5. कर्मचारियों को देय वेतन, मजदूरी तथा अन्य दावे		
देय वेतन तथा मजदूरी	3,78,77,225	3,62,53,518
अदत्त वेतन तथा मजदूरी	62,62,621	32,41,451
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	71,17,359	96,47,544
अनुबंध पर कर्मचारियों के वेतन तथा मजदूरी	1,49,23,799	1,08,12,011
6. निधियों में अंशदान		
कर्मचारियों का अनिवार्य अंशदान–(सीपीएफ/ईपीएफ)	61,96,354	46,90,216
कर्मचारियों का स्वैच्छिक अंशदान–सीपीएफ	2,85,071	2,58,551
अनुबंध पर कर्मचारियों का अंशदान–सीपीएएफ/ईपीएफ	(7,19,747)	-
संस्था का अंशदान–सीपीएफ/ईपीएफ	23,57,081	25,48,218
ऋण की वसूली	5,770	8,000

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

जारी.....अनुसूची 7

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
7. वेतन से वसूलियाँ जिनका प्रेषण शेष है	-	-
वेतन पर आयकर	57,16,230	56,22,802
जीवन/सामूहिक बीमा प्रीमियम	1,70,686	86,433
रोजगार/व्यावसायिक कर	46,565	1,60,089
प्रतिनियुक्ति पर गए व्यक्तियों से वसूली	-	425
वेतन से अन्य वसूलियाँ	40,40,746	12,25,228
सामूहिक बीमा	5,548	5,231
8. अन्य देयताएँ		
ठेकेदारो/पेशेवरों/किराए से काटा गया आयकर	49,31,250	28,95,884
देय परीक्षा व्यय–ओ/ए/बी/सी	34,96,050	33,83,218
प्रत्यायन व्यय देय	1,654	12,688
परीक्षा व्यय देय – सीसीसी/बीसीसी	8,15,672	14,87,731
चेक जारी/फटे–पुराने चेक	33,21,233	29,48,019
वापसी योग्य परीक्षा शुल्क	3,57,429	4,16,628
अन्य देय व्यय	9,19,70,953	9,05,99,329
लेखा–परीक्षक को देय राशि	5,40,826	8,61,713
वेतन पर टीडीएस	11,572,370	28,48,135
जीएसटी देय	58,045,152	94,876,260
केन्द्रीय बिक्री कर एवं वैट/सेवा कर/अन्य कर	722,459	6,09,575
केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयो/एनपीआर परियोजना आदि	14,027,263	1,40,46,398
ईएसडीएम के लिए देय व्यय	-	-
चण्डीगढ़ केन्द्र दिल्ली जनशक्ति	11,199,089	-
विस्तार केन्द्र की देयताएँ एवं प्रावधान	-	-
सामग्री विकास के लिए पेशगी/सीसीसी/बीसीसीसी/सीसीसी	-	-
योग (क)	**1,83,25,44,142**	**2,09,79,96,708**
(ख) प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
बोनस के लिए प्रावधान	-	6,908
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए प्रावधान	-	97,57,780
व्यय और अन्य के लिए प्रावधान	-	-
छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान	26,62,42,420	25,22,63,628
उपदान के लिए प्रावधान	30,02,33,008	27,73,83,874
घटाइए: एलआईसी सामूहिक उपदान योजना द्वारा वित्तपोषित	-	-
योग (ख)	**56,64,75,428**	**53,94,12,190**
योग (क) + (ख)	**2,39,90,19,570**	**2,63,74,08,898**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8 – स्थायी परिसम्पत्तियों के विवरण

(राशि रुपए में)

विवरण		सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुध्द मालियत	
	मूल्यह्रास दर	वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.16 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्य	वर्ष के आरम्भ मे	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		4	-	-	4	-	-	-	-	4	4
ख) पट्टाकृत		42,000	-	-	42,000	-	-	-	-	42,000	42,000
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	1,47,32,23,314	95,32,324	(37,62,482)	1,47,89,93,156	57,09,22,509	9,93,76,115	-	67,02,98,624	80,86,94,532	90,23,00,805
ख) पट्टाकृत		29,44,37,953	-	-	29,44,37,953	10,07,74,705	1,91,69,550	-	11,99,44,255	17,44,93,698	19,36,63,248
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	49,69,39,678	11,85,056	-	49,81,24,734	17,40,61,130	2,41,39,709	(12,93,917)	19,69,06,922	30,12,17,812	32,28,78,548
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपकरण	15%	8,53,64,566	20,499	(4,660)	8,53,80,405	7,54,35,710	14,90,834	-	76,92,6,544	84,53,861	99,28,856
4. वाहन	15%	1,23,24,064	-	-	1,23,24,064	95,24,572	4,19,922	(4,443)	99,40,051	23,84,013	27,99,492
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	14,33,11,300	43,18,765	(20,91,660)	14,55,38,405	8,40,47,657	62,44,049	(10,35,646)	8,92,56,060	5,62,82,345	5,92,63,643
6. कार्यालय उपकरण	15%	14,23,63,861	14,03,324	(2,670)	14,37,64,515	8,68,03,967	84,77,672	(400)	9,52,81,239	4,84,83,276	55,559,894
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफेरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	43,92,91,426	2,68,79,489	(5,841)	46,61,65,074	41,29,96,844	1,59,60,576	(2,336)	42,89,55,084	3,72,10,267	2,62,94,582
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	6,18,58,625	9,22,612	-	6,27,81,237	3,86,56,841	26,11,893	-	4,12,68,734	2,15,12,503	2,32,01,784
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	4,65,98,131	3,00,943	(500)	4,68,98,574	4,63,33,221	1,66,154	(500)	4,64,98,875	3,99,699	2,64,910
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	50,71,642	-	-	50,71,642	40,39,738	1,03,191	-	41,42,929	9,28,713	10,31,904
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यंत्र	10%	72,24,182	-	(2,27,998)	69,96,184	59,28,491	1,94,354	(1,40,454)	59,82,391	10,13,793	12,95,691
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	4,98,42,214	6,50,309	-	5,04,92,523	4,29,89,404	10,76,694	-	4,40,66,098	64,26,425	68,52,810
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	29,45,381	-	-	29,45,381	19,25,068	1,50,294	-	20,75,362	8,70,019	10,20,313
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	40%	72,534	-	-	72,534	72,533	-	-	72,533	1	1
योग		**3,26,09,10,876**	**4,52,13,321**	**(60,95,811)**	**3,30,00,28,386**	**1,65,45,12,390**	**17,95,81,007**	**(24,77,696)**	**1,83,16,15,701**	**1,46,84,12,962**	**1,60,63,98,486**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8 ए – स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण (प्रायोजित परियोजनाएँ)

(राशि रुपए में)

विवरण		सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुद्ध मालियत	
	मूल्यह्रास दर	वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.16 को	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्य	वर्ष के आरम्भ मे	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		5	–	–	5	–	–	–	–	5	5
ख) पट्टाकृत		1,01,177	–	–	1,01,177	–	–	–	–	1,01,177	1,01,177
2. भवन		–	–	–		–	–	–			–
क) फ्री होल्ड	10%	4,94,17,022	27,21,87,627	–	32,16,04,649	30,37,358	2,65,29,343	–	2,95,66,701	29,20,37,948	4,63,79,664
ख) पट्टाकृत		–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	58,45,930	1,73,818	–	60,19,748	41,89,833	1,82,992	–	43,72,825	16,46,923	16,56,097
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	15%	96,58,225	19,42,237	–	1,16,00,462	58,72,852	7,13,473	–	65,86,325	50,14,137	37,85,373
4. वाहन	15%	18,04,093	–	–	18,04,093	10,28,996	1,16,264	–	11,45,260	6,58,833	7,75,097
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	4,40,84,263	1,00,30,585	67,122	5,41,81,970	1,50,37,663	35,66,934	12,461	1,86,17,058	3,55,64,912	2,90,46,600
6. कार्यालय उपकरण	15%	6,70,29,597	1,35,16,418	68,220	8,06,14,235	2,80,40,838	73,10,867	33,717	3,53,85,422	4,52,28,813	3,89,88,759
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफेरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	18,54,17,592	4,26,29,137	1,61,913	22,82,08,642	15,36,29,625	2,28,41,392	1,47,924	17,66,18,941	5,15,89,701	3,17,87,967
8. विद्युत संस्थापन	15%	70,02,913	10,32,575	–	80,35,488	40,76,792	5,11,540	–	45,88,332	34,47,156	29,26,121
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	71,80,506	5,97,071	–	77,77,577	67,17,887	2,27,940	(28,775)	69,17,052	8,60,525	4,62,619
10.टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
11.इंटरनेट सम्पर्क	15%	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
12.वातानुकूलन यंत्र	10%	3,66,951	–	–	3,66,951	1,85,621	28,461	–	2,14,082	1,52,869	1,81,330
13.प्रयोगशाला उपकरण	15%	5,22,10,812	24,19,159	–	5,46,29,971	2,93,67,672	36,07,907	–	3,29,75,579	2,16,54,392	2,28,43,140
14.अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	40,290	–	–	40,290	13,263	4,054	–	17,317	22,973	27,027
15. यूएनडीपी उपस्कर	15%	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
16.सडक एवं पुलिया		–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
योग		43,01,59,376	34,45,28,627	2,97,255	77,49,85,258	25,11,98,400	6,56,41,167	1,65,327	31,70,04,894	45,79,80,364	17,89,60,976

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8 ख – स्थायी परिसम्पत्तियों का विवरण अधिशेष निधि से बनाया गया

(राशि रुपए में)

विवरण		सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
	मुल्यह्रास दर	वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.2020 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत / मुल्याकंन	वर्ष के आरम्भ मे	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान दौरान समायोजन / कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		21,62,860	-	-	21,62,860	-	-	-	-	21,62,860	21,62,860
ख) पट्टाकृत		1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	6,00,80,851	1,21,82,719	(5,00,000)	7,17,63,570	1,43,03,089	53,20,181	(25,000)	1,95,98,270	5,21,65,300	4,57,77,762
ख) पट्टाकृत		32,03,63,241	-	(21,34,033)	31,82,29,208	8,74,93,383	2,32,86,986	(19,80,831)	10,87,99,538	20,94,29,670	23,28,69,858
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर		36,20,947	-	-	36,20,947	31,04,405	51,654	-	31,56,059	4,64,888	5,16,542
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	1,93,15,591	-	-	1,93,15,591	60,53,983	13,26,705	-	73,80,688	1,19,34,903	1,32,61,608
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपकरण	15%	1,38,65,513	1,02,62,090	-	2,41,27,603	68,50,641	18,71,123	-	87,21,764	1,54,05,839	70,14,872
4. वाहन	15%	86,17,184	2,308	-	86,19,492	34,07,335	7,81,822	-	41,89,157	44,30,335	52,09,849
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	6,49,10,156	46,40,224	(58,460)	6,94,91,920	2,58,67,435	41,50,871	(8,025)	3,00,10,281	3,94,81,639	3,90,42,721
6. कार्यालय उपकरण	15%	3,61,17,490	23,97,984	(59,395)	3,84,56,079	1,88,82,646	28,31,391	(8,593)	2,17,05,444	1,67,50,635	1,72,34,844
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	24,43,56,844	2,89,56,883	(17,68,486)	27,15,45,241	16,36,58,061	4,25,77,886	-	20,62,35,947	6,53,09,294	8,06,98,783
8. विद्युत संस्थापन	15%	55,06,654	13,29,044	-	68,35,698	33,11,925	3,41,429	-	36,53,354	31,82,344	21,94,729
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	1,09,95,359	1,52,071	-	1,11,47,430	75,48,972	13,98,384	-	89,47,356	22,00,074	34,46,387
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	9,63,642	-	-	9,63,642	6,11,697	76,029	-	6,87,726	2,75,916	3,51,945
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यंत्र	10%	39,77,359	4,30,800	(29,082)	43,79,077	19,62,858	3,34,485	-	22,97,343	20,81,734	20,14,501
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	3,34,88,297	17,04,573	(32,028)	3,51,60,842	91,23,078	38,48,134	-	1,29,71,212	2,21,89,630	2,43,65,219
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	15%	59,37,332	68,33,000	(7,111)	1,27,63,221	21,74,076	41,33,945	(2,745)	63,05,276	64,57,945	37,63,256
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	40%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
					-						
योग		84,66,81,865	6,88,91,696	(45,88,595)	91,09,84,966	35,43,53,584	9,23,31,025	(20,25,194)	44,46,59,415	46,63,25,551	49,23,28,281

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 9 : निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		
i) कार्यालय, छात्रावास एवं आवासीय भवनों का निर्माण	54,64,71,482	64,91,80,056
ii) सिविल परामर्श सेवा	36,85,44,089	28,50,36,357
iii) आनुषंगिक व्यय	-	-
iv) दिल्ली केन्द्र के लिए भवन का निर्माण	46,26,67,040	46,15,73,103
योग (ख)	**1,37,76,82,611**	**1,39,57,89,516**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 10 : इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधियों से निवेश

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
अन्य (राष्ट्रीयकृत बैंकों में सावधि जमा)	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	3,29,20,64,148	3,01,84,93,402
भवन निधि–मुख्यालय	45,97,34,516	43,20,41,209
भवन निधि दिल्ली केन्द्र–	3,23,26,329	3,04,48,880
पाठयसामग्री विकास निधि	30,66,952	28,81,109
अ.जा/अ.ज.जा, शारीरिक रूप से विकलांग तथा महिला छात्रवृत्ति निधि	-	-
पुरस्कार निधि	52,20,344	49,04,015
कर्मचारी कल्याण निधि	52,20,343	49,04,014
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	6,06,04,645	5,85,96,322
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रम के पाठ्यविषय के विकास	57,19,305	50,00,000
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं पुनः प्रशिक्षण	4,85,45,114	4,92,38,739
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि	56,47,561	52,89,704
ग्रेज्यूटी और छुट्टी नकदीकरण निधि	22,27,21,865	21,19,80,504
योग	**4,14,08,71,122**	**3,82,37,77,898**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 11 : निवेश – अन्य

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
सामूहिक उपदान (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	13,25,29,394	13,87,35,061
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
सहायक कम्पनियाँ तथा संयुक्त उद्यम	-	-
अन्य एफडीआर	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	-	-
पंचायती राज एफडीआर	-	-
ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम एफडीआर	-	-
आरएण्डएम, आईटी कुशलता तथा आईटीईएस–बीपीओ एफडीआर	-	-
एनईआर में आईईसीटी का प्रशिक्षण एफडीआर	-	-
एसएफआईएओ–एफडीआर	-	-
ईएसडीएम क्षेत्र में कुशलता विकास चरण–2 एफडीआर	-	25,00,00,000
रांची केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
श्रीकाकूलम केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
राइलिट अजमेर की स्थापना एफडीआर	-	-
योग	**13,25,29,394**	**38,87,35,061**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 12 : वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
1. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
फुटकर देनदार – आपूर्तिकर्ताओं के लिए	2,33,80,078	1,36,15,482
फुटकर देनदार – सेवाओं के लिए	39,31,53,401	34,85,19,243
फुटकर देनदार – स्मार्ट क्लासरुम परियोजना (ज. व क.)/अन्य	3,26,98,712	10,02,48,670
फुटकर देनदार – केन्द्र	(2,27,14,912)	20,50,670
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(4,52,87,143)	(4,55,78,359)
फुटकर देनदार – आरजीआई	68,92,08,907	98,62,07,181
2. पास में स्टॉक (लेखन–सामग्री एवं प्रकाशन)	**20,64,426**	**21,75,619**
3. पास में नकद शेष		
पास में नकदी (परियोजना सहित)	13,153	59,478
पास में अग्रदाय राशि	13,120	23,587
पास में स्टाम्प	174	-
मार्गस्थ चेक/डीडी प्रेषण	4,93,270	2,20,340
पास में चेक/डीडी	4,69,812	-
4. बैंक में शेष		
चालू खाता	21,89,72,777	53,80,38,565
बचत खाता	1,26,72,88,474	1,25,22,44,274
अल्पावधि जमा	2,49,80,20,199	2,14,26,94,419
दीर्घावधि जमा	28,54,69,907	2,25,27,23,296
सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	1,82,25,698
जमा राशि पर अर्जित ब्याज	18,51,41,073	6,50,70,749
दीर्घावधि जमा (ईएमडी)	38,91,847	10,000
इयरमार्क्ड निवेश पर अर्जित ब्याज	92,18,162	16,56,68,294
सहायता अनुदान निधि पर अर्जित ब्याज	-	64,71,900
5. अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	-	-
जीएसटी इनपुट क्रेडिट	6,63,47,015	5,63,53,563
एमइआइइटीवाई से प्राप्य अ.जा./अ.ज.जा फीस कंसेशन और अन्य	-	1,08,47,811
डिजीधन/अन्य प्रियोजनाओं के लिए एमइआइटीवाई से प्राप्य राशि	11,90,30,414	16,44,42,385
	5,26,664	5,26,664
शुल्क–आय वसूली योग्य	11,84,54,239	26,29,72,405
योग (क)	**8,36,58,53,769**	**8,34,38,31,934**
ख. ऋण, पेशगियाँ आदि	-	-
1. ऋण	-	-
कर्मचारियों को भवन निर्माण ऋण	4,68,600	8,80,855
कर्मचारियों को मोटर कार/स्कूटर ऋण	-	-
कर्मचारियों को अन्य ऋण	-	-
बाहरी संस्थानों को ऋण	-	-
ऋण पर उपचित ब्याज	3,18,362	2,71,251
सीपीएफ निधि को अग्रिम भुगतान	-	-

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

जारी.....अनुसूची 12.....

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. बसूली योग्य पेशगियाँ		
जमा कार्यों के लिए पेशगियाँ	17,91,45,065	22,45,19,279
अन्य स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए पेशगियाँ	18,000	21,060
आपूर्तिकर्ताओं को पेशगियाँ	14,98,23,880	65,44,264
अन्य को पेशगियाँ–बाहरी	5,89,85,848	19,67,57,837
घटाइए : अन्यों के लिए प्रावधान	-	-
कर्मचारियों को त्यौहार पेशगी	-	-
यात्रा पेशगी	20,600	49,000
कर्मचारियों को अन्य पेशगियाँ	8,72,695	3,84,706
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–ओ/ए/बी/सी स्तर	-	60,21,037
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बायो/सीसीसी	1,24,712	1,24,712
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बीयूडीए	1,02,357	1,02,357
व्यय के लिए अस्थायी पेशगियाँ	2,94,255	5,36,335
कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	2,17,236	43,02,765
पार्टियों/केन्द्रों से वसूली योग्य राशि	11,90,29,720	3,75,42,229
स्रोत पर काटा गया आयकर	27,06,53,839	43,38,37,161
सेवा कर/जीएसटी	2,31,62,872	2,05,75,561
प्रीपेड खर्च/सदस्यता	15,77,081	21,60,835
सुरक्षा जमा	1,39,17,066	1,22,83,724
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को पेशगियाँ	8,97,04,784	3,91,34,039
डिजिटल लाइब्रेरी के लिए केन्द्रों को पेशगी	-	-
एसटीपीआई को प्रदत्त लीज़होल्ड किराया	-	-
सीपीएफ ट्रस्ट से वसूली योग्य	(16,877)	9,89,907
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ (पूर्वोत्तर परियोजना)	-	-
3 विविध व्यय तथा हानि	**10,55,907**	**6,102**
आस्थगित राजस्व व्यय	-	-
4. अन्तर केन्द्र लेखा		
क) आइजोल केन्द्र	3,66,967	-
ख) औरंगाबाद केन्द्र	53,65,648	5,42,53,690
ग) कालीकट केन्द्र	(30,58,714)	1
घ) चण्डीगढ़ केन्द्र	(3,44,85,046)	16,55,82,798
ङ) चेन्नई केन्द्र	(1,35,54,923)	43,560
च) गोरखपुर/लखनऊ केन्द्र	3,68,59,384	5,73,11,089
छ) गंगटोक केन्द्र	(77,299)	443
ज) इम्फाल केन्द्र	2,19,568	-
झ) श्रीनगर/जम्मू केन्द्र	6,60,292	52,78,862
ञ) कोलकाता केन्द्र	10,06,11,172	10,08,30,222
ट) कोहिमा केन्द्र	2,08,174	-
ठ) शिलांग केन्द्र	38,57,711	-
ड) अगरतला केन्द्र	76,88,989	95,02,284
ढ) गुवाहाटी/ तेजपुर केन्द्र	13,065,516	3,46,41,546
ण) ईटानगर/तेजु केन्द्र	(49,193)	(1,00,078)
त) मुख्यालय	(1,49,76,591)	(32,08,19,574)
थ) दिल्ली केन्द्र	11,03,816	-
द) पटना केन्द्र	7,54,535	-
प) राँची केन्द्र	(12,10,137)	-
फ) अजमेर केन्द्र	(14,18,077)	-
भ) शिमला केन्द्र	3,42,17,517	-
म) हरिद्वार केन्द्र	1,71,71,040	-
म) भुवनेश्वर केन्द्र	(3,098)	-
य) पाली केन्द्र	-	-
र) लखनऊ		
व) एनपीआर	(15,33,17,251)	(10,65,06,628)
योग (ख)	**90,94,76,002**	**98,70,09,231**
योग (क+ख)	**9,27,53,29,771**	**9,33,08,41,165**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 13 : सेवाओं से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परामर्श सेवाएँ / व्यावसायिक शुल्क		
परामर्श शुल्क	42,90,42,879	2,07,94,551
आईआरडीए परीक्षा	19,70,868	44,97,883
एवीएसईसी / बीसीएएस परीक्षा / ईएसडीएम	19,53,932	45,50,815
वेबसाइट अनुरक्षण / प्रयोगशाला अनुरक्षण	**26,43,590**	**2,36,304**
भर्ती परिक्षाओं का आयोजन	1,96,05,873	11,96,224
आयोजित ऑनलाइन परीक्षा फीस	12,80,243	10,37,612
कार्पोरेट प्रशिक्षण	1,54,20,380	5,03,571
कम्प्यूटर किराए पर लेना (इम्नू के लिए)	-	1,06,640
डेटा संसाधन सेवाएँ	**-**	**-**
कृषि जनगणना	-	-
पीएसईबी तथा अन्य	12,64,97,102	11,36,01,231
जनशक्ति सेवाएँ प्रदान किया जाना	**69,15,36,551**	**1,18,03,53,315**
योग	**12,89,95,148**	**1,32,68,78,146**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 14 : अनुदान/इमदाद

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुदान – एमईआईईटीवाई		
योजना–भिन्न – सामान्य	-	-
अनुदान – एमईआईईटीवाई से भिन्न	-	-
योजना से अन्तरण/आवर्ती व्यय के लिए एमईआईटीवाई से प्राप्त (विस्तार केन्द्र तथा इएसडीएम/आईसीटी/एनईसीबी परियोजना मोड के अन्तर्गत)	5,72,23,040	6,74,89,789
राज्य सरकार–मॉडल केरियर काउंसिल सेंटर	(33,06,101)	47,64,831
पट्टा किराया के लिए सहायता अनुदान का अन्तरण	-	-
योग	**5,39,16,939**	**7,22,54,620**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 : फीस/अंशदान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. दीर्घावधि पाठ्यक्रमों के आयोजन से आय		
क. औपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से संबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
बी.टेक	1,31,27,175	1,39,81,960
एम.टेक	38,25,600	1,52,37,000
बीसीए	1,43,75,714	2,41,00,390
एमसीए	77,82,830	1,01,55,745
अन्य (एमसीआरपी)/पीएचडी	93,24,255	1,69,75,921
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/मैट्रिकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/डीइपीएम	1,18,32,154	2,07,25,649
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क		
बी.टेक	3,11,020	2,84,831
एम.टेक	1,86,12,016	50,150
बीसीए	1,59,300	2,18,060
एमसीए/एमएससी आईटी	30,500	2,73,929
अन्य (पीजीडीसीए)/पीएचडी/डीईपीएम	4,32,360	4,75,361
परीक्षा शुल्क		
बी.टेक	-	-
एम.टेक	-	-
बीसीए	18,07,272	20,55,470
एमसीए	1,72,400	3,45,200
अन्य/डीईपीएम	9,04,800	8,21,011
ख. अनौपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से असंबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
ओ स्तर	3,78,65,717	8,37,57,204
ए स्तर	12,95,930	59,41,352
बी स्तर	-	22,000
सी स्तर	-	-
मैट ओ स्तर	1,54,000	12,46,540
जैव सूचना–विज्ञान	34,41,811	-
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई)		
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क	-	-
मैट ओ स्तर	2,85,03,700	54,500
जैव सूचना–विज्ञान	19,27,446	-
अन्य	12,93,925	2,61,055
परीक्षा शुल्क	-	-
मैट ओ स्तर/ओ स्तर	10,45,79,213	6,34,620
जैव सूचना–विज्ञान	51,01,875	-
अन्य	16,02,878	32,11,629

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 : फीस/अंशदान (जारी.....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. अल्पावधि पाठ्यक्रमों से आय (एक वर्ष से कम अवधि)		
क) पाठ्यक्रम शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	16,94,798	1,44,43,275
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	39,13,779	2,31,432
सीसीसी (अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	99,72,813	4,90,57,552
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	-
विशेष रूप से निर्मित अल्पावधि पाठ्यक्रम (प्रशिक्षण, आईटीईएस, टेली आदि)	7,69,98,163	10,51,07,626
ख) पंजीकरण तथा अन्य शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	**236**	**472**
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	1,593
सीसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	-	2,7,74,361
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	-
आन्तरिक पंजीकरण शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, बायो,इलेक्ट्रॉनिक व सर्किट निमार्ण आदि/एनएसक्यूएफ	16,65,940	38,39,883
ग) परीक्षा शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	5,38,400	671,400
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	22,60,916	-
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	10,14,386	2,35,029
सीसीसी प्लस/सीसीएसी	38,44,621	8,84,601
बीसीएएस/ऑनलाइन परीक्षा संसाधन शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, यूडीएके/जेयूडीए इएसडीएम/डीसीए आदि	21,80,345	42,31,603
अन्य (पीजीडीसीएए डीइटीइ एवं डीसीएसइ)	31,25,794	58,33,784
3. नाइलिट के योजनाओं से लाभ		
पूर्ण प्रत्यायन शुल्क		
अनंतिम प्रत्ययित शुल्क		
ओ स्तर	19,23,000	21,60,000
ए स्तर	30,000	-
बी स्तर	-	-
सी स्तर	-	-
अनन्तिम प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	-	20,000
सभी अनन्तिम एसीसीआर का संसाधन शुल्क	1,85,200	5,35,372
हार्डवेयर ओ स्तर	-	-
पूर्ण प्रत्यायन शुल्क		
ओ स्तर	9,65,663	5,35,876
ए स्तर	1,13,342	1,63,522
पूर्ण प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	11,10,000	8,10,000
इएसडीएम/एनएसक्यूफ	8,88,028	60,000
अन्य – एसीसीआर शुल्क		
नाम/पता में परिवर्तन सभी स्तर		
प्रत्यायन का नवीवीकरण सभी स्तर	2,21,763	2,25,000
प्रत्यायन का विलम्ब शुल्क	10,55,250	6,16,345
पाठ्यक्रम का विविधिकरण	1,11,000	66,000
आस्थगित मामले	15,000	-
सभी स्तर पर एसीसीआर जारी रखना	-	10,000
	33,35,754	9,75,839
परिवर्ती एसीसीआर–शुल्क/एसीएफ	1,87,695	5,80,559

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 : फीस/अंशदान (जारी.....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
ख पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
ओ स्तर	-	3,23,99,000
ए स्तर	-	7,60,000
बी स्तर	-	65,750
सी स्तर	-	67,500
पुनः पंजीकरण/पहचान पत्र एवं अन्य	1,35,500	4,31,312
सी) परीक्षा शुल्क		
ओ स्तर	-	18,56,76,266
ए स्तर	-	73,83,000
बी स्तर	-	8,03,250
सी स्तर	-	2,75,817
परियोजना शुल्क	-	11,38,798
रियायत शुल्क	-	2,195
पुनःयोग शुल्क व अन्य	-	3,08,675
सकल/वास्तविक शुल्क ओ/ए/बी स्तर	1,77,67,200	2,43,72,350
4. सीसीसी एवं बीसीसी कोर्स से प्राप्त आय		
क) कोर्स फीस		
बीसीसी	94,529	1,48,900
सीसीसी	2,000	431,950
ख) सुविधा प्रभार		
एसीसीआर–सीसीसी	-	6,169,500
ग) पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
बीसीसी	-	-
सीसीसी	590	-
डी) परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का भाग		
बीसीसी	9,092,178	2,871,751
सीसीसी	404,319,184	457,051,687
5. हार्डवेयर योजना से प्राप्त आय		
ए) कोर्स शुल्क		
हार्डवेयर कोर्स	-	-
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	417,353	9,820,486
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	-	77,680
बी) पंजीकरण एवं अन्य फीस		
हार्डवेयर कोर्स	-	-
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	-	-
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	-	-
सी) परीक्षा शुल्क		
हार्डवेयर कोर्स	-	-
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	-	-
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	-	-
योग	**82,52,26,015**	**1,13,45,21,037**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 16 – परियोजनाओं से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ (एमईआईटीवाई से भिन्न)		
पंचायती राज परियोजनाएँ	-	65,24,585
एनसीपीयूएल	28,50,52,864	26,56,04,067
एचपी स्कूल परियोजनाएँ	25,48,37,839	22,73,85,347
अन्य (डीओएनइआर, एसआईपीए, आरइओ मंडी–कोचिंग अ.जा./अ.ज.जा.,सामाजिक न्याय एवं सशक्तीरण)	1,53,282	34,72,660
एमइआइइटीवाई परियोजनाएँ		
ईएसडीएम परियोजनाएँ	21,71,650	16,71,022
ई–विद्या/इ–वेस्ट परियोजनाएँ	10,52,250	2,85,90,810
आईटी कुशलता/ग्रामीण जनता के लिए आईटी/बीसीसी–ई–सामावेशन	-	-
एनईआर क्षेत्र में आईईसीटी में प्रशिक्षण	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला	-	21,50,055
आईटी आईटीईएस–बीपीओ में प्रशिक्षण	-	1,29,31,317
महिलाओं का प्रशिक्षण/अल्पसंख्यक समुदाय का प्रशिक्षण	-	-
ग्रामीण भारत में महिला अधिकारिता	-	-
ई–शासन में क्षमता निर्माण/क्षमता निर्माण कूच बिहार/ईपीडीपीटी	29,468	33,02,404
साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला/साइबर सुरक्षा जागरूकता परियोजना/आईएसईए	1,71,98,411	2,69,17,860
जीवन प्रमाण परियोजना	-	-
एसएमडीपी एवं आईसीडीयू (जयराज–यूके)	5,05,83,366	-
संयुक्त परियोजना नाइलिट, सीएलटी+अमृता विश्व विद्यापीठ एवं सीएससी वीएलई (पीकेएस)	-	-
डीजीईएण्डटी–ओएमआर शीट स्कैनिंग	3,01,40,927	1,28,15,928
अनुसूचित जाति/जनजाति को प्रतिपूर्ति	1,92,86,908	51,59,790
एनबीसीएफडीसी कुशलता विकास पाठ्यक्रम	28,36,038	51,72,162
एंटीस्पैम समन्वय परियोजना	17,51,926	-
डिजीटल जागरूकता कार्यक्रम	-	1,04,873
डीजीधन मेला	-	-
अन्य (एसएफआईओ, एनडीएलएम, आईआईटी, बॉम्बे/आईसीटी परियोजना, बीएसडीएम/मॉडल कैरियर/आर्मी जवान क्लब, साइबर ग्राम योजना)	18,69,66,935	23,61,07,252
राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित		
स्मार्ट क्लासरूम	9,00,000	-
बीएडीपी के अधीन कौशन विकास	-	-
जेआइसीए परियोजना	-	-
कर्मचारी प्रशिक्षण परियोजना (ईटीपी)	-	-
अन्य	-	5,445,079
अपनी परियोजनाएँ		
लोक सेवा आयोग	780,000	2,503,000
राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम)/जीएआईएल	-	-
मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण/एनइजीडी/जीवन प्रमाण/परीक्षा क्रियाकलाप/अन्य	77,736,720	98,979,085
मूल्यह्रास वापस लाया गया	-	-
विस्तार केन्द्र से आय–पूर्वोत्तर परियोजना	-	-
एनपीआर	-	244,768
योग	931,478,584	945,082,064

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 17 – प्रकाशनों की बिक्री से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विवरण पुस्तिका की बिक्री		
ओ स्तर	1,37,790	5,10,364
ए स्तर	-	192
ओ स्तर–हार्डवेयर	-	-
बीसीए	-	22,900
एमसीए	-	7,000
अन्य (एम.टेक)/पीएचडी/डीसीएसई/डीईटीई	37,500	2,24,754
पाठ्यविवरण की बिक्री		
ओ स्तर	-	1,140
परीक्षा फार्म की बिक्री		
ओ/ए/बी/सी स्तर	19,640	-
बीसीसी/सीसीसी	-	-
अन्य वस्तुओं की बिक्री	**1,177**	**13,500**
प्रकाशनों की बिक्री–मुख्यालय/अन्य केन्द्र/हार्डवेयर पाठ्यक्रम	**70,115**	**1,58,495**
रायल्टी से आय	-	-
योग	**2,66,222**	**9,38,345**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 18 – अर्जित ब्याज

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सावधि जमा पर	**20,18,53,344**	**21,37,86,491**
बचत खातों पर	2,12,17,193	1,67,12,612
कर्मचारी ऋण पर	54,758	53,174
अन्य पर–सुरक्षा जमा/ऑटो स्वीप/ निवेश आदि	1,44,42,039	72,06,223
ईयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि/जीआईए पर	3,44,85,552	3,83,63,481
घटाइए: डोनर प्रोजेक्ट को ब्याज अंतरण (वापस किया गया)	(12,86,827)	-
योग	**27,07,66,059**	**27,61,21,981**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 19 – टाउनशिप से प्राप्तियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
किराया प्राप्तियाँ	**10,13,130**	**14,44,620**
जल प्रभार की वसूली	2,00,153	1,66,107
विद्युत प्रभार की वसूली	2,04,773	2,72,399
टाउनशिप से अन्य प्राप्तियाँ	4,400	18,180
योग	**14,22,456**	**19,01,306**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 20 – विविध प्राप्तियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विविध आय	73,96,108	1,33,02,393
कार्यशाला प्राप्ति	16,66,242	6,81,500
अतिथि गृह/छात्रावास प्राप्तियाँ	28,51,517	1,26,53,163
अन्य फुटकर प्राप्तियाँ	92,28,790	89,94,164
योग (क)	**2,11,42,657**	**3,56,31,220**
गैर प्रचालन आय		
गत वर्षों से संबंधित आय	2,07,42,039	54,93,263
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभ	1,85,128	18,926
असाधारण वस्तुओं से आय	30	34,04,496
चिन्हित निधियों के अधीन सृजित परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	2,32,86,986	2,58,74,429
अतिरिक्त प्रावधान वापस लाया गया	50,56,040	1,41,82,749
अनुदान की परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास	17,95,81,007	19,00,83,104
प्रायोजित परियोजनाओं पर मूल्यह्रास	6,55,78,720	4,30,07,528
योग (ख)	**29,44,29,950**	**28,20,64,495**
अन्तिम स्टॉक		
तैयार वस्तुओं तथा निर्माणाधीन कार्य के स्टॉक में बढ़ोतरी/कमी	1,39,830	1,66,040
भण्डार, अतिरिक्त–पुर्जे, खपत योग्य वस्तुएँ तथा संघटक–पुर्जे	-	-
योग (ग)	**1,39,830**	**1,66,040**
कुल योग (क)+(ख)+(ग)	**31, 57,12,437**	**31,78,61,755**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 21 – स्थापना व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों का पारिश्रमिक		
वेतन तथा मजदूरी	57,10,10,731	68,50,89,611
समयोपरि भत्ता/अवकाश दिवस क्षतिपूर्ति	600	10,150
बोनस/अनुग्रह राशि	-	2,29,000
प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के लिए छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	-	-
अतिथि शिक्षकों को मानदेय	1,80,373	4,42,151
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	-	-
सेवानिवृत भुगतान	-	22,62,416
2. कर्मचारियों को लाभ		
चिकित्सा प्रभार – प्रतिपूर्ति	4,29,77,911	4,40,85,228
छुट्टी यात्रा रियायत	25,50,755	22,95,517
प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत भुगतान	-	-
छुट्टी का नकदीकरण	2,52,32,380	4,28,57,599
कर्मचारियों को अन्य लाभ	31,90,663	43,71,919
सामूहिक/उपदान बीमा प्रीमियम	4,75,114	1,41,919
सीपीएफ पर ब्याज	-	-
संतान शिक्षा भत्ता/ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति	80,70,800	79,96,465
मेसिंग तथा प्रति दिन भत्ता	-	12,90,794
3. निधियों में संस्था का अंशदान		
भविष्य निधि में अंशदान	11,27,77,017	7,34,01,630
उपदान निधि में अंशदान	6,03,11,315	4,99,63,117
छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान तथा अन्य	1,34,94,222	73,34,386
परियोजना निधि को स्थानांतरित व्यय	9,75,061	-
योग	**84,12,46,942**	**92,17,71,902**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारी कल्याण व्यय		
कैन्टीन पर व्यय	40,18,399	66,69,200
अन्य कल्याणकारी व्यय	16,31,974	35,16,228
2. मुख्यालय द्वारा नाइलिट योजना के कार्यान्वयन से व्यय		
मानदेय व्यय	1,00,427	1,82,486
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	5,45,37,754	7,33,94,582
3. किराया दर एवं कर	-	-
परिसर का किराया	3,32,18,955	3,78,67,275
भवन के सेवा प्रभार	60,85,705	38,45,452
वाहन शुल्क	-	-
विद्युत एवं जल प्रभार	2,63,37,755	3,79,02 ,144
4 बीमा	-	-
कार्यालय का बीमा	12,90,452	11,36,760
वाहन बीमा	4,54,562	4,94,714
अन्य बीमा	6,83,981	5,53,448
5 मरम्मत तथा रखरखाव	-	-
उपकरण	81,82,729	46,26,388
कार्यालय एवं आवास भवन	1,82,32,288	1,85,97,434
वाहन	7,32,646	18,79,751
अन्य/स्थिर परिसम्पत्तियाँ	44,51,936	48,34,398
6. यात्रा व्यय	-	-
अन्तर्देशीय	34,97,046	1,47,21,935
विदेश	-	12,49,948
वाहन प्रभार प्रतिपूर्ति	2,88,522	6,78,150
यात्रा व्यय – अन्य	7,795	10,000
स्थानांतरण व्यय	1,71,280	44,185
7. विज्ञापन एवं प्रचार–प्रसार	-	-
टेंडर आमंत्रण	44,924	1,63,296
भर्ती	1,94,787	7,78,246
बिक्री संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार	35,66,161	1,11,41,988
प्रदर्शनी एवं मण्डप	1,69,678	1,87,050
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	4,30,873	41,344
कार्यशाला व्यय	-	6,29,113
8. कार्यालय व्यय	-	-
पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएँ	4,32,626	6,15,510
डाक एवं तार	19,04,976	48,93,148
कूरियर एवं माल भाडा	53,714	71,838

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय (जारी.....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
टेलीफोन/इंटरनेट खर्च	1,59,45,242	10,256,295
खरीदी गई पाठ सामग्रियों एवं विकास	-	-
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	35,91,806	61,72,932
वाहन चालन व्यय	12,20,142	14,85,138
आतिथेयता व्यय	2,43,580	14,68,412
कर्मचारियों की वर्दी	2,820	7,160
विधायी/व्यावसायिक/परामर्श सेवा शुल्क व्यय	31,54,225	60,89,428
जनशक्ति व्यय	10,79,19,771	1,18,999,114
9. विविध व्यय	-	-
लेखा–परीक्षा शुल्क	13,72,902	12,86,449
अन्य भूमिका में लेखा परीक्षकों को भुगतान	2,51,495	3,41,717
अनुसंधान संस्थानों/आईईईई पुस्तकालय को अंशदान/लाइसेंस प्रभार	32,600	43,935
कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	1,63,99,360	19,80,1,233
सॉफ्टवेयर विकास पर व्यय	4,09,980	14,900
सेमीनार एवं विकास पाठ्यक्रमों पर व्यय	1,36,125	12,06,303
कम्प्यूटरों का किराया	6,44,130	1,53,593
वाहन किराया	22,52,639	69,41,574
बैंक प्रभार	4,90,727	11,34,679
अतिथि गृह व्यय	4,26,363	1,99,657
अन्य फुटकर व्यय	1,45,28,231	2,07,67,175
बैठकों पर व्यय	1,84,065	19,18,401
परीक्षा व्यय/पंजीकरण शुल्क (सीएफएस, सीसीसी, डीईपीएम, एम.टेक, जैव सूचना–विज्ञान)	16,65,354	39,87,949
एफिलिएशन फीस	41,62,864	25,66,122
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	11,083	63,223
प्रत्यायन व्यय	7,37,950	-
परियोजनाओं पर व्यय का आबंटन/ परियोजनाओं से वसूल/उपरिव्यय	(4,613,375)	(69,349)
पट्टा किराया का भुगतान (सहायता अनुदान)	-	-
अशोध्य ऋण बट्टा खाता	3,636	96,32,931
हानि–बट्टे खाते डाली गई	10,907	6,12,810
आस्थगित राजस्व व्यय/विविध आस्तियां बट्टे खाते डाली गई	1,185,278	26,75,986
संघटक–पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तुएँ	807,158	16,93,967
10. ब्याज	-	-
वित्तीय संस्थानों से ऋण पर ब्याज	-	-
नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	29,933	34,494
अन्य वस्तुओं पर ब्याज (स्पष्ट करें)	83,934	5,689
11. आयकर/व्यावसायिक कर	**5,427,488**	**30,71,745**
व्यावसायिक कर	2,500	2,500
अन्य कर (स्वच्छ भारत, जीएसटी आदि)	152,142	54,99,792
12. प्रावधान	-	-
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	-	1,11,56,830

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय (जारी.....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
गत वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	3,31,02,128	1,98,32,428
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि	13,01,400	1,28,887
13. पाठ्यक्रमों के संचालन पर व्यय	-	-
दीर्घावधि पाठ्यक्रम	17,53,711	13,21,029
एम.टेक/एमसीए	1,05,775	2,97,367
सीसीसी योजना	72,27,023	1,35,53,388
बीसीसी योजना	87,121	-
अल्पावधि पाठ्यक्रम	867,02,662	9,11,46,585
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	22,09,061	23,82,555
आईटीईएस बीपीओ योजना	-	-
डीएसडब्ल्यूएस/डीडीसीएस योजना	-	-
जैव सूचना–विज्ञान पाठ्यक्रम/ईएसडीएम	28,239	36,17,798
14. बाहरी पार्टियों को प्रशिक्षण व्यय	**-**	**-**
योग	**48,21,12,120**	**60,22,28,832**
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास – सहायता अनुदान	17,95,81,007	19,01,36,872
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास– अतिशेष से	9,23,31,025	6,98,89,735

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 23 – परियोजनाओं पर व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र सरकार एमईआइटीवाई/डीएसटी/एआसीटीई/डीजी तथा इटी की परियोजनाएँ)	15,51,46,565	7,90,32,644
विस्तार केन्द्र पर व्यय	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक परियोजना के लिए केन्द्र का अंशदान	-	-
राज्य सरकार	8,23,170	1,72,93,809
अन्य परियोजनाएँ	39,09,039	45,33,153
अपनी परियोजनाएँ	58,38,01,709	54,94,97,332
परियोजनाओं की स्थिर परिसम्पत्तियों का मूल्यह्रास	6,56,12,392	4,30,61,234
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	-	-
योग (क)	**80,92,92,875**	**69,34,18,172**
सेवाओं पर व्यय (ख)	1,14,10,86,788	1,14,97,22,105
योग (क+ख)	**1,95,03,79,663**	**1,84,31,40,277**

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP
NEW DELHI
CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए केंद्र–वार अधिशेष/(घाटा) का विवरण

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केंद्र की आय	3,68,87,40,130	4,07,55,59,254
केंद्र का व्यय	3,54,56,50,757	3,62,71,67,618
अधिशेष / (घाटा)	14,30,89,373	44,83,91,636
घटाइएः एडाउनमेंट निधि में अंतरित ब्याज	3,44,41,337	3,85,35,087
सोसायटी का शुद्ध अधिशेष	10,86,48,036	40,98,56,549

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2021 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

(राशि रुपए में)

क्र.सं	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्र.सं	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
I	अथ शेष			I	व्यय:		
	क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	64,478	18,342		क)स्थापना व्यय	70,66,42,920	76,17,18,083
	ख) बैंक शेष		–		ख) प्रशासनिक व्यय	39,54,62,402	46,35,37,323
	i) चालू खाताओं में	53,80,38,565	20,79,90,237				
	ii) बचत खाताओं में	1,25,22,44,274	1,29,93,68,363				
	iii) अल्पावधि जमा में	2,07,10,63,193	2,08,47,46,595				
	iv) दीर्घावधि जमा में	2,26,92,99,243	1,97,34,54,522				
	v) दीर्घावधि जमा में–इयरमार्क्ड निधियाँ	3,01,84,93,402	2,69,29,17,203				
	vi) दीर्घावधि जमा में–सहायता अनुदान निधि	–	–				
	vii) पास में चेक/ड्राफ्ट	–	–				
	viii) एनपीआर शेष	–	–				
II	प्राप्त अनुदान			II	विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियों से किए गए भुगतान (परियोजनाओं पर व्यय)		
	क) भारत सरकार से						
	i) योजनागत	1,35,29,298	55,05,19,909		i) डोनर (आईटीईएस)	–	–
	ii) पूर्वोत्तर परियोजना के लिए योजनागत निधि	5,21,66,000	42,03,44,177				
	iii) योजना भिन्न	8,74,339	47,64,831		ii) परियोजनाओं व्यय के लिए पेशगियाँ	–	–
	iv) रिफर्बिशमेंट निधि	–	–		iii) सूचना सुरक्षा कर्मियों का प्रमाणन	–	–
	v) अपराध विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना	–	–		iv) डीआईटी/डीएसटी तथा अन्य परियोजनाओं (अपनी सहित)	5,59,53,735	1,38,42,812
	vi) केन्द्रों से अन्तरित निधि	–	–		v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएं)	–	–
	एनपीआर परियोजना	–	–		vi) राज्य सरकार की परियोजनाएं	–	–
	योजनागत निधि पर ब्याज	51,04,669	19,88,111				
	ख) राज्य सरकार से	4,383,691	1,62,23,931		पटना आरसी की स्थापना	–	–
	ग) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	–	–		केन्द्रों की जारी निधियाँ	13,526	1,16,83,95,970
	i) डोनर (आईटीईएस)	–	–		विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों की जारी निधियाँ	37,53,25,056	4,26,62,672
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान एवं कालेज के प्रमाणन के लिए)	–	–		परियोजनाओं पर व्यय	1,75,96,33,801	1,96,23,11,161
	iii) डीआईटी (सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता के लिए)	28,55,17,927	8,20,68,474		एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	–	–
	iv) डीआईटी (महिला सशक्तिकरण)	–	–		मुख्यालय को वापसी	91,38,548	1,16,47,460
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	25,60,000	–				
	vi) अन्यों से प्राप्त निधियाँ (राज्य सरकार तथा अन्य एजेंसियों)	7,45,316	–				
	vii) केन्द्रों को वितरण के लिए (योजनागत तथा योजना से भिन्न)	–	1,52,42,21,541				
	viii) विभिन्न परियोजनाओं हेतु केन्द्रों को वितरण						
	ix) ई–अधिगम	52,13,16,813	–				
	x) आभासी परीक्षण परिवेश (वीटीई) सहित सूचना सुरक्षा कुशलता विकास के लिए परीक्षण स्थल का विकास	–	–				
	xi) माईटी (पटना आरसी की स्थापना)	2,84,56,076	–				
	xii) माईटी (अनु–जा/ज–जा अनुदान)/ एससीएसपी एवं टीएसपी)	–	11,62,92,452				
	xiii) अन्य परियोजनाएँ	7,35,90,264	2,29,04,929				
	xiv) डीओएनपीआर	1,27,56,209	10,36,93,450				
		–	1,69,64,440				
III	निम्नलिखित पर निवेश से आय			III	किए गए पूंजीनिवेश तथा जमा		
	क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	58,65,00,540	54,08,90,298		क) ईयरमार्क्ड/एडाउनमेंट निधि से	671,517,857	69,96,42,676
	ख) अपनी निधियाँ (अन्य निवेश)	–	–		ख) अपनी निधियों से (निवेश–अन्य)	58,582,612	4,99,28,323
	ग) सहायता अनुदान	4,38,46,04,088	3,80,85,39,175		ग) सहायता अनुदान	4,157,143,839	4,06,28,81,633
	घ) अल्पावधि जमा	5,73,38,475	12,76,87,283		घ) अल्पावधि जमा	–	–

जारी------

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

लगातार.....

(राशि रुपए में)

क्र.सं	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्र.सं	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
IV	**प्राप्त ब्याज**						
	क) बैंक जमा राशि पर – सावधि जमा	33,11,88,141	35,47,83,676	IV	**स्थिर परिसम्पत्तियों पर व्यय तथा निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य**		
	ख) बचत खाता पर	5,92,29,652	6,67,91,440		क) स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	12,69,43,104	61,99,62,209
	ग) ऋण तथा अग्रिम आदि	4,41,04,487	11,65,18,369		ख) पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य पर व्यय	5,69,12,530	19,52,68,033
	घ) बचत खाता–एनपीआर परियोजना	12,65,90,011	12,78,73,695				
	ङ) एफडीआर पर अर्जित ब्याज	87,79,316	3,72,615				
V	आय (निर्दिष्ट करें)			V	**अतिशेष राशि/ऋण की वापसी**		
	शुल्क/अंशदान से आय	86,06,56,037	62,02,62,040		क) भारत सरकार को	–	–
	सेवाओं से आय	1,28,14,64,399	1,29,18,19,011		ख) राज्य सरकार को	–	–
	परियोजनाओं से आय	75,46,70,417	75,36,55,353				
	प्रकाशनों की बिक्री से आय	2,00,115	6,43,643		ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	98,95,051	1,48,80,499
	टाउनशिप से प्राप्तियाँ	5,07,622	16,29,979				
	विविध आय	5,27,15,814	6,43,71,767				
	जैव–सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन	–	–				
	संचित बचत निधि	–	19,66,12,531				
VI	**उधार में ली गई राशि**			VI	**वित्त प्रभार (ब्याज)**	8,523	1,307
	नाइलिट योजना से पेशगी	3,99,137	–				
	मुख्यालय से प्राप्त सॉफ्ट ऋण	46,400,000	9,77,56,003				
VII	**कोई अन्य प्राप्ति**			VII	**अन्य भुगतान**		
	क) पास में चेक/ड्राफ्ट	–	–		क) सुरक्षा जमा, काशन मनी, ईएमडी आदि	4,94,80,237	31,48,406
	ख) जमा प्राप्ति (एसडी, ईएमडी, सीएमडी आदि)	1,95,71,006	2,44,11,560		ख) ऋण तथा पेशगियाँ (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	18,16,99,336	32,13,52,243
	ग) वसूलियाँ/पेशगियों की वापसी	8,45,11,487	16,10,61,964		ग) विविध व्यय	2,60,78,414	89,83,442
	घ) सावधि जमा का नकदीकरण तथा पूँजीनिवेश से आहरण	33,42,864	3,41,44,403		घ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए, चेक	–	–
	ङ) विविध प्राप्तियाँ/प्रावधान	1,75,29,736	2,54,07,207		ङ) वेतन में कटौतियों का भुगतान	3,81,01,388	5,63,78,915
	च) फुटकर लेनदारों में वृद्धि/वर्तमान देयताएँ	15,00,46,336	40,91,97,405		च) फुटकर देनदारों/वर्तमान परिसम्पत्तियों में वृद्धि	1,72,01,855	3,58,31,147
	छ) फुटकर देनदारों में कमी	74,82,62,806	46,82,84,413		छ) फुटकर लेनदारों में कमी	26,15,58,103	20,63,25,084
	ज) अन्तर केन्द्र खाता	3,11,33,77,704	2,68,10,39,992		ज) अन्य देयताओं का भुगतान	14,15,56,829	9,36,87,957
	झ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	–	44,130			38,75,888	2,72,886
	ञ) वर्ष में निगमित नकद तथा बैंक शेष	–	–		झ) पंजीकरण फीस	–	3,90,46,873
	च) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	36,28,11,223	7,80,03,634		ञ) गैर–प्रचालन व्यय	–	–
	छ) ईपीएफ/सीपीएफ	1,40,19,978	1,85,51,872		ट) प्रत्यायन व्यय	3,92,40,76,398	2,76,22,72,726
					ठ) अन्तर केन्द्र खाता	–	121,753,212
					ड) केन्द्रों को जारी अतिशेष राशि	22,44,76,346	18,32,27,484
					ढ) प्रदत्त सेवा कर	4,12,82,997	2,79,95,310
					ण) संचित अधिशेष भुगतान	–	9,66,75,964
					इतिशेष		
				VIII	क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प		
					ख) बैंक शेष	1,22,225	64,478
					i) चालू खाताओं में		–
					ii) बचत खाताओं में	24,92,72,784	53,80,38,565
					iii) अल्पावधि जमा में	1,26,72,88,473	1,25,22,44,274
					iv) दीर्घावधि जमा में	2,35,26,15,172	2,08,60,89,935
					v) दीर्घावधि जमा में–इयरमार्क्ड निधियाँ	2,78,54,16,817	2,26,92,99,243
					iv) सहायता अनुदान निधि के लि, दीर्घावधि जमा	3,31,17,48,382	3,01,94,66,660
					घ) एनपीआर खाता –पास में नकदी	–	–
					ङ) एनपीआर खाता –बैंक शेष	–	–
						–	–
	योग	23,25,90,25,148	23,18,88,34,965		योग	23,25,90,25,148	23,18,88,34,965

हमारी इसी तारीख की संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
एफआरएन –001875एन/एन500025

हस्ता
(सीए रजत चावला)
भागीदार
स.सं. 510745

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.12.2021

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077

अनुसूची 24: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आगे नाइलिट के रूप में संदर्भित), एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (डीओईएसीसी सोसायटी से, दिनांक 10.10.2011 से परिवर्तित नाम) की स्थापना इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत नवंबर, 1994 के दौरान सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित कार्यकलापों को कार्यान्वित करने के लिए की गई थी। यह संस्था धारा 12ए के तहत आयकर विभाग में पंजीकृत है तथा विश्व स्तरीय शिक्षा व प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएं प्रदान करते हुए, सूचनाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) और संबद्ध क्षेत्रों में केवल उत्तम जनशक्ति का सृजन और कौशल पेशेवरों का विकास करने के उद्धेश्य से, बनायी गई है। यह संस्था सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में दोनों औपचारिक एवं अनौपचारिक रूप से शिक्षण प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, आईसीटी के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश के प्रमुख संस्थान के लिए मानक स्थापित करने के लिए अत्याधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी उत्तम शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो संस्थानों/संगठनों को विशेष रूप से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए प्रत्यायन प्रदान करती है। रा.इ.सू.प्रौ.सं. अपने 21 केंद्रों– अइजोल , औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी,हरिद्वार, ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, पटना, रांची, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और जम्मू के माध्यम से कार्य कर रहा है।

निम्नलिखित नीतियां इसके विभिन्न केन्द्रों सहित नाइलिट की समेकित लेखांकन नीतियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें विभिन्न केन्द्रों की लेखा परीक्षित रिपोर्टों में लेखों की महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ और विभिन्न महत्वपूर्ण सूचनाएँ भी शामिल हैं जो नाइलिट के समेकित वित्तीय विवरण का अंग बन गयी हैं।

1. लेखांकन की परंपरा

क) लेखांकन पद्धति

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परम्परा और जब तक नीचे अन्यथा उल्लेख न किया गया हो लेखांकन की अर्जित पद्धति के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

ख) अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए आंकलन तथा पूर्वानुमान करने होते हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि को बताई जाने वाली परिसम्पतियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को उस समय स्वीकार किया जाता है जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/मूर्त रूप देते हैं।

2. आय की पहचान

निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केंद्र लेखांकन की अर्जन पद्धति का अनुसरण कर रहे हैं:

क) अगरतला केंद्र के ममलें में आईएसईए परियोजना–II और डोनर (डीओएनईआर) परियोजना से प्राप्त आय नकद आधार पर लेखांकित की जाती है ।

ख) कालीकट केंद्र– छात्र परियोजनाओं से आय पूर्ण होने के आधार पर गणना में ली जाती है ।

ग) नई दिल्ली और गुवाहाटी केंद्र ने भारत सरकार से वास्तविक रूप से प्राप्त अनुदान को नकद आधार पर लेखांकित किया ।

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

घ) श्रीनगर/जम्मू केंद्र ने पाठ्यक्रम शुल्क को प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया ।

ड़) मुख्यालय के मामले में, पंजीकरण शुल्क, प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनशील प्रत्यायन शुल्क (वीएएफ) तथा जागरूकता सृजन निधि (एसीएफ) को प्राप्ति आधार पर लेखांकित किया ।

3. एमईआईटीवाई द्वारा आवर्ती व्यय की पूर्ति हेतु केन्द्रों को जारी राजस्व अनुदान–सहायता को संबंधित केंद्रों द्वारा आय के रूप में लेखांकित किया गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	नाइलिट केन्द्रों का नाम	धनराशि (रु.)
i	आइजोल	15,13,000/–
ii	चेन्नई	22,13,000/–
iii	गंगटोक	85,64000/–
iv	कोहिमा	2,41,44,495/–
v	श्रीनगर/जम्मू	7,68,909/–
vi	नाइलिट (मुख्यालय)	1,99,85,362/–
vii	रांची	34,274/–
	कुल	**5,72,23,040/–**

4. निवेश

संस्था की निधियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमाओं में निवेश किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार 'कोषागार प्रबंध अतिशेष' के रूप में दर्शाया गया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि सावधि जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमार्क्ड / एन्डाउमेंट निधि के खाते में रखा जा रहा है । जीआईए पर ब्याज भी माइटी को वापस किया गया ।

5. इनवेंटरी

औरंगाबाद केंद्र के मामले में, उन्होनें प्रधान कार्यालय नई दिल्ली की संशोधित और रूपांतरित नीति के अनुसार सामग्री, उपकरणों, प्रकाशनों, उपभोग्य सामग्रियों इत्यादि को मूल्यांकित किया व दर्शाया है। मूल्यांकन लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, के आधार पर किया जाता है।

कालीकट केंद्र के मामलें में, स्टोर और पुर्जों, मुद्रण और लेखन सामग्री, प्रयोगशाला उपकरण और पाठ्यक्रम सामग्री के स्टॉक को वर्ष प्रबंधन के दौरान भौतिक रूप से सत्यापित किया जाता है और कम से कम लागत और शुद्ध वसूली योग्य माना जाता है।

चंडीगढ़ केंद्र के संदर्भ में, शेयरों को कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित किया जाता है।

6. स्थिर परिसंपत्तियाँ

स्थिर परिसम्पतियों को लागत कम संचित मूल्यह्रास पर दर्शाया जाता है। खरीद की लागत में आवक मालभाड़ा, शुल्क एवं कर तथा खरीद से संबन्धित एवं प्रत्यक्ष व्यय को शामिल करके दर्शाया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसंपत्तियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

क) कालीकट केन्द्र के संदर्भ में, यूएनडीपी द्वारा केन्द्र को अनुदान के रूप में दिए गए 17 उपकरणों के मूल्य को 1/–रु. के सांकेतिक मूल्य पर देयता एवं परिसम्पतियाँ दोनों ही पक्षों में दर्शाया गया है।

ख) कोलकाता केंद्र के संदर्भ में, स्थायी परिसंपतियों को लागत (सकल) संचित मूल्यह्रास घटाकर दर्शाया गया है। लागत में, अधिग्रहण की लागत, संस्थापन, भाड़ा व शुल्क कर, अनुषंगी खर्च सम्मिलित है। बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लाट नं. 267, ब्लॉक– बीएफ) स्थित 999 वर्षों के लिए 'पट्टाकृत भूमि' को स्थिर परिसंपत्तियों की अनुसूची में 'भवन' शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

ग) चंडीगढ़ केंद्र के संदर्भ में, एससीओ 114–116, सेक्टर –17–बी, चंडीगढ़ में नाइलिट चंडीगढ़ (पूर्व में क्षेत्रीय कम्प्यूटर सेंटर) के कब्जे वाली इमारत में जून, 2014 में एक बड़ी आग की घटना हुई। वर्ष 2015–16 में उनके संबंध में हानियों/राईट ऑफ के संबंध में उपयुक्त लेखांकन प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इस घटना में, केंद्र ने उस तारीख तक लगभग सभी अभिलेख खो दिये हैं, जिसमें स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर भी सम्मिलित था।

घ) अगरतला केंद्र के संदर्भ में, त्रिपुरा सरकार द्वारा निशुल्क रूप से स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 15 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इसे स्थायी परिसंपत्ति अनुसूची के अंतर्गत नाममात्र मूल्य रु.1/– पर दर्शाया गया है।

ड़) राजस्थान सरकार ने केकड़ी, जिला अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों की लीज पर निःशुल्क रूप में आवंटित की है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।

च) नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विद्युत) पर किए गए व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते में डाला जाएगा।

7. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.ए.वी पद्धति पर किया जाता है। "अनुदान से संबंधित परिसंपत्तियों" पर चालू वर्ष के लिए मूल्यह्रास को आय तथा व्यय खाते के नाम किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में जमा भी किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

8. सरकारी अनुदान

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान, नाइलिट को एमईआईटीवाई से जीआईए (योजना) और (गैर योजना) प्राप्त नहीं हुई है ।

9. लेखां नीति में परिवर्तन

वर्ष के दौरान, कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं ।

10. कर्मचारी के लाभ

- उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन पर किया जाता है और कर्मचारी "ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972" के अंतर्गत आते हैं। ।
- चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से समूह उपदान नकद संचयन के अधीन संबंधित कर्मचारी न्यास के पक्ष में ली गयी पालिसी द्वारा सुरक्षित किया गया।
- छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर किया जाता है ।
- बोनस नकद आधार पर लेखांकित किया गया है ।
- नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 से ईपी एफ के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। 219 कर्मचारियों के संबंध में 01/01/2003 से 31/03/2013 की अवधि के लिए ईपीएफ बकाया के नियमितीकरण के लिए नाइलिट अंशदान के लिए वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान आरपीएफसी के पास 4,03,06,734/– रुपये की राशि जमा की गई है। नाइलिट के सीपीएफ में रखी शेष राशि का समाधान किया जा रहा है ।
- नाइलिट ने 1 सितंबर, 2014 के बाद नियुक्त हुए सभी नियमित कर्मचारियों के लिए एनपीएस योजना को अपनाया है।

J.P. KHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

अनुसूची 25: लेखाओं पर टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देयता:

क) चंडीगढ़ केंद्र

(i) विभाग द्वारा उठाए गए सेवा कर की मांग:

क्र.सं.	मामले का प्राधिकारी	मामले के तथ्य	सम्मिलित राशि
1	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई लेखन सामाग्री का मूल्य सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाई गई मांग पर सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ द्वारा रोक लगायी गयी है । हालांकि, मामले में नियमित सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है ।	रु. 83,92,094/– समान रकम के जुर्माने और ब्याज के साथ ।
2	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	वर्ष 2012 के दौरान, सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई लेखन सामग्री का मूल्य सम्मिलित करने का निर्णय लिया है । विभाग द्वारा उठाई गई मांग के संबंध में आयुक्त (अपील) के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है ।	रु. 3,55,310/–समान रकम के जुर्माने और ब्याज के साथ
3	आयुक्त (अपील) वस्तु और सेवा कर, लुधियाना	वित्त वर्ष 2014–15 के दौरान, सेवा कर विभाग ने कर योग्य सेवाओं के मूल्य छूटप्राप्त सेवाओं शिक्षा सहायक सेवाओं से आय, नाइलिट के 'ओ' लेवल के पाठ्यक्रम से आय और सीसीसी परीक्षा से आय आदि को भी सम्मिलित करने का निर्णय लिया है । विभाग द्वारा उठाए गए मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है ।	रु. 46,23,975/–समान राशि के जुर्माने, ब्याज और रु 10,000/– के अतिरिक्त जुर्माने के साथ
4	आयुक्त (अपील) वस्तु और सेवा कर, लुधियाना	वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान, सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रों को वाणिज्यिक प्रशिक्षण और कोचिंग से अग्रिम प्राप्त और आय के मूल्य को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाए गए मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है ।	रु.28,21,447/– समान राशि के जुर्माने, ब्याज और रु 10,000/– के अतिरिक्त जुर्माने के साथ।

ii) अन्य मुकदमें:

क) नाइलिट चंडीगढ़ ने स्कूल परियोजना के लिए प्रशिक्षक उपलब्ध कराने हेतु शेष धनराशि रु. 15,66,021/– की वसूली हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विरुद्ध मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की है, जिसके लिए बहियों में संदिग्ध ऋण के रूप में पहले ही प्रावधान किए गए थे । केवीएस ने न केवल केंद्र के दावे को खारिज कर दिया है बल्कि, केंद्र (पूर्व में आरसीसी) को अत्यधिक भुगतान के रूप में धनराशि रु. 2,68,650/– का काउंटर दावा भी पेश किया है । मध्यस्थता कार्यवाही अभी तक समाप्त नहीं हुई है ।

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

ख) ईएसआई ने अक्टूबर 2002 से मार्च 2003 की अवधि के लिए ईएसआई योजना के अनुपालन न किए जाने के लिए धनराशि रु.11,22,702/– और रु.3,03,947/– का मांग नोटिस जारी किया था। उपनिदेशक, ईएसआई के दिनांक 21.07.2011 के आदेश संख्या पीबी.17000399790001013/245 के माध्यम से मांग के भुगतान के लिए केंद्र को निर्देश दिया है । हालांकि, केंद्र ने अपील की है और तदनुसार 2013 की सिविल रिट, याचिका (सीडब्ल्यूपी) संख्या 5441 और 2013 की सीडब्ल्यूपी संख्या 5367 माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में में लंबित है, हालांकि, माननीय उच्च न्यायालय ने एक अन्तरिम राहत के रूप में मांग कि वसूली पर रोक लगाई है।

ग) दिनांक 2 मई, 2014 के माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेशों के विरुद्ध, केंद्र ने माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ के समक्ष सुश्री मनजीत कौर, पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' के द्वारा गलत ढंग से आहरित एचआरए और दांडिक ब्याज के लिए रु.3,89,642/– की वसूली के लिए 2014 में सिविल रिट याचिका सं 15204 को दायर किया गया था । इस मामले में कार्यवाही प्रक्रिया में है । उनकी सेवानिवृत्ति पर देय छुट्टी नकदीकरण की धनराशि में से रु 3,89,642/– की उक्त राशि की वसूली कर ली गई है । सुश्री मनजीत कौर, इस केंद्र की पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' ने माननीय केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ बेंच में पुनः ओए संख्या 60/129/2018 के माध्यम से रोक लगाई गई धनराशि रु. 3,89,642 को जारी किए जाने संबंधी याचिका दायर की है जिसे 10.10.2018 को माननीय केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ ने निकासी दर्शाते हुए खारिज कर दिया था ।

जब तक, माननीय द्वारा निर्णय लिया जाता है, धनराशि रु.3,89,642/– की आकस्मिक देनदारी के रूप में माना गया है ।

घ) दिनांक 29–01–2002 के पत्र सं. एमसी/ईएसटीएटीई/2002/4732 के माध्यम से आवंटित भूमि, के नगर निगम चंडीगढ़ के विरुद्ध वसूली योग्य धनराशि रु.43,24,045/– दिखायी गयी थी जो बाद में केंद्र द्वारा वापस की गयी। मुख्य प्रशासक, चंडीगढ़ और यूटी प्रशासन, चंडीगढ़ द्वारा कोई भी राहत प्रदान न किए जाने के कारण, माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के समक्ष रिट याचिका दायर की गई थी, जिसे डिफॉल्ट रूप से भी खारिज कर दिया गया था, जिसके विरुद्ध, एक अन्य रिट मामले की बहाली के लिए दायर की गई थी। उस रिट याचिका को उसी कारण से पुनः नए रूप में फाइल करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया गया था। मनीमाजरा में भूमि आवंटन के लिए पुनः विचार करने के संबंध में नगर निगम, चंडीगढ़ के पक्ष में इस केंद्र द्वारा जारी किए गए रु.43.24 लाख के प्रारंभिक भुगतान को समायोजित करके और प्रीमियम, ग्राउंड रेंट के देरी से भुगतान पर ब्याज के लिए जारी मांग नोट की गैर–प्रयोज्यता के बारे में नगर निगम, चंडीगढ़ को भेजे गए अभ्यावेदन के आधार पर, केंद्र सरकार के काउंसेल के माध्यम से नई रिट याचिका दायर की गई है। चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के लिए चंडीगढ़ के काउंसेल को प्रस्ताव का नोटिस जारी किया गया था। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अंतिम अवसर दिए जाने के बाद 23.09.2019 को नगर निगम चंडीगढ़ के वकील द्वारा उत्तर हलफनामा दायर किया गया है। कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इस संबंध में केंद्र की लेखा बहियों में उचित प्रावधान पहले ही किया जा चुका है।

ड़) श्री वीके जैन, प्रभारी निदेशक, नाइलिट चंडीगढ़ तथा नाइलिट चंडीगढ़ के पंद्रह अन्य पूर्व कर्मचारियों ने, जो 01.01.2016 के बाद और 29.03.2018 से पहले सेवानिवृत्त हुए थे श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा राजपत्र अधिसूचना जारी करने की तिथि, जिसके द्वारा "ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972" के तहत एक कर्मचारी को देय ग्रेच्युटी की अधिकतम राशि, 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है, ने माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ चंडीगढ़, के समक्ष आवेदकों को ग्रेच्युटी की संशोधित राशि रु. 20 लाख सेवानिवृती की तिथि से भुगतान की तिथि तक 12% ब्याज के साथ स्वीकृत करने के लिए ओए सं. 60/1144/2018 दायर किया है। उत्तरदाताओं की ओर से जवाब माननीय सीएटी के समक्ष दायर किए गए थे। आगे की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

J.P. KHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

ख) कोलकाता केंद्र

i. आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास आयकर विभाग की मान्यता के साथ नाइलिट में 01. 01.2004 से पहले कार्यग्रहण करने वाले कर्मचारियों की भविष्य निधि का खाता रख रहा था। तथापि 01.01.2004 को या उसके बाद नाइलिट में कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारियों का पी.एफ. ईपीआर और एमपी अधिनियम 1952 के अधीन नाइलिट मुख्यालय में रखा जा रहा है। केन्द्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7क के अन्तर्गत आदेश दिनांक 09.07.2008 तथा धारा 7ख के अन्तर्गत आदेश दिनांक 30.9.2009 प्राप्त हुआ है कि नाइलिट को ईपीएफ व एमपी अधिनियम, 1952 के अन्तर्गत अगस्त 1982 से शामिल किया जाएगा। केन्द्र ने उपर्युक्त आदेश के खिलाफ ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली (समुचित प्राधिकारी) के समक्ष एक अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय भारत सरकार की गजट अधिसूचना दिनांक 26.07.1997 के अनुसार सीपीएफ अधिनियम, 1925 के अन्तर्गत शामिल है लेकिन, ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली ने दिनांक 3 अगस्त, 2011 के आदेश के जरिए अपील को खारिज कर दिया है। इसके बाद केंद्र ने 21 मार्च 2012 को माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता के समक्ष एक रिट याचिका दायर की। 17 अगस्त 2012 को, माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता ने फैसला किया है कि "ईपीएफ अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा 03 अगस्त 2011 को पारित आदेश के आधार पर अगले आदेश तक, प्रतिवादियों को किसी भी तरह से कार्यवाही से रोका जाता है"।

नाइलिट कोलकाता ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र से रु.6,27,413/– की माँग के समक्ष रु.1,56,854/– की राशि का भुगतान प्रतिवाद के अन्तर्गत किया है। मांग का केंद्र ने विरोध किया है ।

ii. सामान्य इनपुट सेवा पर प्राप्त सेनवैट क्रेडिट के लिए धनराशि रु.9,82,620/– (रु4,87,425/–) की सेवा कर की आकस्मिक देयता है जिसके लिए तुलन–पत्र तिथि तक मूल्यांकन लंबित है तथा नियम 6(3) और सीसीआर नियम, 2004 के नियम 14 के अंतर्गत रु.4,95,195/–, जिसके लिए अपील सेवा कर प्राधिकरण में लंबित है, जिसमें से रु.4,95,195/– पर आयुक्त, सीजीएसटी और सीईएक्स, हावड़ा आयोग ने अपने आदेश संख्या 219/एस टैक्स–11/केओ 1/2018 दिनांक 20.03.18 के द्वारा विचार नहीं किया गया था।

ग) शिमला केंद्र

i) स्वमूल्यांकन के आधार पर सेवा कर का भुगतानः

क्र.सं	मामले का प्राधिकारी	मामले के तथ्य	सम्मिलित राशि
1.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर विभाग, शिमला	दिनांक 01 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2016 की अवधि के लिए उच्च शिक्षा निदेशक हिमांचल प्रदेश के लिए प्रदान की गयी सेवाओं के बारे में सेवा कर विभाग ने सेवा कर के 49 प्रावधानों के उल्लंघन की जांच करने के लिए अभिलेखों की मांग की है ।	रु.2,50,81,223/–

स्वमूल्यांकन के आधार पर सेवा कर के रूप में रु.2,50,81223 का भुगतान किया गया है और गत वर्ष अर्थात 2019–20 के दौरान खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है । हालांकि, सेवा कर विभाग द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना लगाया जा सकता है, जो वर्तमान में निर्धारित नहीं किया जा सकता है ।

आगे, नाइलिट ने उच्च शिक्षा विभाग विभाग, हिमांचल प्रदेश को पहले के वर्षों में प्रदान की गई सेवाओं पर सेवा कर लगाया है, तब इस तरह की सेवाओं को सेवा कर से छूट दी गई थी, सेवा कर विभाग को भुगतान किए गए सेवा कर की इस राशि के लिए प्राधिकारियों के साथ धन वापसी की अपील दायर की गई है ।

ii) निदेशक उच्च शिक्षा, हिमांचल प्रदेश को प्रदान की गई सेवाओं को अक्टूबर, 2018 तक जीएसटी से मुक्त माना गया और उसके बाद जीएसटी को एकत्र किया गया और जीएसटी विभाग को भुगतान किया गया। इसलिए अप्रैल 2018 से अक्टूबर 2018 तक तक की अवधि के लिए जीएसटी के कारण देयता हो सकती है ।

iii) इसके जीएसटीआईएन के अंतर्गत वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान कुछ जीएसटी भुगतान किए गए जिसमें जीएसटी

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

धनराशि को जीएसटीआईएन द्वारा विलंब शुल्क के साथ परिगणित कम अथवा विलंब भुगतान था किन्तु, जीएसटी अधिनियम, 1961 कि धारा 50(1) में निर्धारित ब्याज, केंद्र द्वारा बहियों मे क्रमशः जमा नहीं किया गया/बुक में नहीं है, तथा जहां कहीं लागू हो, नकद भुगतान के आधार पर अंतिम भुगतान के रूप में प्राधिकारियों द्वारा मांग के अनुसार राशि का भुगतान किया जाएगा।

iv) ईएसआईसी पोर्टल पर कर्मचारी के पंजीकरण में देरी के कारण कर्मचारी राज्य बीमा द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना लगाया जा सकता है। हालांकि, वर्तमान में ब्याज या जुर्माना निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

घ) मुख्यालय

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने नाइलिट (मुख्यालय) द्वारका भवन के संबंध में उपयोग कारक 4 (व्यावसायिक भवन होने के नाते) लागू करके संपत्ति कर का आकलन किया है और अपने मूल्यांकन आदेश दिनांक 17/02/2021 के द्वारा धनराशि रु. 1,84,06,741/– निर्धारण मांग से अवगत कराया है। हालांकि, नाइलिट ने 18/03/2021 को कारक 1 का उपयोग करते हुए धनराशि रु. 32,72,727/– का संपत्ति कर जमा किया है।

नाइलिट ने 26/03/2021 को डब्ल्यूपी(सी) 4128/2021 के माध्यमों से माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है, जिसमें माननीय न्यायालय से दिनांक 17/02/2021 के मूल्यांकन आदेश डिस्ट्रेस वारंट को रद् करने का अनुरोध किया गया है। प्रतिवादी द्वारा जारी 18/03/2021 और 24/03/2021, जारी को विषयान्तरर्गत उपयोग कारक 12 के तहत संसाधित करके एक नया मूल्यांकन आदेश पारित करने का निर्देश और चल रही एमनेस्टी योजना (2021) के लाभ की अनुमति दें। माननीय उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 26/03/2021 द्वारा नाइलिट को सुनवाई की अगली तिथि तक स्टे की स्वीकृति दी है।

2) पूंजी प्रतिबद्धता

क) (i) लुंगलेई विस्तार केंद्र और आइजोल केंद्र में भवन का निर्माण किया गया है, कुल अनुमानित निर्माण लागत रु.20,62,00,000/– है, जिसमें से रु.16,12,15,742/– दिनांक 31.03.2021 तक भुगतान किए जा चुके हैं ।

(ii) मुख्यालय के मामले में, एनबीसीसी टावर, किदवई नगर में कार्यालय की खरीद रु.47.01 करोड़ में की जा रही है जिसमें से रु.46.26 करोड़ दिनांक 31 मार्च, 2021 तक भुगतान किए जा चूके हैं ।

ख) मुख्यालय के लिए नाइलिट भवन का निर्माण द्वारका, दिल्ली में किया गया है । इस संबंध में, नाइलिट ने 31 मार्च, 2021 तक 45.07 करोड़ रुपये जारी किए है ।

3. वर्तमान परिसंपत्तियां, चालू देयताएं, प्रावधान और ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण और अग्रिमों को उस मूल्य पर दर्शाया गया है जो, सामान्य कारोबार के दौरान वसूली योग्य होगा, केवल उन देनदारों को छोड़कर जहां अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया गया है ।

क) दिल्ली केंद्र के मामले में

शिक्षा निदेशक, झंडेवालान से रु.1,12,71,327/– की वसूली के समक्ष संदिग्ध ऋण के लिए रु.28,60,720/– का प्रावधान किया गया है। यह धनराशि 2004–05 से बकाया है। यह मामला मध्यस्थता के अधीन है। एक मध्यस्थ ने 27.12.2017 को शिक्षा निदेशालय को यह आदेश दिया कि वह नाइलिट को रु.78,98,437/– का दिनांक 23.03.2011 से भुगतान की तिथि तक उपरोक्त राशि पर प्र.व. 8% ब्याज सहित भुगतान करें। प्रबंधन की राय में, प्रावधान यथोचित हैं।

ख) चंडीगढ़ केंद्र के मामले में

i) देनदार

क) चंडीगढ़ केंद्र में रु.1103.59 लाख के देनदार हैं जिसमें से रु.488.05 लाख तीन वर्षों से भी अधिक समय से बकाया हैं। बकाया देनदार वित्त वर्ष 2005–06 और उससे पहले से संबंधित हैं। बकाया राशि और उसकी अवधि पर विचार करते हुए लेखापरीक्षा के दौरान, यह पाया गया है कि बकाया राशि की वसूली/निगरानी के लिए कुछ तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। हालांकि, प्रबंधन का मानना है कि देनदार सरकारी विभागों से या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से हैं और वसूली योग्य हैं, और जिनमें मौजूदा पार्टियां भी सम्मिलित हैं, इसलिए

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

संदिग्ध ऋण के प्रावधान के लिए मूल्यांकन नहीं किया जा सका।

ख) वर्ष 2006 से जून 2017 तक पीएसईबी/पीएसपीसीएल द्वारा काटे गए कार्य अनुबंध कर (डब्ल्यूसीटी) के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2019–20 में 48.58 लाख का प्रावधान प्रदान किया गया था। प्रावधान इस आधार पर बनाया गया था कि यह राशि विक्रेता द्वारा कटौती योग्य नहीं थी क्योंकि केंद्र वैट के तहत पंजीकृत नहीं था और इसी तरह केंद्र की ओर से पीएसपीसीएल द्वारा जमा की गई इस राशि के लिए अब वापसी का कोई दावा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में इस राशि की वसूली की संभावना काफी कम है।

ii) सरकारी विभागों के पास जमा सुरक्षा राशि:

31.03.2021 को बकाया राशि 15.30 लाख रुपये है। इनमें कुछ विशेष सरकारी विभागों के पास रखी गयी कुछ पुरानी बकाया सुरक्षा जमा राशि रु.4.50 लाख की वापसी/वसूली के लिए शेष/अतिदेय हैं। इस संबंध में उचित कार्रवाई हेतु तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

iii) शेष पुष्टीकरण / समाधान:

देनदारों, लेनदारों, छात्रों और अन्य, आदि से प्राप्त अग्रिम सहित पार्टी खातों में पुष्टि, तथा समाधान संबंधी आवश्यक समायोजन समाधान के फलस्वरूप शेष है। उक्त पुष्टि/समाधान किए जाने पर वर्तमान/पूर्व वर्षों की आय/व्यय तथा परिसंपत्तियां/देयताओं पर होने वाले उसके प्रभाव को ज्ञात नही किया जा सकता।

iv) जैसे कि, केंद्र, सरकारी विभागों/स्वायत्त निकायों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है इसलिए, प्रबंधन की राय में, पूर्व प्राप्य राशियों जिनके लिए प्रावधान नही किया गया है या बट्टे खाते में नही डाली गयी हैं, की वसूली की आशा की जा रही है। हालांकि, दिनांक 31 मार्च, 2021 तक शेष धनराशि की पुष्टि नहीं हुई।

v) उपयुक्त जानकारी के अभाव में गत वर्ष देनदारों से प्राप्त किए गए रु.3,99,207.10/– की राशि उपयुक्त देनदार के खाते में जमा नही की जा सकी। उक्त समेकित राशि को कुल देनदारों से घटा दिया गया है।

vi) कार्यालय आदेश सं नाइलिट/एचक्यू/एडीटी/38/2019 दिनांकित 13.05.2019 के द्वारा, दिनांक 01.04.2019 से नाइलिट रोपड़ की खाता बहियों का विलय नाइलिट चंडीगढ़ की खाता बहियों में कर दिया गया है तथा वित्तीय वर्ष 2019–2020 के लिए समेकित अंतिम लेखा तैयार कर लिए गए है। पूर्ववर्ती नाइलिट रोपड़ की सभी स्थिर परिसंपत्तियों के आंकड़े पिछले वर्ष के तुलन–पत्र में लिखित मूल्य पर "योग" मद में दर्शाये गए थे, जैसा कि वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए नाइलिट रोपड़ के तुलन–पत्र में दर्शाया गया था। सभी स्थिर संपत्तियों की संबंधित मूल लागत अब वर्तमान वर्ष के तुलन–पत्र की अनुसूची 5 (ख) में "01/04/2019 को मूल लागत" मद में दर्शाया गया है।

vii) एससीओ 114–116, सेक्टर–17–बी, चंडीगढ़ में नाइलिट चंडीगढ़ (पूर्व में क्षेत्रीय कम्प्यूटर सेंटर) के कब्जे वाली इमारत में जून, 2014 में आग की एक बड़ी घटना हुई। वर्ष 2015–16 में उनके संबंध में हानियों/राईट ऑफ के संबंध में उपयुक्त लेखांकन प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इस घटना में, केंद्र ने उस तारीख तक लगभग सभी अभिलेख खो दिये हैं, जिसमें स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर भी सम्मिलित था ।

viii) वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान रोपड़ स्थित कार्यालय भवन बाढ़ से घिर गया जिसके कारण भवन, हार्डवेयर, फर्निचर तथा जुड़नार, विद्युत कनेक्शन, वाहन आदि क्षतिग्रस्त हो गए। न्यू इंडिया एश्योरेंस सह लिमिटेड के साथ बीमा मूल्य के आधार पर नष्ट/क्षतिग्रस्त संपत्ति के संबंध में विभिन्न ओईएम द्वारा किए गए पुर्नस्थापना मूल्य के आकलन के आधार पर ली गई बीमा पॉलिसियों के तहत तुरंत बीमा का दावा किया गया ।

सर्वेक्षक को कई बार निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक दस्तावेज और जानकारी प्रदान करने और बीमा कंपनी के साथ आक्रामक पत्राचार के बावजूद, बीमा कंपनी द्वारा आज तक दावे के आकलन या निपटान के संबंध में कोई सम्प्रेषण नहीं किया गया है। नतीजतन, इस संबंध में एक कानूनी नोटिस देने के बाद, लंबित दावे के शीघ्र निपटान के लिए जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, चंडीगढ़ के समक्ष 15 जून, 2021 को एक शिकायत दर्ज की गई है। मामला 14 दिसंबर, 2021 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान, बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए भवन, मलजल उपचार संयंत्र, फायर पंप और फर्नीचर आदि को उनकी मूल स्थिति में बहाल करने के लिए मरम्मत पर खर्च की गई 80,25,228.00 रुपये की राशि

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

को आय और व्यय खाते में रखा गया है। चूंकि दावे का निपटान अभियोग के अधीन है और बीमा कंपनी द्वारा दावे की स्वीकार्यता को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, इसलिए कोई आय दर्ज नहीं की जा सकी है क्योंकि प्राप्य दावे की राशि अभी भी सुनिश्चित नहीं है।

आईटी उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यहास नहीं लगाया गया है जो बाढ़ की तारीख यानी 18/08/2019 में पूरी तरह नष्ट हो गए थे, तथा इन परिसंपत्तियों को अनुसूची 5(बी) में अलग–अलग चिन्हित किया गया है, जब तक की सक्षम प्राधिकारी से उसे बट्टे खाते में डालने की मंजूरी नहीं मिल जाती।

ix) 8,57,898 रुपये के पुराने चेक, जिनकी वैधता वर्ष के अंत में समाप्त हो गयी, जारी किए गए परंतु प्रस्तुत नहीं किए गए। उक्त राशि को इस संबंध में निर्धारित प्रक्रियाओं के लंबित निष्कर्ष के लिए उपयुक्त व्यक्तिगतध्पक्षों के खातों में जमा किया जाना बाकी है। इसके अलावा रु 1,77,517.00 के पिछले वर्षों से संबन्धित चेक जमा किए गए लेकिन उनका निष्पादन नहीं हुआ, की जांच चल रही थी जो की पूरी हो चुकी है, लेकिन लेखांकन प्रविष्टियों को संबंधित केंद्र से प्रासंगिक रिकॉर्ड प्राप्त करने पर पारित किया जाएगा।

ग) मुख्यालय के मामले में

i) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने मुख्यालय के निर्माण के लिए सेक्टर 8, द्वारका, नई दिल्ली में नाइलिट को 4277. 88 वर्ग मीटर का एक प्लॉट आवंटित किया है और 45.07 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। जमीन की अंतिम लागत को डीडीए द्वारा अंतिम रूप दिया जाना शेष है ।

ii) श्री सुबोध राज और श्री रामनिवास शर्मा द्वारा जिला उपभोक्ता निवारण फोरम, जयपुर में शिकायत दर्ज की जा रही है। नाइलिट ने जिला फोरम में 21,000/– रुपये की सावधि जमा, राशि जमा की है। अब यह मामला राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग नई दिल्ली में मुकदमा संख्या आरपी/1957/2019 के तहत लंबित है। एनसीडीआरसी पोर्टल के अनुसार, सुनवाई की तारीख 03/06/2021 तय की गई थी, लेकिन उस तारीख को कोविड प्रतिबंधों के कारण मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। सुनवाई की अगली संभावित तारीख फरवरी 2022 है।

घ) शिलांग केंद्र के मामले में

i) हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) से मोबिलाइजेशन अग्रिम की वसूली की प्रक्रिया वर्ष के दौरान बताई गई है और इंडियन बैंक, रसेल स्ट्रीट शाखा कोलकाता की बैंक गारंटी संख्या 003641आईजीआई0000019 के नकदीकरण के माध्यम से 2,02,00,000/– रुपये की वास्तविक राशि की वसूली की गई है ।

ii) निम्नलिखित राशियाँ प्राप्य हैं, और जहाँ तक वसूली का संबंध है, मामले को नाइलिट मुख्यालय द्वारा देखा जाता है:

क) एससीएसपी–टीएसपी योजना के तहत अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एससी/एसटी दावे के सापेक्ष एमईआईटीवाई से 44,13,004/ – रुपये (चवालीस लाख तेरह हजार चार रुपये मात्र) प्राप्त होने हैं।

वित्तीय वर्षवार राशि का विभाजन निम्नानुसार है।

वित्त वर्ष 2019–20– 40,73,605/– रुपये

वित्त वर्ष 2020–21– 3,39,399/– रुपये

ख) वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान राज्य सरकार मेघालय के विभिन्न स्तर के अधिकारियों/कर्मचारियों के कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन के लिए राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी) से 9,64,506/– रुपये (नौ लाख चार हजार पांच सौ छह रुपये मात्र) प्राप्य है।

ग) वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान राज्य सरकार के कार्मिकों के लिए क्षमता निर्माण और तकनीकी सहायक योजना के अंतर्गत आईटी और डिजिटल सेवाओं (डिजिटल भुगतान और जीएसटी सहित) पर प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय (एमओडीओएनईआर) से 7,43,008/– रुपये (सात लाख तैंतालीस हजार आठ रुपये मात्र) प्राप्य है ।

iii) नवम्बर, 2019 में जेआरडीओ परीक्षाएँ और जनवरी, 2020 में एमएसआरएलएस परीक्षाएँ आयोजित करने के लिए,

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

नाइलिट तुरा विस्तार केंद्र के कम्प्यूटर लैब को किराए पर लेने के लिए 'गायत्री एंटरप्राइजेज' से 48,557/– रुपये (अड़तालीस हजार पांच सौ सत्तावन रुपये मात्र) प्राप्य हैं ।

iv) ईपीएफओ, शिलांग के निर्देशों के अनुसार इंफोटेक सोल्यूशन के 73,965/– रुपये (तिहत्तर हजार नौ सौ पैंसठ रुपये मात्र) की राशि रोक दी गई है और ईपीएफओ, शिलांग से निकासी पत्र प्राप्त करने के बाद ही जारी की जाएगी।

v) वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के दावे के लिए प्राप्य राशि के सापेक्ष नाइलिट मुख्यालय से 40,00,000/– रुपये (चालीस लाख रुपये मात्र) की राशि अग्रिम के रूप में ली गई है। यह राशि नाइलिट मुख्यालय के अंतर केंद्र खाता बही में दर्शायी जा रही है।

iv) छात्रों से एकत्रित परिभाव्य धन के लिए रु 9,94,030/– (नौ लाख चौरानबे हजार तीस रुपये मात्र) की राशि देय है ।

ड़) औरंगाबाद केंद्र के मामले में

i) खातों से यह पता चलता है कि टीडीएस प्राप्य खातों के संबंध में वित्तीय वर्ष 2015–16 के अलावा वित्तीय वर्ष 2013–14 से 2014–15 तक बहुत पुराने शेष हैं और आवश्यक प्रविष्टियों को पारित किया जाना आवश्यक है जिसकी कुल धनराशि रु. 40,28,605/– है। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई प्रधान कार्यालय के परामर्श से की जानी चाहिए।

वर्ष के दौरान वित्तीय वर्ष 2016–17, 2017–18 और 2018–19 के लिए प्रधान कार्यालय से कुल 45,74,077/– रुपये का टीडीएस रिफंड प्राप्त हुआ।

iii) यह देखा गया है कि जमा खाते और सुरक्षा जमा खाते में लंबे समय से विभिन्न पक्षों के नाम पर अग्रिम राशि पड़ी हुई है । मामले में आवश्यक कार्रवाई की जरूरत है।

च) अजमेर के मामले में

i) रु.4,21,820/– की राशि जो चालू आस्तियों के अधीन 'ओ' लेवेल से अर्जित आय के रूप में दर्शायी गई है, वित्त वर्ष 2015–16 से लंबित है।

ii) एमओपीआर परियोजना पर रु 3,32,000/–, ग्रामीण युवा परियोजना पर रु 4,96,800/–, अन्य से अग्रिम पर रु 25,550/– एवं रु 30,300/– की बीसीसी परीक्षा व्यय देय और बुक फीस रिटर्न अकाउंट एससी/एसटी (1601) के बारे में हमें बताया नहीं गया है, यह हमारे द्वारा असत्यपित है।

iii) हेड स्टेल चेक खाते के तहत रु 2,25,512/– की राशि, वर्तमान देनदारियों के अंतर्गत लंबे समय से बकाया है, जिस पर उपयुक्त कारवाई की आवश्यकता है।

iv) डीजीईटी परीक्षा के देनदारों में रु 3,99,660/– शामिल हैं जो 3 साल से भी अधिक समय से बकाया है। इसके लिए हमारे सामने कोई विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया था, इसलिए यह हमारे द्वारा असत्यापित है। औरंगाबाद केंद्र से रु 5,39,948/– की राशि को वसूली योग्य दर्शाया गया है। हमें यह सूचित किया जाता है कि उस केंद्र से कुछ भी वसूल करने योग्य नहीं है।

v) रु 26,05,325/– की राशि को टीडीएस प्राप्य के रूप में मौजूदा परिसंपत्तियों के तहत दिखाया गया है, जिसके लिए उपयुक्त समायोजन की आवश्यकता है, क्योंकि टीडीएस का दावा मुख्यालय द्वारा किया गया है।

vi) वित्त वर्ष 2020–21 के लिए जीएसटी ऑडिट की प्रक्रिया चल रही है और अभी तक पूरी नहीं हुई है।

vii) तुलन पत्र (पाली) में देयता के रूप में दर्शाए गए रु. 5804/– की जीएसटी राशि का भुगतान आज तक नहीं किया गया है।

छ) अगरतला केंद्र के मामले में

i) वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान पूंजीगत वस्तुओं की खरीद के लिए 2019–20 के दौरान दिए गए आपूर्ति आदेश के सापेक्ष संचित बचत निधि की राशि 12,95,807/– (बारह लाख पचानवे हजार आठ सौ सात रुपये मात्र) का उपयोग किया गया है। कोविड–19 महामारी के कारण आपूर्ति श्रंखला बुरी तरह प्रभावित हुई और माल वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान प्राप्त हुआ ।

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

ज) गुवाहाटी केंद्र के मामले में

i) टीडीएस, आईटी अधिनियम 1962 के तहत, बैंकों के साथ सावधि जमा से अर्जित ब्याज पर और डीजीईटी प्राप्तियों से टीडीएस की राशि क्रमशः रु 15,03,884/– और रु 10,20,335/– अन्य वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत दिखाया गया है। इसे अभी तक नाइलिट (मुख्यालय) को हस्तांतरित नहीं किया गया है।

4. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के अधीन संचित बचत का उपयोग 31.03.2021 तक संचित बचत के उपयोग का विवरण:

1. नाइलिट ने वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के तहत रु 41,65,77,912.00 की राशि निर्धारित की थी।
2. संबंधित नाइलिट केन्द्रों के लेखा परीक्षित लेखों के अनुसार, नाइलिट ने 31/03/2020 तक(निर्धारित अवधि के भीतर) रुपये 41,65,77,912.00 के सापेक्ष रुपये 38,30,15,914/– (अड़तीस करोड़ तीस लाख पंद्रह हजार नौ सौ चौदह रुपये मात्र) की राशि का उपयोग किया था और 3,35,61,998/– रुपये की शेष राशि का उपयोग वित्तीय वर्ष 2020–2021 के दौरान नीचे दिए गए विवरण के अनुसार किया गया है–

क्र.सं.	केंद्र का नाम	वित्त वर्ष 2014–15 हेतु संचित बचत का उपयोग			31.03.2021 तक उपयोग में लायी गयी कुल राशि
		वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान प्रयुक्त	वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान प्रयुक्त	दिया गया आपूर्ति आदेश/लॉकडाउन, कोविड के कारण वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान पूंजी प्रतिबद्धता, प्राप्त की गयी आपूर्ति, वित्त वर्ष 2020–2021 के दौरान पूंजी प्रतिबद्धता का निर्वहन	
1	2	3	4	5	6=(3+4+5)
1	श्रीनगर/जम्मू	–	101,9,64,102	109,000	102,073,102
2	चेन्नई		39,554,178		39,554,178
3	अगरतला	4,907,679	6,504,193	1,295,807	12,707,679
4	इम्फाल		13,277,000		12,190,000
5	आइजोल	4,719,000	7,471,000		12,190,000
6	कोहिमा		3,310,000		3,310,000
7	कालीकट	3,480,392	38,139,468	9,757,780	51,377,640
8	गोरखपुर		14,069,353		14,069,353
9	पटना		724,000		724,000
10	कोलकाता		12,942,924		12,942,924
11	चंडीगढ़	180,175	9,027,633	6,922,367	16,130,175
12	औरंगाबाद	29,001,804	44,389,865	'11,711,057	85,102,726
13	मुख्यालय	34,882,161	7,512,303	9,090,917	51,485,381
14	नई दिल्ली		6,958,684		6,958,684

J.P. KHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

	कुल	77,171,211	305,844,703	38,886,928	421,902,842
	संपूर्ण निर्धारित निधि के उपयोग के लिए आवश्यक राशि।	77,171,211	305,844,703	33,561,998	416,577,912

* इसमें वित्तीय वर्ष 2017–18 में औरंगाबाद केंद्र द्वारा खर्च किए गए रु 6,67,061/– का उपयोग शामिल है, जो वित्तीय वर्ष 2017–18 के संचित बचत चार्ट के उपयोग में नहीं बल्कि वित्तीय वर्ष 2020–21 में रिपोर्ट किया गया था।

3. वर्ष 2020–2021 के दौरान, नाइलिट ने वित्तीय वर्ष 2014–15 में संचित राशि में से 3,88,86,928/– रुपये का उपयोग किया है (3,35,61,998/– रुपये की आवश्यक राशि के सापेक्ष)। केंद्रवार विवरण इस प्रकार है:–

क्र.सं	नाइलिट केंद्र का नाम	वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान प्रयुक्त राशि
1	श्रीनगर एवं जम्मू	1,09,000
2	अगरतला	12,95,807
3	कालीकट	97,57,780
4	चंडीगढ़	69,22,367
5	औरंगाबाद	1,17,11,057
6	मुख्यालय	90,90,917
	कुल	**3,88,86,928**

4. इस संबंध में, नाइलिट ने आयकर प्राधिकारी के समक्ष दिनांकित 03/01/2021 को आवेदन किया था जिसमें नाइलिट को इस उद्देश्य हेतु धनराशि रु. 3,35,61,998/– की आय की दिशा में आवेदन किए जाने की स्वीकृत थी। यह आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(3) (ग) के तहत वर्ष 2020–2021 के वित्त वर्ष में नहीं देखा गया था तथा न ही इसे गत वर्ष 2019–2020 में नाइलिट (लॉकडाऊन/कोविड) के नियंत्रण से परे स्थितिवश सम्मिलित किया गया।

5. **राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर)**

(क) आकस्मिक देयताएं:

i) दिनांक 26 सितंबर, 2017 को हुई नाइलिट की अधिशासी परिषद की 35वीं बैठक में, जैसा निर्णीत था की एमएसपी द्वारा उद्धृत 4.3% फीसदी की डिजिटल दर की एलआरयूआर की लागत में कटौती किए बिना डाटा डिजिटलीकरण कार्य के भुगतान के लिए माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड द्वारा मध्यस्थता याचिका दायर की गयी थी। 23 अप्रैल 2020 को दावेदार के पक्ष में मध्यस्थ ने 11,23,31,726/– रुपये की राशि 11% प्रतिवर्ष की दर के साथ 04.06.2015 तिथि से वर्तमान तिथि तक भुगतान करने का फैसला सुनाया।

क्षेत्रवार विवरण इस प्रकार है:

(क) क्षेत्र सं 8–11 (बिहार) रु 2,83,48,309/–
(ख) क्षेत्र सं 62 (यूपी) रु 1,94,88,226/–
(ग) क्षेत्र सं 61 (यूपी) रु 2,51,65,706/–
(घ) क्षेत्र सं 2,3 एवं 4 रु 3,93,29,485/–
कुल रु 11,23,31,726/–

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 के तहत, नाइलिट द्वारा 23.04.2020 के मध्यस्थता के फैसले को रोकने और चुनौती देने के लिए मध्यस्थता याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। उक्त मामले में सुनवाई की अगली तारीख 01/12/2021 निर्धारित की गई है।

इसके अलावा, मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड ने भी नाइलिट के खिलाफ नई दिल्ली में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें एकमात्र मध्यस्थ द्वारा दिनांक 23/04/2020 के मध्यस्थता अधिनिर्णय के निष्पादन की मांग की गई है। मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 04/02/2021 थी और माननीय अदालत ने मामले को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है।

चंडीगढ़ केंद्र के मामले में

(ii) मेसर्स अवास इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ में आवंटित तीन जोन 52, 56 और 57 के डाटा डिजिटाइजेशन कार्य के संबंध में 6,01,26,36 रुपये के बकाया भुगतान को जारी करने के संबंध में सिविल रिट याचिका दायर की गई है। जिसका भुगतान नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा किया गया था, लेकिन ऋण वसूली न्यायाधिकरण, विशाखापत्तनम के आदेशों के अनुसार रोक दिया गया था । 6,01,26,368/— रुपये का अंतिम देय भुगतान मैसर्स अववास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड को 3/11/2020 को माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण, विशाखापत्तनम दिनांक 23/10/2020 के आदेशों के अनुसार जारी किया गया था, जिसके द्वारा आईए 327/2018 में कुर्की आदेश खाली कर दिए गए थे।। भुगतान जारी करने से पहले इस मामले में अधिवक्ता से कानूनी राय भी मांगी गई थी।

मेसर्स आवास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने उक्त मामले को वापस नहीं लिया है और कार्य अनुबंध पत्र में उल्लिखित कुल अनुमानित लागत के अनुसार शेष राशि का दावा करने के लिए न्यायालय में आवेदन किया है जो कि रु11,02,16,360/— है। मेसर्स अवास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड को दंड की कैपिंग और एलआरयूआर सुधार लागत की मात्रा निर्धारित करने के संबंध में शासी परिषद, नाइलिट के निर्णय के अनुसार रु 7,11,48,004/— (रु. 1,10,21,636/— अग्रिम भुगतान के रूप में और रु. 6,01,26,368/— 03/11/2020 को) की राशि का भुगतान किया गया है। उक्त मामले में सुनवाई की अगली तिथि 03/11/2020 है।

इसके अलावा मेसर्स अवास इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से बैंग्लोर के एक इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल से 28/09/2021 को मेसर्स अवास इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड के कॉर्पोरेट देनदार खाते में 2,81,91,612/— रुपये का भुगतान जारी करने के लिए डिमांड/रिकवरी नोटिस प्राप्त किया गया है । नोटिस का उत्तर प्रक्रियाधीन है।

गोरखपुर केंद्र के मामले में

(iii) नाइलिट गोरखपुर 7,24,77,407.00 रुपये के दावे के खिलाफ एकमात्र मध्यस्थ न्यायमूर्ति जी रोहिणी के माननीय मध्यस्थ न्यायाधिकरण के समक्ष मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर्स फाइनेंस लिमिटेड और नाइलिट के बीच मध्यस्थता के मामले में प्रतिवादी है जिसके परिणामस्वरूप भविष्य में देयता का भुगतान हो सकता है।

(iv) एनपीआर परियोजना के प्रति देयता में एमएसपी को देय राशि उनके बिलों/चालानों के आधार पर शामिल है। हालांकि, एमएसपी के चालानों की गणना 6,48,18,991 रुपये/— लगाए गए जुर्माने को अनुसूची–8 के तहत देनदारियों के रूप में रखा गया है, जो आरएफपी की अवधि के दंड खंड के अनुसार एमएसपी के लिए जुर्माना शुल्क की ओर देनदारियों के रूप में रखा गया था।

(ख) चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिमः

प्रबंध वर्ग की राय के अनुसार, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों को उस मूल्य पर बताया गया है जिस पर उसे व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में वसूल किया जाएगा ।

(ग) इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग (अब माइटी) ने अपने पत्र संख्या एफएनओ 7(2) 2011–ईजी–1 दिनांक 05/04/2011 के द्वारा 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के सृजन हेतु जनसांख्यिकीय डेटा डिजिटाइजेशन और बायो–मेट्रिक डेटा संग्रह का काम सौंपा है। आरजीआई ने उनके दिनांक 27.06.2012 के डीओ संख्या 9/83/2010–सीआरडी (एनपीआर) के माध्यम से नाइलिट से बायो–मेट्रिक डेटा डिजिटलीकरण के कार्य को वापस ले लिया है।

(घ) भारत के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के निष्पादन के लिए नाइलिट को रु.522.24 करोड़ की अग्रिम धनराशि जारी की थी। डाटा डिजिटाइजेशन (एनपीआर परियोजना) की कुल लागत लगभग रु.569 करोड़ है।

J.P. CHAWLA & CO. LLP NEW DELHI CHARTERED ACCOUNTANTS

(ड़) डेटा डिजिटलीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अंतिम डिजिटाइज्ड डेटा अक्टूबर, 2013 के दौरान आरजीआई को सौंप दिया गया है। हालांकि, एमएसपी (प्रबंधित सेवा प्रदाता) को भुगतान पहले नहीं किया जा सका, क्योंकि, नाइलिट ने एमएसपी द्वारा प्रस्तुत किए गए बिलों के समक्ष आरएफक्यू (कोटेशन के लिए अनुरोध) के अनुसार जुर्माना लगाया था जिसका एमएसपी द्वारा, विरोध किया गया था। आगे आरजीआई (भारत के रजिस्ट्रार जनरल) द्वारा एलआरयूआर (सामान्य निवासियों का स्थानीय रजिस्टर) के सुधार के कार्य को भी वापस ले लिया गया। जुर्मानो और एलआरयूआर सुधार लागत के निपटारे से संबंधित मामला नाइलिट के सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखा गया था। सक्षम प्राधिकारी ने निम्नानुसार अनुमोदन दिया था:

(i) एलआरयूआर सुधार लागत की कटौती के बाद एमएसपी को पारदर्शी और उत्तरदायी तरीके से भुगतान जारी किया जाना चाहिए, जिसे एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटलीकृत दर का /4.3% निर्धारित किया गया है।

(ii) एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत को आरजीआई को वापस किया जाना है।

(iii) एलआरयूआर वापस लेने के कारण कार्यक्षेत्र मे परिवर्तन और भुगतान से संबंधित नियम और शर्तों में परिवर्तन के कारण एमएसपी के साथ हुए समझौतों को संशोधित करना।

(च) सक्षम प्राधिकारी के निर्णयों के अनुसार, एलआरयूआर सुधारों के कारण लागत में की गई कटौती को "चालू देयताओं और प्रावधानों" के अंतर्गत उप शीर्ष प्रमुख देयताएं–एलआरयूआर (एनपीआर) के अंतर्गत गणना में लिया गया है।

(छ) रु.331.58 करोड़ की ब्याज धनराशि अर्जित/अप्रयुक्त अग्रिम राशि को देयताओं व आरजीआई से गिल्ड लाइनों की अनुपस्थिति में ब्याज आय के रूप में लेखांकित नहीं किया जाने के अंतर्गत निर्धारित किया है।

(ज) जून 2014 के दौरान चंडीगढ़ के एससीओ 114–116 सेक्टर 17बी में नाइलिट चंडीगढ़ केंद्र के कब्जे वाले कार्यालय भवन में बड़ी आग लग गई। वित्तीय वर्ष 2015–2016 में हानि/बट्टे खाते के संबंध में उचित लेखा प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। आग लगने के कारण केंद्र ने एनपीआर रिकॉर्ड/परिसंपत्तियों सहित सभी अवसंरचनाओं को खो दिया।

(झ) एनपीआर परियोजना के संबंध में सभी एनपीआर प्रतिभागी नाइलिट केंद्रों द्वारा दिनांक 01.04.2012 से अलग खाताबहियाँ रखी गयी हैं, और वित्त वर्ष 2012–2013 से अलग वार्षिक खाता तैयार किया गया है।

(ञ) परियोजना के निष्पादन में शामिल कार्य 2013 में पूरा हो चुका है, लेकिन एमएसपी (प्रबंधित सेवा प्रदाता) को भुगतान नहीं किया जा सका क्योंकि एमएसपी द्वारा प्रस्तुत बिलों के सापेक्ष आरएफक्यू (कोटेशन के लिए अनुरोध) की शर्तों के अनुसार नाइलिट द्वारा लगाया गया दंड एमएसपी द्वारा विवादित था । इसके अलावा, सामान्य निवासियों के स्थानीय रजिस्टर (एलआरयूआर) कनेक्शन का काम बाद में आरजीआई (भारत के रजिस्ट्रार जनरल) द्वारा वापस ले लिया गया था। पेनाल्टी एलआरयूआर सुधार लागत के निपटान से संबंधित मामला प्रबंधन बोर्ड के समक्ष उठाया गया ।

प्रबंधन बोर्ड की सिफारिशों पर, नाइलिट की शासी परिषद ने 26 सितंबर 2017 को आयोजित अपनी 35वीं बैठक में एनपीआर परियोजनाओं के संबंध में निम्नलिखित निर्णय दिए थे: –

क) शासी परिषद सैद्धांतिक रूप से एलआरयूआर सुधारों के लिए राशि घटाने के बाद अनुबंध मूल्य के 25% की देरी के कारण दंड को सीमित करने के लिए सहमत हुई और काम की खराब गुणवत्ता के लिए अन्य दंड अनुबंध के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार लगाया जाएगा।

ख) शासी परिषद ने आगे मंजूरी दी कि एलआरयूआर सुधार लागत में कटौती के बाद पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से एमएसपी को भुगतान जारी किया जाएगा, जिसने एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजीटल दर का 4.3% निर्धारित किया है। एलआरयूआर सुधारों के कारण काटी गई लागत वापस आरजीआई को लौटा दी जाएगी।

शासी परिषद के निर्णयों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2017–18 और वित्तीय वर्ष 2018–19 में एमएसपी का भुगतान कार्य पूरा होने में देरी के कारण और एलआरयूआर लागत के निदेशन से जुर्माने की सीमा को ध्यान में रखते हुए देय राशि की पुनर्गणना के बाद किया गया है। आरजीआई को वापस करने के लिए आवश्यक एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत को "वर्तमान देनदारियों और प्रावधान" के तहत उप–शीर्ष "अन्य देयताएं–आरजीआई को देय एलआरयूआर" के तहत और खाते में कटौती की गई दंड की राशि के तहत दिखाया गया है और मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार एमएसपी का भुगतान उप–शीर्ष "प्रतिधारण धन–दंड" और "वर्तमान देयताएं और प्रावधान" के तहत दर्ज किया गया है।

6. हम एतदद्वारा पुष्टि करते हैं कि, प्रबंधन द्वारा एकत्र की गई सूचना के आधार पर ऐसी पार्टियों की पहचान के अनुसार संस्था की सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में निर्दिष्ट सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अंतर्गत आने वाली किसी भी पार्टी को कोई भी धनराशि देय नहीं है।
7. देनदारों और लेनदारों, ऋणों और अग्रिमों को बहियों में उस मूल्य पर बताया गया है जो वसूली योग्य/देय हैं। हालांकि, पार्टियों से पुष्टि प्रक्रिया में है।
8. आंकड़े नजदीकी रुपए में राउंड ऑफ किए गए हैं।
9. पिछले वर्ष के आंकड़ों को वर्तमान वर्ष के आंकड़ों के साथ तुलनीय बनाने के लिए आवश्यकता के अनुसार पुनः सामूहीकृत/वर्गीकृत किया गया है ।
10. विभिन्न केंद्रों के डेटा एकीकरण के दौरान, श्रेष्ठतर और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए शीर्षक/समूहों को पुनः व्यवस्थित किया गया है।
11. विभिन्न केन्द्रों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन के विवेक अनुसार केवल महत्वपूर्ण टिप्पणियों को इन समेकित वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत किया गया है, गैर महत्वपूर्ण टिप्पणियों के लिए प्रत्येक केंद्र के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण का संदर्भ लिया जा सकता है।
12. नाइलिट में 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए स्रोत पर कर की कटौती का आयकर विभाग द्वारा जारी फॉर्म 26एएस के साथ समाधान किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।
13. पूर्व अवधि और अतिरिक्त साधारण मदें :

औरंगाबाद केंद्र

वर्तमान वर्ष के आय–व्यय लेखा में पिछले वर्ष से संबंधित लेन–देन दर्शाया गया है। विवरण इस प्रकार हैं:

पूर्व अवधि आय:

i) छात्रावास किराया	रु 27,300/–
ii) व्युत्क्रमण के कारण मूल्यह्रास का प्रावधान	रु 25,000/–
iii) परीक्षा व्यय की प्रतिपूर्ति	रु 5,17,142/–

अजमेर केंद्र

(i) पूर्व वर्ष से संबन्धित लेनदेन आय और व्यय लेखा में दर्शायी गई है।

पूर्व अवधि आय	रु 13,67,964/–(अजमेर)
पूर्व अवधि का खर्च	रु.422/–(अजमेर) तथा रु.7992/–(पाली)

(ii) पाली केंद्र की आय 38050/– रुपये (जीएसटी सहित) जीएसटी रिटर्न में शामिल नहीं थी।

14. केंद्र उपलब्ध नकदी, चालू खाते में शेष, अल्पकालिक जमा, के मामले में प्राप्ति और भुगतान खातों को तैयार करने में सुव्यवस्थित नीति का पालन नहीं करते हैं जिसके परिणामस्वरूप दिनांक 31–3–2021 के तुलन–पत्र और प्राप्ति और व्यय खाते में में दर्शायी गई उपलब्ध नकदी, चालू खाते में शेष, अल्पकालिक जमाओं व दीर्घकालिक जमाओं के अंतिम शेष के बीच कुछ समाधान अंतर होता है। इसके अतिरिक्त, दिनांक 31.3.2020 तक प्राप्तियाँ और भुगतान खाते में नकद और बैंक शेष राशि अथशेष और अंतशेष के बीच कुछ समाधान अंतर है ।

कृते जे पी चावला एण्ड कं.
(शासपत्रित लेखाकार)
एफआरएन –001875एन/एन500025

हस्ता
(हिमानीष राय)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता
(जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

हस्ता
(सीए रजत चावला)
भागीदार
स.सं. 510745

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.12.2021

संक्षिप्ताक्षर

एआईसीटीई अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद। **बीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक। **बीआई–ए** जैव सूचना विज्ञान ए–स्तर। **बीआई–ओ** जैव–सूचना–विज्ञान–ओ–स्तर। **बीपीओ** व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग। **बीसीसी** मूलभूत कंप्यूटर पाठ्यक्रम। **सीएसएसपी** प्रणाली सुरक्षा कार्मिक। **सीसीएफपी** प्रमाणित कंप्यूटर फोरेन्सिक कार्मिक। **सीआईएसएसए** प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा ऑडिटर **सीएसएसएसडी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा समाधान डिजाइनर। **सीवीओ** मुख्य सर्तकता अधिकारी। **सीसीसीए** कंप्यूटर अनुप्रयोगों सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम। **सीएचएम–ओ**–स्तर कंप्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ओ स्तर। **सीएचएम–ए**–स्तर कंप्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ए–स्तर। **सीसीसी** कंप्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम। **ईसीसी** विशेषज्ञ कंप्यूटर पाठ्यक्रम। **सीईडीटीआई** भारतीय इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र। डीपीआर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट। **डीईपीएम** इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन व अनुरक्षण में डिप्लोमा। **डोनर** उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय विभाग। **डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण। **एचटीसीएस** हार्डवेयर तकनीकी परामर्श योजना। **आईसीटी** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईटीईएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं। **आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी। **जेएंडके** जम्मू तथा कश्मीर। **एमईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय। **एमसीए** कंप्यूटर अनुप्रयोग निष्णात। **नाइलिट** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान। **एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद। **एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर। **पीजीडीसीए** कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। **पीएसयू** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम। **पीएमसी** परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता। **आरजीआई** भारत के महापंजीयक। **आरएंडडी** अनुसंधान एवं विकास। **एससी** अनुसूचित जाति। **एसटी** अनुसूचित जनजाति। **वीएलसी** वर्चुअल अधिगम केन्द्र। **एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन। **एनबीसीसी** राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम। **सीपीडब्ल्यूडी** केंद्रीय लोक निर्माण विभाग। **एमबी** प्रबंधन बोर्ड। **जीसी** अधिशाषी परिषद। **एफएंडए** वित्त एवं लेखा समिति की बैठक।

उमंग ऐप
पर
नाइलिट सेवाएं

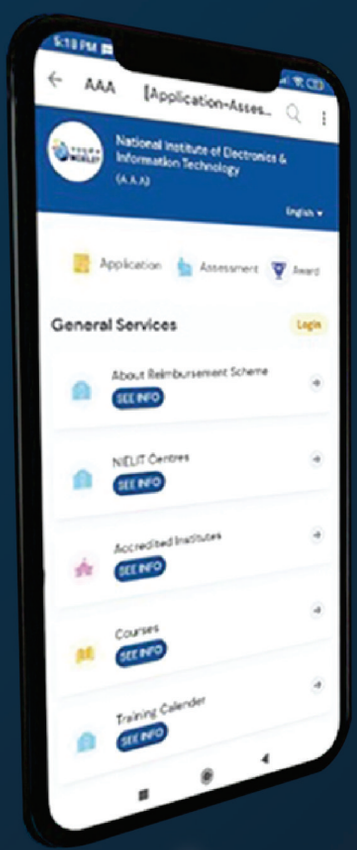

- पंजीकरण की स्थिति जाँचे
- पूर्ण छात्र पंजीकरण फॉर्म
- प्रतिपूर्ति योजना के बारे में
- एडमिट कार्ड डाउनलोड
- परिणाम डाउनलोड/देखें
- ई–प्रमाणपत्र
- ई–अंकपत्र
- छात्र पंजीकरण फार्म
- छात्र पंजीकरण सह परीक्षा फॉर्म
- नाइलिट केंद्र
- लॉगिन बनाएं
- प्रत्यायित संस्थान
- प्रशिक्षण कैलेंडर
- परीक्षा फॉर्म के लिए आवेदन
- पाठ्यक्रम
- ई–सामग्री तथा अन्य

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय)

नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077, फोनः– 91–11–2530 8300
कॉल सेन्टर नं.: 011–25308303 वेबसाइटः– **www.nielit.gov.in** ईमेलः– contact@nielit.gov.in